RNI NO.: MAHHIM/2013/52540

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 11 ■ अंक 249 ■ नाशिक, मंगलवार 16 सितंबर 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

भारत की विदेश नीति से दुनिया हतप्रभ

पेज-4

प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे मुख्यमंत्री

पेज-6

टेनिस में नए टैलेंट को सानिया ने सराहा

पेज-9

रोमांस में लगा कॉमेडी का तड़का, वरुण-जान्हवी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज

पेज-10

Short News एक नजर

मोनोरेल अचानक रुकी, 17 यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई। वडाला में सोमवार सुबह मोनोरेल अचानक तकनीकी खराबी के कारण रुक गई। यह घटना सुबह 7:45 बजे हुई, मोनोरेल में 17 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी खराबी के चलते मोनोरेल कुछ समय तक वहीं खड़ी रही। एमएमआरडीए ने कहा कि तकनीकी दिक्कत को तुरंत ठीक कर दिया गया। मरम्मत पूरी होने के बाद मोनोरेल ने अपनी यात्रा फिर से शुरू कर दी। किसी भी यात्री को चोट नहीं लगी और सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए जरूरी खबर

नई दिल्ली। भारत सरकार के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 2 सितम्बर 2025 को भारत राजपत्र में एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की थी। इसके तहत केंद्रीय सिविल सेवा (यूनिफाइड पेंशन स्कीम – UPS नियम, 2025 को लागू किया गया है। इन नियमों का उद्देश्य उन केंद्रीय कर्मचारियों की सेवा शर्तों को विनियमित करना है, जिन्होंने UPS को चुना है। अब सरकार ने 15 सितम्बर 2025 को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए स्पष्ट किया कि अब UPS में शामिल कर्मचारियों को एक बार NPS (नेशनल पेंशन सिस्टम) में जाने का विकल्प दिया जाएगा। यह विकल्प केवल एक बार ही इस्तेमाल किया जा सकेगा और एक बार NPS चुन लेने के बाद कर्मचारी को दोबारा UPS में लौटने की अनुमति नहीं होगी।

अगस्त में बेरोजगारी दर घटकर 5.1% आई

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में भारत की बेरोजगारी दर (UR) घटकर 5.1% पर आ गई है। जुलाई में यह 5.2% और जून में 5.6% रही थी। ऐसे में यह लगातार दूसरा महीना है जब UR में गिरावट रही है। केंद्र सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 15 सितंबर को बेरोजगारी दर के आंकड़े जारी किए हैं। पुरुषों में बेरोजगारी दर (UR) अगस्त में घटकर 5.0% हो गई है, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शहरी क्षेत्रों में पुरुषों की बेरोजगारी दर जुलाई के 6.6% से घटकर अगस्त में 5.9% पर आ गई। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों की बेरोजगारी दर भी अगस्त में घटकर 4.5% हो गई, जो पिछले चार महीनों में सबसे कम है। ग्रामीण पुरुषों के UR स्तर से कम है।

आचार्य देवव्रत ने संभाला महाराष्ट्र राज्यपाल का कार्यभार

मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई नए राज्यपाल को शपथ

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद पर शपथ ली। राजभवन के दरबार हाल में सोमवार को आयोजित शपथ विधि कार्यक्रम में मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने आचार्य देवव्रत को राज्यपाल पद की शपथ दिलाई। महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल देवव्रत ने संस्कृत भाषा में शपथ ली।

शपथ के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के नए राज्यपाल को पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी। आचार्य देवव्रत महाराष्ट्र के 22 वें राज्यपाल हैं। गुजरात के राज्यपाल की जवाबदारी निभा रहे देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मूलतः हरियाणा के समालखा के रहने वाले आचार्य देवव्रत का जन्म 18 जनवरी, 1959 को हुआ है। उन्होंने कुरुक्षेत्र के एक गुरुकुल के प्रधानाचार्य के रूप में पारंपरिक भारतीय शिक्षा पद्धति का प्रसार किया। साल 2019 से वे गुजरात के राज्यपाल हैं। इसके पहले वह अगस्त 2015 से जुलाई 2019 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का कार्यभार संभाल चुके हैं।

आचार्य देवव्रत ने गुजरात में शैक्षिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलों को बढ़ावा दिया। उन्होंने विशेष रूप से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय कार्य किया। देवव्रत सादगी के लिए भी जाने जाते हैं रविवार को राज्यपाल आचार्य देवव्रत अपनी पत्नी दर्शना देवी के साथ तेजस एक्सप्रेस से गुजरात से मुंबई पहुंचे।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं

सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है।

CJI बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा

न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी से ही हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

SC के आदेश पर कांग्रेस-भाजपा का बयान

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा- मेरे हिसाब से ऐसी नौबत आनी ही नहीं चाहिए थी। जब बिना चर्चा के कानून बनाए जाते हैं, तो आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ता है और राहत देनी पड़ती है। यह पहली बार नहीं है, पिछले 10-11 सालों में कई बार ऐसा हुआ है।

बीजेपी सांसद और वक्फ बिल की संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के चेयरमैन जगदंबिका पाल- सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि संसद से पास हुआ कानून पूरी तरह वैध है। यह बिल लोकसभा-राज्यसभा में 14 घंटे की चर्चा और JPC में 6 महीने की समीक्षा के बाद बना है।

5 पॉइंट्स पर आदेश दिया, कहा- राज्य बोर्ड का CEO मुस्लिम समुदाय से ही हो

- **वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम:** वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रावधानों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन कुछ सीमाएं तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में (20 में से) अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्ड में (11 में से) अधिकतम 3 गैर-मुस्लिम सदस्य ही रख सकते हैं। पहले इसमें अधिकतम सीमा तय नहीं थी।
- **CEO की नियुक्ति:** राज्य बोर्ड में सेक्शन 23 (CEO की नियुक्ति) को बरकरार रखते हुए कोर्ट ने कहा कि जहां तक संभव हो, CEO (जो बोर्ड का पदेन सचिव भी होता है) मुस्लिम समुदाय से ही नियुक्त किया जाए।
- **वक्फ बनाने की शर्त:** सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के सेक्शन 3(r) के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि कोई व्यक्ति वक्फ बनाने के लिए कम से कम 5 साल से मुसलमान होना चाहिए। अदालत ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें यह तय करने के लिए नियम नहीं बनातीं कि कोई व्यक्ति वास्तव में मुसलमान है या नहीं, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं हो सकता, क्योंकि बिना नियम के यह मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है।
- **वक्फ की प्रॉपर्टी का वेरिफिकेशन:** सुप्रीम कोर्ट ने सेक्शन 3C से जुड़े प्रावधान यानी बदलाव पर रोक लगाई। यह धारा सरकारी अधिकारियों को वक्फ संपत्तियों की स्थिति तय करने का अधिकार देती थी। कोर्ट ने उस प्रावधान पर भी रोक लगाई, जिसमें कहा गया था कि किसी संपत्ति को वक्फ तभी माना जाएगा, जब सरकारी अधिकारी की रिपोर्ट में अतिक्रमण न होने की पुष्टि हो। धारा 3C(3), जिसमें अधिकारी को संपत्ति को सरकारी जमीन घोषित करने और राजस्व अभिलेख बदलने का अधिकार था, उसे भी रोक दिया।

विस्तृत पेज 7 पर

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

गड़बड़ी मिली तो SIR रद्द करेंगे

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

बिहार एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी बात कही है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए कहा कि वह बिहार एसआईआर पर आंशिक राय नहीं दे सकता। जो भी अंतिम फैसला होगा, वह पूरे देश के ऊपर लागू होगा।

अदालत ने यह भी कहा कि हम मानते हैं कि संवैधानिक प्राधिकार, भारत निर्वाचन आयोग, बिहार में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। आगे उसने कहा कि अगर हमें बिहार एसआईआर के किसी भी चरण में चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई विधि में कोई अवैधता मिलती है, तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी। बिहार में एसआईआर कवायद की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सात अक्टूबर की तारीख तय की। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की बेंच में हुई। याचिकाकर्ता ने मामले में एक अक्टूबर से पहले सुनवाई की मांग की। इसी दिन फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित होनी है। लेकिन अदालत ने यह करते हुए इनकार कर दिया कि कोर्ट 28 सितंबर से दशहरे की छुट्टी पर एक हफ्ते के लिए बंद हो रहा है।

मुंबई में रविवार देर शाम से शुरू हुई बारिश का सिलसिला सोमवार को जारी रहा जिससे नगर-उपनगर के निचले इलाकों में जल जमाव के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। कई क्षेत्रों में जल जमाव के कारण वाहन रेंगते दिखे, जबकि मुंबई की लाइफलाईन कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवा 5-10 मिनट विलंब से संचालित हुई। अंधेरी सबवे में डेढ़ फीट तक पानी भर जाने से पुलिस ने इसे कुछ समय के लिए बंद कर दिया। दादर, सायन, कुर्ला और बांद्रा स्टेशनों पर पानी भरने से लोकल ट्रेनें प्रभावित हुई, जिससे मुंबईकरो को अपने गंतव्य तक पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल जैसे-जैसे दिन बीतता गया बारिश का असर कम होने लगा, लेकिन आसमान में काले बादल डेरा जमाए रहें।

विस्तृत पेज 2 पर

आज भारत-अमेरिका में ट्रेड डील पर चर्चा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही बड़ी डील होने के आसार हैं। खबर है कि अमेरिकी अधिकारी सोमवार रात भारत पहुंच रहे हैं। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि टैरिफ वॉर के बीच बातचीत कहां तक पहुंची है। भारत ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत से अच्छे संबंधों की दुहाई दे रहे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी वार्ताकार या नेगोशिएटर भारत पहुंच रहे हैं। मंगलवार को भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक वार्ता होने जा रही है। खास बात है कि यह मीटिंग ऐसे समय पर हो रही है, जब ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगाया है। साथ ही रूसी तेल खरीदने को लेकर भी लगातार धमकी दी जा रही हैं।

नवारो ने उगला जहर

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के ठीक पहले व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि भारत बातचीत की मेज पर वापस आ रहा है। नवारो वही शख्स हैं, जो लगातार भारत विरोधी बयान देकर सुर्खियों में बने रहते हैं। माना जा रहा है कि भारत के खिलाफ अमेरिकी टैरिफ के पीछे नवारो की बड़ी भूमिका है।

एक हफ्ते पहले पीटर नवारो ने कहा था कि भारत को अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में किसी न किसी मोड़ पर साथ आना ही होगा, वरना यह दिल्ली के लिए 'अच्छा नहीं होगा'। कहा था कि भारत सरकार उनसे नाराज है। उन्होंने भारत को टैरिफ का 'महाराजा' बताया था। हालांकि, नवारो यह भूल गए कि भारत और अमेरिका की अर्थव्यवस्था में जमीन-आसमान का फर्क है।

धमकियों से कुछ नहीं होता

चीन ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कदम की आलोचना करते हुए इसे धौंस का एक रूप बताया है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ने बीते सप्ताह G7 और NATO में शामिल देशों से चीन और रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर भारी शुल्क लगाने की अपील की थी। ट्रंप ने एक लेटर जारी कर कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को रुकवाने के लिए चीन पर 50 से 100 फीसदी टैरिफ लगाए जाने चाहिए। अब इस पर चीन का जवाब आया है। चीन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर इस तरह का कोई भी कदम उठाया गया तो जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

अंबानी के वनतारा को क्लीनचिट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जानवरों की खरीद-बिक्री कानूनी; जैन मठ से हथिनी की शिफ्टिंग पर विवाद

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'जामनगर स्थित वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में जानवरों की खरीद-बिक्री नियमों के दायरे में हुई है।' इस सेंटर को अंबानी परिवार का रिलायंस फाउंडेशन चलाता है।

कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच दल (SIT) की रिपोर्ट में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा, अब इस मामले को बार-बार उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। स्वतंत्र समिति ने जांच की है और हम उसी पर भरोसा करेंगे। इससे पहले SC ने 26 अगस्त को 2 पब्लिक इंटरेस्ट पिटीशन (PIL) पर SIT बनाने का आदेश दिया था। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के जैन मठ से हाथी 'माधुरी' को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी।

SIT ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंपी

4 सदस्यीय SIT का नेतृत्व पूर्व जज जस्टिस जे. चेलमेश्वर ने किया था और टीम में जस्टिस राघवेंद्र चौहान (पूर्व चीफ जस्टिस, उत्तराखंड व तेलंगाना HC), पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले और कस्टम्स अधिकारी अनिश गुप्ता शामिल थे।

SIT रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी

वनतारा के वकील हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जानी चाहिए। उनका तर्क था कि अगर रिपोर्ट बाहर आई तो न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अखबार उसका केवल कुछ हिस्सा छापकर गलत नैरेटिव बना देंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी।

Gen-Z ने नेपाली पीएम कार्की का मांगा इस्तीफा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

नेपाल में Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है। इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा,अगर हम फिर सड़क पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीनियर वकील ओमप्रकाश आर्यल

सरकार में दखलअंदाजी कर रहे हैं। गुरुंग का आरोप है कि आर्यल ने खुद को गृहमंत्री बनाने का फैसला किया है। ओमप्रकाश आर्यल काठमांडू के मेयर बालेन शाह के करीबी माने जाते हैं।

पीएम कार्की ने ओमप्रकाश आर्यल को गृह और कानून मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री और कुलमान घिसिंग को ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है।

हर थाने में CCTV जरूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला- रिकॉर्डिंग जांचने के लिए कंट्रोल रूम बनें, जिसमें इंसानी दखल कम हो; फैसला 26 सितंबर को

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे की कमी से जुड़े मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि थानों में CCTV न होने से निगरानी में मुश्किल हो रही है। कोर्ट ने राजस्थान से जुड़ी एक रिपोर्ट पर एक्शन लेते हुए सुनवाई की।

इस मामले में फैसला 26 सितंबर को आएगा। बेंच अपने आदेश में पुलिस स्टेशन और जांच एजेंसियों के दफ्तरों में CCTV कैमरे लगवाने को लेकर राज्यों और केंद्र सरकार को भी निर्देश दे सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह मुद्दा निगरानी का है। कल को अधिकारी थाने में कैमरे बंद कर सकते हैं, लेकिन हम ऐसा कंट्रोल रूम चाहते हैं, जिसमें इंसानी दखल कम से कम हो। जस्टिस संदीप मेहता ने कहा-पुलिस थानों की भी प्राइवेट एजेंसी से जांच करवानी चाहिए। हम IIT's को शामिल कर ऐसा सिस्टम बनाने पर विचार कर सकते हैं। वे हमें ऐसा सॉफ्टवेयर दें, जिससे हर सीसीटीवी फीड की निगरानी की जा सके। यह निगरानी भी मानवीय न होकर, पूरी तरह से AI बेस्ड हो।

एक अक्टूबर से बदल रहा टिकट बुकिंग का नियम

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की टिकट बुकिंग व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव किया है। रेलवे बोर्ड के अनुसार, 1 अक्टूबर 2025 से अब जब भी किसी ट्रेन की जनरल टिकट बुकिंग खुलती है, उसके पहले 15 मिनट तक केवल आधार ऑथेंटिकेटेड यूजर्स ही IRCTC की वेबसाइट या ऐप से टिकट बुक कर पाएंगे। अभी तक यह नियम केवल तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू था, लेकिन अब इसे सामान्य आरक्षण पर भी लागू किया जा रहा है।

क्या है मकसद

रेलवे का कहना है कि इस कदम से टिकट बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी, बिचौलियों/एजेंटों की मनमानी रुकेगी और आम यात्रियों को शुरुआती समय में सीट पाने का ज्यादा मौका मिलेगा।

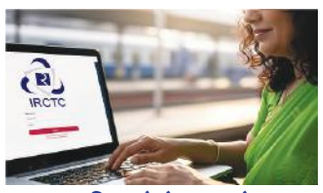

नया नियम कैसे काम करेगा

उदाहरण के लिए, यदि कोई यात्री 15 नवंबर के लिए नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली शिव गंगा एक्सप्रेस में टिकट बुक करना चाहता है, तो बुकिंग विंडो 16 सितंबर को रात 12:20 बजे खुलेगी। रात 12:20 बजे से 12:35 बजे के बीच, केवल आधार-सत्यापित उपयोगकर्ता ही इस ट्रेन खाते के लिए टिकट बुक कर पाएंगे। आधार प्रमाणीकरण के बिना, लोग इस महत्वपूर्ण 15 मिनट की अवधि के दौरान कोई बुकिंग नहीं कर पाएंगे, जब मांग आमतौर पर बहुत अधिक होती है।

त्योहारों और शादियों के मौसम में प्रभाव

दिवाली, छठ पूजा और होली जैसे प्रमुख त्योहारों के साथ-साथ शादियों के मौसम में, ट्रेन टिकटों की मांग में वृद्धि होती है, खासकर जब यात्रा की तारीख से 60 दिन पहले बुकिंग विंडो खुलती है। इससे सामान्य बुकिंग के माध्यम से टिकट प्राप्त करने की कोशिश करने वाले यात्रियों के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा होती है, जैसा कि तत्काल बुकिंग के दौरान देखी जाने वाली भीड़ के समान है। नए आधार-आधारित नियम से बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने और इन व्यस्त समय के दौरान धोखाधड़ी वाली बुकिंग को कम करने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी का किराया तय

- 1.5 किलोमीटर का न्यूनतम किराया होगा 15 रुपए
- बाद में प्रत्येक किलोमीटर पर 10.27 रुपए की दर

महानगर संवाददाता
मुंबई

सरकार ने महाराष्ट्र बाइक-टैक्सी नियम 2025 के तहत राज्य में सेवा देने वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का किराया तय कर दिया है। इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी का न्यूनतम किराया 1.5 किलोमीटर के लिए 15 रुपए होगा। किराए की दर तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी के पहले डेढ़ किलोमीटर का प्रारंभिक किराया 15 रुपए होगा। इसका मतलब यह है कि चाहे यात्रा कितनी भी छोटी हो, उसका शुल्क 15 रुपए देना होगा। इसके बाद प्रत्येक किलोमीटर पर 10.27 रुपए की दर लागू होगी। बता दें कि राज्य परिवहन प्राधिकरण ने तीन प्रमुख कंपनियों उबर इंडिया, रैपिडो ट्रांसपोर्टेशन और ऑनी टेक्नॉलॉजीज

को मुंबई महानगर क्षेत्र के लिए अस्थायी (प्रोविजनल) लाइसेंस दिया है। इस अस्थायी लाइसेंस की अवधि 30 दिन की होगी, इसके बाद कंपनियों को अंतिम लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा। अस्थायी लाइसेंस की सभी शर्तें मानने के बाद ही कंपनियों को स्थायी लाइसेंस दिया जाएगा। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस निर्णय से यात्रियों को सस्ता, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन उपलब्ध होगा।

12 घंटे की मूसलाधार बारिश से कई हिस्सों में 200 मिमी से अधिक बारिश

महानगर संवाददाता
मुंबई

पिछले कुछ दिनों से रुकी बारिश के बाद, सोमवार को भी मुंबई में बारिश जारी रही। आधी रात से मुंबई और उसके उपनगरों में हुई भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव हो गया। सायन, माटुंगा, दादर, चेंबूर, कुर्ला, वडाला, दादर, परेल और अन्य इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। कुर्ला, सायन और माटुंगा में रेलवे ट्रैक पर पानी भर जाने के कारण ट्रेनें देरी से चलीं। मोनोरेल भी बंद रही, जिससे यात्री कुछ देर तक फंसे रहे। सप्ताह के पहले दिन भारी बारिश के कारण यातायात बाधित होने से मुंबई वासियों को काफी परेशानी हुई। कुर्ला, सायन और माटुंगा में रेलवे ट्रैक पर पानी चढ़ जाने से लोकल ट्रेनें 20 से 25 मिनट देरी से चलीं।

आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया

आधी रात से ही भारी बारिश जारी रही। मौसम विभाग ने बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। बहुत भारी बारिश की चेतावनी के बाद मुंबई नगर निगम और अन्य एजेंसियां अलर्ट पर थीं। निचले इलाकों में पानी जमा हो गया। सायन गांधी मार्केट, अंधेरी सबवे, माटुंगा, दादर, लोअर परेल, चेंबूर शैल कॉलोनी, कुर्ला, बांद्रा, खार, अंधेरी, मलाड, कांदिवली, गोरेगांव, मुलुंड, भांडुप, घाटकोपर, सांताक्रूज, किंग्स सर्कल आदि इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे सड़क यातायात बाधित हुआ। सड़कों पर पानी के कारण मुंबई वासियों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा।

राज्य के कई जिलों में बारिश का कहर

- थेऊर गांव से 70 लोगों को बचाया गया
- आष्टी तालुका में 11 लोग एयरलिफ्ट
- उपमुख्यमंत्री ने लिया हालात का जायजा

रविवार रात से जारी मूसलाधार बारिश ने मुंबई सहित राज्य के मराठवाडा इलाके और पुणे में कहर मचाया। पुणे जिले के गांव थेउर में बाढ़ का पानी घुसने से 70 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। मराठवाडा के बीड जिले के बाढ़ग्रस्त आष्टी तालुका के गांवों में फंसे 11 लोगों को एयरलिफ्ट किया गया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंत्रालय स्थित राज्य आपातकालीन केंद्र का दौरा कर बारिश से उत्पन्न हालात की समीक्षा की। उन्होंने आष्टी तालुका के कुछ गांवों में फंसे 40 ग्रामीणों को एनडीआरएफ की मदद से एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के निर्देश दिए। शिंदे ने भारी बारिश से प्रभावित जिलों के कलेक्टरों से बातचीत कर राहत और बचाव कार्य की जानकारी ली। पुणे जिले के थेऊर गांव में पानी भरने की सूचना मिलने के बाद पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (पीएमआरडीए) के अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन की एक टीम को भेजा गया। एहतियात के तौर पर हमने कुछ घरों से 60 से 70 लोगों को निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

महाराष्ट्र की स्वास्थ्य योजनाओं में बड़ा सुधार

■ तालुकावार अस्पताल मैपिंग, गांवों में स्वास्थ्य मित्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन स्वास्थ्य योजना और महात्मा ज्योतिराव फुले जन स्वास्थ्य योजना को एकीकृत कर अब 2399 नए उपचारों को मंजूरी दी है। साथ ही पांच लाख रुपए से अधिक खर्च वाले अंग प्रत्यारोपण के उपचार के लिए कॉर्पस फंड बनाने को मंजूरी दी गई। सोमवार को योजनाओं के एकीकृत क्रियान्वयन पर नीतिगत निर्णय लेने के गठित राज्य स्वास्थ्य गारंटी सोसाइटी की नियामक परिषद की बैठक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में वर्षा आवास पर हुई। बैठक में खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, राज्यमंत्री माधुरी मिसाल उपस्थित थीं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर और महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले और प्रधानमंत्री जन आरोग्य दोनों योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पतालों की तालुकावार मैपिंग की जाए। संबंधित तालुका में 30 बेड का एक भी अस्पताल नहीं होने पर वहां उपलब्ध अस्पतालों को इस योजना का लाभ दिया जाए और उनके भुगतान के लिए अलग व्यवस्था की जाए। ऐसे तालुका में 30 बेड के अस्पताल शुरू करने के लिए निजी अस्पतालों को आमंत्रित कर आवश्यक सुविधाएं दी जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य मित्रों की संख्या भी बढ़ाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जन स्वास्थ्य योजना में शामिल अस्पतालों को उनके भुगतान समय पर किए जाएं, ताकि वे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज दे सकें। साथ ही, इस योजना में उपलब्ध उपचार, अस्पताल और लाभों की जानकारी आसानी से मिले, इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक ऐप तैयार किया जाए। इस ऐप में चैटबॉट के माध्यम से सभी जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था होनी चाहिए।

कैंसर उपचार के लिए समग्र नीति तैयार की जाए

मुख्यमंत्री फडणवीस ने निर्देश दिया कि राज्य की जनता के लिए व्यापक कैंसर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा शिक्षा और औषधि विभाग को नीति तैयार करनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि नागपुर स्थित संत तुकडोजी महाराज कैंसर अस्पताल की अधूरी इमारत का निर्माण कार्य तुरंत पूरा किया जाए और इसके लिए आवश्यक निधि पूरक मांग में उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि श्री साई संस्थान की ओर से साईनगर, शिर्डी में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल की स्थापना के लिए संस्थान से अनुरोध किया जाएगा।

सक्रिय हुए शरद पवार

किसानों की आत्महत्या को लेकर सरकार पर साधा निशाना

मुंबई। विधानसभा सभा चुनाव में मिली हार के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। आगामी मनपा और स्थानीय चुनाव को देखते हुए शरद पवार ने प्रदेश का दौरा शुरू कर दिया है। सोमवार को नाशिक में पार्टी के पदाधिकारियों ने सरकार के विरोध में आक्रोश मोर्चा निकाला था जिसमें बोलते हुए शरद पवार ने केंद्र और राज्य सरकार को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान निकालना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य में किसानों की आत्महत्या की संख्या लगातार बढ़ रही है पिछले दो महीनों में दो हजार किसानों ने आत्महत्या की है। इसमें सबसे ज्यादा किसानों की आत्महत्याएं मराठवाड़ा में हुई हैं। कर्ज के कारण कई किसानों का जीवन बर्बाद हो गया है। हम किसानों की समस्याओं को लेकर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यह तो नाशिक में शुरुआत है। अगर सरकार ने किसानों की समस्या का समाधान नहीं किया तो ऐसे ही पूरे प्रदेश में आक्रोश आंदोलन चलता रहेगा। शरद पवार ने कहा कि मैं कृषि मंत्री था, जब किसान आत्महत्या की घटना की जानकारी मिली तो मैंने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से अनुरोध किया कि किसान अपनी जान क्यों देते हैं? यह समझना चाहिए। दिल्ली में बैठकर यह नहीं होगा, इसके लिए हमें जिलों का दौरा करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर राज्य में स्वच्छता अभियान की शुरुआत

महानगर संवाददाता
मुंबई

राज्य के 750 गांवों में चलाएंगे अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत महोत्सवी जन्मदिवस के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र में कौशल विकास विभाग की ओर से "स्वच्छता अभियान" आयोजित किया जा रहा है। कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा की पहल से राज्य के 419 शासकीय औद्योगिक संस्थानों से हजारों विद्यार्थी एकत्र होकर, कुल 750 गांवों में स्वच्छता अभियान चलाने वाले हैं। इस उपक्रम का शुभारंभ बुधवार, 17 सितम्बर को सुबह 11 बजे पनवेल तालुका स्थित गव्हाण ग्रामपंचायत कार्यालय के सामने होगा। इस अभियान के प्रमुख मार्गदर्शक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस होंगे तथा उद्घाटन कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा के हाथों से किया जाएगा।

अभियान के बारे में बोलते हुए मंत्री लोढा ने कहा, "विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का एक महत्वपूर्ण चरण है स्वच्छ भारत अभियान। भारत को स्वच्छ बनाने का संकल्प आदरणीय प्रधानमंत्री ने लिया है और इसके लिए एकजुट होने का आवाहन आदरणीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीसजी ने भी किया है। इसलिए आदरणीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में कौशल विकास विभाग के माध्यम से हमने यह उपक्रम प्रारंभ किया है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के विषय में आज भी जागरूकता की आवश्यकता है और इस अभियान के माध्यम से हम यह आवश्यकता पूरी करेंगे।"

पीएम नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को पूर्ण करने के लिए महाराष्ट्र के कौशल विकास विभाग द्वारा अनेक उपक्रम संचालित किए जा रहे हैं। भारत की पहली संत गाडगे बाबा स्वच्छ भारत अकादमी महाराष्ट्र में प्रारंभ की गई है, जिसके माध्यम से हजारों युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार मिल रहा है। स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह हम सभी जानते हैं, लेकिन भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश को स्वच्छ रखने के लिए आवश्यकता है जनजागृति और कुशल मानव संसाधन की।

मिल मजदूरों के लिए भी आलीशान घर

वर्ली में सेंचुरी मिल की जगह बनेंगी ऊंची इमारतें

मुंबई। बीडीडी चॉल के निवासियों को उनके हक का घर मिलने के बाद, अब मिल मज़दूरों को वर्ली स्थित सेंचुरी मिल साइट पर जल्द ही घर मिलने की उम्मीद जगी है। मुंबई महानगर पालिका द्वारा सेंचुरी टेक्सटाइल का स्वामित्व अपने हाथ में लेने के बाद, यहाँ की साइट का विकास किया जाएगा और उस पर ऊँची आवासीय इमारतें बनाई जाएँगी। मनपा जल्द ही इस कार्य के लिए अभिरुचि पत्र आमंत्रित करेगा। मनपा प्रशासन ने इस परियोजना के अंतर्गत मूल मिल मजदूरों और उनके परिवारों को 400 वर्ग फुट से बड़े घर दिए जाएंगे, जबकि बिक्री के लिए उपलब्ध घर और भी बड़े क्षेत्रफल के होंगे। वर्तमान में इस जगह पर लगभग 800 किरायेदार और मकान मालिक रहते हैं। सर्वेक्षण पूरा होने के बाद महानगरपालिका ने निजी विकासकर्ताओं के माध्यम से इस प्रकल्प को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। मनपा प्रशासन ने सेंचुरी मिल स्थल को विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए इस क्षेत्र में रहने वाले श्रमिकों के घरों का सर्वेक्षण किया गया। यहाँ के मूल मालिकों और किरायेदारों से जानकारी प्राप्त की गई। सर्वेक्षण पूरा होने के बाद, महानगरपालिका ने रुचि प्रस्ताव आमंत्रित करने का निर्णय लिया है। मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सेंचुरी मिल स्थल का विकास म्हाडा की तरह एक निजी डेवलपर द्वारा किया जाएगा। यहाँ आवासीय परिसर बनाए जाएँगे। इनमें से कुछ घर सेंचुरी मिल के मूल श्रमिकों और कर्मचारियों को दिए जाएँगे। जबकि कुछ घरों को बेचा जाएगा।

660 करोड़ रुपये मूल्य का प्लॉट

लोअर परेल में छह एकड़ जमीन सेंचुरी स्पिनिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड को गरीब वर्ग के कर्मचारियों के आवास के लिए 1 अप्रैल 1927 से 28 साल की अवधि के लिए दी गई थी। इस जमीन पर मिल द्वारा बनाए गए 476 कमरों, 10 दुकानों और चॉलों के साथ, 3 अक्टूबर 1928 के एक समझौते के तहत दी गई थी। यह समझौता 31 मार्च 1955 को समाप्त हो गया था। समझौते की समाप्ति के बाद मनपा इस जमीन का मालिक है। समझौते की समाप्ति के बाद सेंचुरी मिल द्वारा जमीन को वापस करने के बजाय अपने नाम पर स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। मनपा ने मुकदमा भी लड़ा। अदालती लड़ाई जीतने के बाद सेंचुरी मिल का भूखंड मनपा के कब्जे में आ गया। इसका वर्तमान मूल्य 660 करोड़ रुपये आंका गया है।

किसानों को दी जाए प्रति हेक्टेयर 50 हजार की मदद : सपकाल

महानगर संवाददाता
मुंबई

किसान आसमानी संकट में मगर महाराष्ट्र के सुल्तान चुप

राज्य में लौटते मानसून ने कहर बरपाया है और किसान बेहद हताश हो चुका है। राज्यभर के लगभग सभी इलाकों की फसलें बर्बाद हो गई हैं, यह खरीफ सीजन पूरी तरह चौपट हो गया है, किसान तबाह हो चुका है। इस ओर महायुति सरकार का कोई ध्यान नहीं है। किसान इतने बड़े संकट में है, लेकिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस या उनकी कैबिनेट के किसी मंत्री के मुंह से मदद की बात तक नहीं निकल रही। सरकार को इस आपदा की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए किसानों को तुरंत प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपए की सहायता देनी चाहिए, यह मांग महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने की है। तिलक भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपकाल ने कहा कि किसानों को मदद दी जाए, इसके लिए कांग्रेस पार्टी मई से लगातार मांग कर रही है। बारिश ने किसानों का सब कुछ छीन लिया है। फसलें तो गई ही हैं, लाखों हेक्टेयर जमीन भी खराब हो गई है। ऐसे समय में माय बाप सरकार से भरपूर मदद की अपेक्षा होती है, लेकिन पूर्व कृषि मंत्री तो ताश खेलने में व्यस्त रहे और मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री ध्यान ही नहीं दे रहे। पालक मंत्रियों को किसानों के खेतों पर जाना चाहिए था, लेकिन उनके पास भी समय नहीं है। किसानों के आंसू पोंछने महायुति सरकार गई ही नहीं।

मुंबई महानगरपालिका पर प्रशासक नहीं डाकू

बारिश के कारण मुंबई की सड़कों को भारी नुकसान हुआ है। जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं, लेकिन महानगरपालिका कहीं काम करती नहीं दिख रही। मुंबई महापालिका के पास 90 हजार करोड़ रुपए की बैंक जमा राशि थी, जिस पर महायुति सरकार ने डाका डाला और ऊपर से 1300 करोड़ का कर्ज भी लिया। महायुति सरकार ने महानगरपालिका पर प्रशासक नहीं, बल्कि डाकू बैठाया है और मुंबईकरों के पैसों की लूट जारी है।

वक्फ विषय पर SC के अंतरिम आदेश का नसीम खान ने किया स्वागत

मुंबई। पिछले वर्ष भाजपा सरकार ने बहुमत के जोर पर संविधान के विरुद्ध वक्फ सुधार अधिनियम लोकसभा और राज्यसभा में पारित कराया था। इस कानून के खिलाफ माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विभिन्न याचिकाएं दाखिल की गई थीं। सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय ने इस सुधार अधिनियम की कई धाराओं पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश दिया है। इस आदेश का कांग्रेस कार्य समिति सदस्य एवं पूर्व मंत्री नसीम खान ने स्वागत किया है। नसीम खान ने कहा कि, "मोदी सरकार को लगता है कि केवल बहुमत के बल पर वे संविधान के विरुद्ध निर्णय ले सकते हैं। लेकिन आज के फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि किसी भी बहुमत के आधार पर इस देश में संविधान के खिलाफ निर्णय नहीं लिया जा सकता।"

राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिए 'महाराष्ट्र डेस्टिनेशन्स थ्रू योर लेंस' अभियान

महानगर संवाददाता
मुंबई

प्रथम विजेता को 5 लाख रुपए का दिया जाएगा पुरस्कार

पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार हेतु 'महाराष्ट्र के गंतव्य आपकी नज़र से' पहल के अंतर्गत ट्रैवल फ़ोटोग्राफ़रों द्वारा ली गई चुनिंदा तस्वीरों के प्रथम विजेता को 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम की 175वीं निदेशक मंडल बैठक सह्याद्री अतिथि गृह में आयोजित की गई। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई बोल रहे थे। पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव अतुल पाटने, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नीलेश गटने, पर्यटन निदेशक डॉ. बी.एन. पाटिल, महाप्रबंधक चंद्रशेखर जायसवाल, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी जितेंद्र सोनवणे, कंपनी सचिव वर्षा चव्हाण, कानूनी सलाहकार संजय ढेकाने उपस्थित थे। मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि महाराष्ट्र के पर्यटन स्थलों की सुंदरता, विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को बड़े पैमाने पर प्रचारित और प्रसारित करने के लिए 'महाराष्ट्र डेस्टिनेशन्स थ्रू योर लेंस' पहल को क्रियान्वित किया जा रहा है। यह बहुत अच्छा है। इस पहल में अधिकतम पर्यटन प्रेमियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, प्रथम विजेता को 2.50 लाख रुपये के बजाय 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इस पहल के तहत, यात्रियों द्वारा ली गई चुनिंदा तस्वीरों को 'फोटो ऑफ द डे', 'फोटो ऑफ द मंथ' और 'फोटो ऑफ द ईयर' श्रेणियों में विभाजित करके सोशल मीडिया पर प्रकाशित किया जाएगा। चयनित फ़ोटोग्राफ़रों की जानकारी डिजिटल फ़ोटो गैलरी में प्रदर्शित की जाएगी। 'फोटो ऑफ द ईयर' श्रेणियों के लिए तस्वीरों का चयन प्रसिद्ध पर्यटन विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा किया जाएगा। प्रथम विजेता को 5 लाख रुपये, प्रथम उपविजेता को 1 लाख रुपये, द्वितीय उपविजेता को 75 हज़ार रुपये और 50-50 हज़ार रुपये के पाँच सांत्वना पुरस्कार दिए जाएँगे।

ओपेन स्पेस पॉलिसी पर रोक लगाने की मांग

मुंबई। भाजपा मुंबई अध्यक्ष और अंधेरी पश्चिम के विधायक अमित साटम ने मनपा से मांग की है कि वह अपनी अंतरिम खुली जगह नीति पर रोक लगाए और निजी पार्टियों को कोई भी जगह आवंटित न करे। साटम ने कहा कि मनपा किसी भी खुले स्थान को निजी संस्थाओं को न सौंपे और इन स्थानों के रखरखाव के लिए आय का स्रोत बनाने के तौर पर नियंत्रण विज्ञापन की व्यवस्था लागू करे।

साटम ने बताया कि मनपा के पास फिलहाल केवल अंतरिम नीति है, जिसके अंतर्गत खुले स्थानों को 11 महीने की अवधि के लिए निजी पक्षों, ट्रस्टों और संस्थानों को रखरखाव हेतु दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शहर में इसको लेकर चिंता है कि इन स्थानों पर स्वार्थी तत्व कब्जा कर सकते हैं और कुछ जगहों को स्थायी रूप से क्लब या जिमखाना में बदलकर मुनाफा कमाने का साधन बना सकते हैं। 14 सितंबर को मनपा आयुक्त को लिखे पत्र में सटम ने कहा कि अब तक ओपन स्पेस नीति बनाने की बीएमसी की कोशिशें जनता की भावना को ध्यान में न रखने की वजह से विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि शहर की राय है कि सभी सार्वजनिक खुले स्थानों का रखरखाव केवल बीएमसी द्वारा ही किया जाना चाहिए और निजी संस्थाओं या ट्रस्टों को यह जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए।

म्हाडा लोकशाही दिन पर 15 मामलों का हुआ निपटारा

मुंबई। म्हाडा की ओर से बांद्रा पूर्व स्थित गृहनिर्माण भवन में तेरहवां लोकशाही दिन आयोजित किया गया। 'म्हाडा' के उपाध्यक्ष तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जायसवाल की अध्यक्षता में हुई सुनवाई में 15 मामलों का निपटारा हुआ। म्हाडा उपाध्यक्ष संजीव जायसवाल ने पारदर्शकता, जवाबदारी और न्यायप्रिय प्रशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए तत्परता से निर्णय लिए। कामाठीपुरा स्थित पुरानी उपकरप्राप्त इमारत से जुड़े करीब 15 वर्षों से लंबित मामले में दौलत अधिकारी को बृहत सूची पर पात्रता का लाभ दिलाकर तात्काळ न्याय दिया गया। अधिकारी परिवार 1976 में विक्रोली स्थित संक्रमण शिविर में स्थानांतरित हुआ था और पुनर्विकास न होने से 2010 में स्थायी गाला के लिए आवेदन किया था। लोकशाही दिन के माध्यम से मामला रखते ही कुछ घंटों में ही उन्हें पात्र घोषित कर स्थायी घर के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

लोअर परेल की तुलसी बिल्डिंग पुनर्विकास से जुड़े मामले में ज्ञानदेव ओरोसकर ने पोटमाला (मेजानाइन) क्षेत्र को सदनिके के क्षेत्रफल में शामिल करने की मांग की। इस पर उपमुख्य अभियंता को सात दिनों के भीतर सुनवाई कर मुंबई इमारत दुरुस्ती व पुनर्रचना मंडळ के मुख्य अधिकारी की मंजूरी से निर्णय लेने के निर्देश दिए गए।

पुणे जिले के तलेगांव दाभाडे योजना से जुड़े अर्जदार साहेबराव गायकवाड को आर्थिक अड़चनों के चलते फ्लैट की कीमत चुकाने में देरी होने पर 75,000 रुपये विलंब शुल्क लगाया गया था। लोकशाही दिन में सुनवाई के दौरान जायसवाल ने मानवीय दृष्टिकोण से विलंब शुल्क माफ करने का निर्णय लिया और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सदनिके का ताबा सौंपने का आदेश दिया।

मनपा कर्मचारियों ने की 20 प्रतिशत बोनस की मांग

मुंबई। मनपा के विभिन्न विभागों के कर्मचारी और मजदूरों ने दिवाली पर 20 प्रतिशत सानुग्रह अनुदान देने की मांग की है। द म्युनिसिपल यूनियन ने यह मांग वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आयुक्त भूषण गगराणी के समक्ष रखी है। हर साल की तरह इस बार भी यूनियन ने दिवाली से पहले आयुक्त को पत्र भेजा है। कुछ साल पहले सानुग्रह अनुदान के लिए करार की पद्धति थी, लेकिन वह बंद होने के बाद हर वर्ष पत्र के माध्यम से मांग की जाती है। यूनियन ने पत्र में कहा है कि मनपा के स्थायी कर्मचारी, अधिकारी, निरीक्षक वर्ग, सुरक्षा बल के कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग की सेविकाएं, सभी संविदा और बहुउद्देशीय कर्मचारी, आरसीएच-2 के कर्मचारी, मुंबई जिला क्षय रोग नियंत्रण संस्था के कर्मचारी, एनयूएचएम तथा डी.एस. एंटरप्राइजेज के माध्यम से परिवार कल्याण व माता-बाल संगोपन विभाग में कार्यरत कर्मचारी, साथ ही बालवाड़ी शिक्षिकाएं और सहायिकाएं—इन सभी को हमेशा की तरह 2024-25 का बोनस और सानुग्रह अनुदान दिया जाए। मनपा की ओर से लगातार वर्षों से यह अनुदान दिया जाता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में इस वर्ष भी मांग को मंजूरी दी जाए और इस पर चर्चा कर शीघ्र बैठक आयोजित कर निर्णय लिया जाए, ऐसी विनती यूनियन ने की है।

सड़क कांक्रीटीकरण के लिए मनपा की नई नीति

संकरी सड़कों पर डामरीकरण, चौड़ी सड़कों का पुन: सर्वेक्षण

संकरी गलियों के सीमेंट कांक्रीटीकरण का हो रहा था विरोध

महानगर संवाददाता
मुंबई

मनपा प्रशासन ने अपनी चल रही सड़क कांक्रीटीकरण परियोजना के तहत नई नीति जारी की है, जो 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगी। इस नीति के अनुसार, 6 से 9.15 मीटर चौड़ी सड़कों को मुख्य रूप से मैस्टिक डामर से दोबारा बिछाया जाएगा और इनमें न तो डक्ट बनाए जाएंगे और न ही अन्य उपयोगिता सेवाओं का उन्नयन होगा। हालांकि यदि ये सड़कें पूरी चौड़ाई में विकसित हो चुकी हैं और जनप्रतिनिधि जोर देंगे तो इन्हें कंक्रीट किया जा सकेगा।

बता दें 6 मीटर से छोटी सड़को का सीमेंट कांक्रीटीकरण मनपा द्वारा किया जा रहा था। जिसको लेकर काफी विरोध हो रहा था यहां तक की राजनितिक पार्टियों द्वारा मनपा के निर्णय का भारी विरोध हुआ था। मनपा ने निर्णय लिया है कि 9.15 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों का पहले पुनः सर्वेक्षण होगा और फिर संबंधित कार्यकारी अभियंता सड़क की स्थिति व उपयोगिता की जरूरतों को देखते हुए कंक्रीटीकरण या टालने का निर्णय करेंगे। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने इस नीति की आलोचना करते हुए कहा कि यह मनमानी है और ऐसे फैसले कार्यकारी अभियंता के स्तर पर नहीं, बल्कि कम से कम उप आयुक्त स्तर पर होने चाहिए। नीति में कहा गया है कि 'अल्ट्रा-थिन व्हाइट टॉपिंग' केवल तभी लागू होगी जब सड़क की सबग्रेड परत उपयुक्त होगी। खराब स्थिति वाली साइड स्ट्रिप्स को सीमेंट कंक्रीट से सुधारकर जहां संभव होगा वहां डक्ट बनाए जाएंगे, अन्यथा उन्हें मैस्टिक डामर से दोबारा बिछाया जाएगा। 6 मीटर से कम चौड़ी और घनी बस्तियों की सड़कों पर 150 मिमी पीक्यूसी कंक्रीट परत बिछाई जाएगी और एम-25 ग्रेड कंक्रीट से नालों की मरम्मत की जाएगी। नीति में पानी की एंट्री, माइल्ड स्टील रेलिंग और फुटपाथ पर बोलार्ड जैसी चीजों को शामिल नहीं किया गया है।

बिग ट्रैवल एक्सपो 2025

आईआरसीटीसी वेस्ट ज़ोन को मिला अच्छा प्रतिसाद

मुंबई। बिग ट्रैवल एक्सपो 2025, जो 13 और 14 सितम्बर को आर सिटी मॉल, घाटकोपर में आयोजित हुआ, में मुंबई के यात्रा प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज़्म कॉरपोरेशन (IRCTC), वेस्ट ज़ोन, मुंबई ने अपने विस्तृत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पैकेज प्रदर्शित किए। इस सहभागिता का नेतृत्व श्री गौरव झा, ग्रुप जनरल मैनेजर, IRCTC वेस्ट ज़ोन के मार्गदर्शन और श्री सुभाष नायर, प्रबंधक / पर्यटन की देखरेख में किया गया। आईआरसीटीसी स्टॉल को भारी संख्या में आगंतुकों ने देखा, जहाँ लोगों ने

किफायती और आकर्षक पैकेजों में गहरी रुचि दिखाई। कई आगंतुकों ने चल रहे और आगामी पर्यटन पैकेजों के लिए पंजीकरण भी किया। इस अवसर पर डॉ. ए. के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, IRCTC वेस्ट ज़ोन, मुंबई ने कहा "हमें यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि बिग ट्रैवल एक्सपो में हमारे पर्यटन पैकेजों को जबरदस्त प्रतिसाद मिला।

पनवेल महानगरपालिका

मालमत्ता कर विभाग

अभय योजना

''अंतिम मुदतवाढ'' करदात्यांसाठी सुवर्णसंधी !!!

अभय योजनेअंतर्गत शास्ती माफीला अंतिम मुदतवाढ

मालमत्ता कर एकरकमी भरा व शास्तीवर सवलत मिळवा !

१६ सप्टेंबर २०२५ ते ३० सप्टेंबर २०२५पर्यंत	०१ ऑक्टोबर २०२५ ते १५ ऑक्टोबर २०२५
शास्ती मध्ये ९०% सवलत.	शास्ती मध्ये ७५% सवलत.

E-Bill स्वीकारा, डिजिटल भरणा करा वेळ वाचवा,

२% सूट घेऊन बचत वाढवा !

ऊर्जा बचत करा सौर शक्तीने, आणि करामध्ये घ्या

२% सूट! बचत वाढवा !

जल पुनःभरणाचा अवलंब करा,

२% सूट सहज मिळवा!

कचऱ्याची शिस्तबद्ध विल्हेवाट करा,

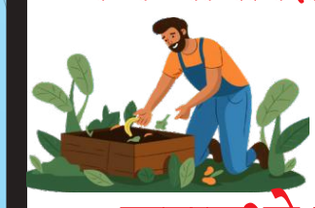

मिळवा २%

करामध्ये सवलत हमखास !

घनकचरा शास्त्रोक्त पद्धतीने हाताळा,

सवलतीचं दार उघडा आणि करात

२% सूट मिळवा!

वेळ वाचवा, panvelmc.org वरून कर ऑनलाईन भरा आणि मालमत्ता करामध्ये सवलती मिळवा.

डिजिटल युगात स्मार्ट निर्णय पारंपरिक रांगा सोडा,

PMC Tax App & Panvel Connect App वरून घरबसल्या कर भरा !

पनवेल महानगरपालिकच्या panvelmc.org या संकेतस्थळावर जाऊन नागरीक आता मालमत्ता कराच्या विविध सेवाकरीता 'पीएमसी कर मित्र' या प्रणालीचा वापर करू शकतात. मालमत्ता कराचा भरणा, तक्रारी, अभिप्राय व सुचना 'पीएमसी कर मित्र' या चॅटबॉट च्या माध्यमातून नोंदविता येतील. नागरिकांनी आता मालमत्ता कराच्या विविध सेवाकरीता रांगेत उभे न राहता ऑनलाईन स्वरूपात 'पीएमसी कर मित्र' या प्रणालीचा वापर करावा असे आवाहन आयुक्त तथा प्रशासक श्री. मंगेश चितळे यांनी केले आहे.

पमपा/कर/1645/2025 दिनांक : 15/09/2025

लोकतंत्र का विकास

आज दुनिया में कई तरह की शासन प्रणालियां है जिनमें तानाशाही से लेकर राजवंश और व्यक्ति या विचारधारा केंद्रित शासन भी शामिल है लेकिन दुनिया की सर्वोत्तम शासन शैली का नाम है लोकतंत्र। लोकतंत्र एक ऐसी शासन शैली है, जिसमें जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह "जनता के द्वारा, जनता के लिए, जनता के शासन" की अवधारणा है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का अधिकार और शासन में भागीदारी का अवसर देता है और उन्हें भरोसा दिलाता है कि सत्ता किसी एक व्यक्ति या वर्ग की बपौती नहीं है। जब जब किसी खास वर्ग या शासक ने लोकतंत्र में मनमानी करने की हिमाकत की है तो उसका पतन हुआ है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति के बजाय अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगे हुए शासक को जनता माफ नहीं करती और उखाड़ फेंकती है। यदि चुनाव के माध्यम से ऐसा नहीं होता तो फिर क्रांति के माध्यम से यह किया जाता है जैसा कि अभी हमने श्रीलंका बांग्लादेश और नेपाल में देखा। लोकतंत्र के आविर्भाव से पहले दुनिया भर में अलग-अलग रंगों रूपों की राजशाही का राज था जिसमें सब कुछ केवल और केवल राजा या राजवंश की इच्छा के अनुसार ही होता था. उससे त्रस्त होकर ही लोकतंत्र अस्तित्व में आया। जहां राजतंत्र ऑटोक्रेसी यानी एक तंत्रवादी होता है, वहीं लोकतंत्र नागरिकों को अभिव्यक्ति, संगठन और विरोध का अधिकार देता है। लोकतांत्रिक शासन में व्यक्ति की गरिमा, समानता और न्याय का सर्वोच्च स्थान है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में जाति, धर्म, लिंग या नस्ल से परे सबको समान अवसर मिलते हैं और शासक वर्ग जनता के प्रति जवाबदेह होता है जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण संभव होता है। विभिन्न विचारों, मतों और समूहों के बीच संतुलन बनाना ही लोकतंत्र की असली शक्ति है। जब लोकतंत्र के आविर्भाव की बात आती है तो भारत को भी लोकतंत्र का संस्थापक माना जाता है लेकिन ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन ग्रीस में पाई गईं, जहाँ एथेंस नगर-राज्य में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की अवधारणा विकसित हुई थी। भारत में भी वैदिक कालीन सभाओं, सभा और समिति-को प्रारंभिक लोकतांत्रिक संस्थाओं का रूप माना जाता है। आधुनिक लोकतंत्र का विकास यूरोप में पुनर्जागरण, सुधार आंदोलन और औद्योगिक क्रांति के बाद हुआ। अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम और फ्रांस की क्रांति ने लोकतंत्र की विश्वव्यापी नींव रखी, यानी लोकतंत्र क्रांति के माध्यम से भी आता है और शांति के माध्यम से भी। कोई भी शासन व्यवस्था लंबे समय तक तभी टिक सकती है जब उसमें कुछ खास गुण हों. यदि लोकतंत्र लंबे समय से टिका हुआ है और आगे बढ़ रहा है तो इसके पीछे लोकतंत्र के गुण ही हैं। लोकतंत्र का सबसे बड़ा गुण है जनसहभागिता। लोकतंत्र में नीतियाँ जनमत पर आधारित होती हैं और यह संवाद और समझौते के माध्यम से संघर्ष का समाधान करता है। लोकतांत्रिक शासन में नीतियाँ अधिक स्वीकार्य होती हैं जिससे स्थिरता और दीर्घकालिक विकास संभव होता है। लोकतंत्र नागरिकों को अधिकार तो देता ही है, साथ ही कर्तव्यों के निर्वहन की अपेक्षा भी करता है। भले ही लोकतंत्र में कितने भी गुण क्यों न हों हो इसकी कुछ सीमाएं एवं कमियां भी हैं। लोकतंत्र का प्रमुख अवगुण है पापुलरिज्म यानी लोकप्रियतावाद। अल्पकालिक लाभ के लिए राजनीतिक दल लोकलुभावन नीतियाँ अपनाते हैं जिससे दीर्घकालिक आर्थिक क्षति होती है। वोटो के लिए समाज का ध्रुवीकरण करना और जातीय, धार्मिक या भाषाई आधार पर वोट माँगना भी लोकतंत्र को कमजोर करता है। चुनावी राजनीति में धनबल और बाहुबल का बढ़ता प्रभाव लोकतंत्र को दूषित कर देता है। संक्षेप में कहें तो भ्रष्टाचार लोकतंत्र की जड़ों में लगा हुआ वह घुन है जो इसे अंदर ही अंदर खा जाता है. इसकी दूसरी कमजोरी है आम सहमति का अभाव होना. लोकतंत्र में सहमति बनाने की लंबी प्रक्रिया से नीतियाँ लागू करने में देर होती है। आज के डिजिटल युग में गलत सूचना जनमत को आसानी से भटका सकती है जिसका उदाहरण हालिया वर्षों में विभिन्न देशों में हुई जैन क्रांतियां हैं। पिछले एक दशक में कई देशों में लोकतंत्र के लिए संघर्ष हुए हैं, जिन्होंने दुनिया का ध्यान खींचा है जिनमें अरब स्प्रिंग (2010-2012) ट्यूनीशिया, मिस्र, लीबिया, यमन में जनता ने तानाशाही शासन के खिलाफ विद्रोह किया तो हांगकांग आंदोलन (2019) में नागरिकों ने स्वतंत्रता और स्वायत्तता की रक्षा के लिए संघर्ष किया। वहीं म्यांमार (2021) में सैन्य तख्तापलट के बाद लोकतंत्र समर्थक आंदोलन हुए लेकिन वहां की लोकतांत्रिक नेता शू आन ची लंबे समय तक या तो जेल में रही या उन्हें घर में ही नज़रबंद करके रखा गया। ईरान और रूस में भी विरोध नागरिकों ने राजनीतिक स्वतंत्रता और अधिकारों की माँग को लेकर आवाज़ उठाई। और अभी पिछले 5 वर्षों में ही श्रीलंका, बांग्लादेश एवं अभी हाल में नेपाल में हुई क्रांतियां में भी लोकतंत्र का अलग ही चेहरा देखने को मिला। वहीं पाकिस्तान जैसे देशों में लोकतंत्र का छद्म चेहरा भी सबके सामने है। भले ही लोकतंत्र में कितनी ही कमजोरियां क्यों न हों लेकिन लोकतंत्र की चाह वैश्विक है और जब भी जनता को दमन का सामना करना पड़ता है, वे सड़कों पर उतरने से नहीं हिचकिचाती। कई बार लोकतंत्र के भविष्य पर भी सवाल उठते हैं. सच बात तो यह है कि लोकतंत्र का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि यह किस प्रकार अपनी कमियों को दूर करता है। केवल परंपरागत लोकतंत्र अपनाने से कुछ नहीं होगा बल्कि डिजिटल लोकतंत्र, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी ऑनलाइन मतदान से लोकतंत्र और मजबूत होगा। नागरिकों में राजनीतिक साक्षरता बढ़ाने से वे जिम्मेदार मतदान कर पाएँगे। न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता बहुत मायने रखती है। यदि यह दोनों स्तंभ निष्पक्ष होकर स्वतंत्र तरीके से कार्य करें तो लोकतंत्र के प्रहरी बने रहेंगे लेकिन पक्षपात पूर्ण तरीके से किया गया न्याय या फिर सूचनाओं का प्रसारण लोकतंत्र के लिए बहुत हानिकारक ही है।

-डॉ घनश्याम बादल

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

बम-बारूदों से करें,वो नित हम पर वार
धर्म पूछकर कर रहे,हिंदू का संहार
हिंदू का संहार, दिखाएं हर पल गर्मी
मगर नहीं श्रीमान, छोड़ते हम बेशर्मी
कह सुरेश मत प्यास बुझा विषधर बूंदों से
क्रिकेट से नहीं,दो जबाब बम-बारूदों से

भारत की विदेश नीति से दुनिया हतप्रभ

अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति के मामले में भारत ने जो किया है और कर रहा है वो अद्भुत है, इसलिए पूरी दुनिया इससे हतप्रभ है। विशेष तौर पर अमेरिका और यूरोपीय देश इससे अचंभित है कि भारत इतना ताकतवर कैसे हो सकता है जो एक साथ उन्हें चुनौती दे रहा है। ये तो नहीं कहा जा सकता कि भारतीय विदेश नीति का डंका बज रहा है लेकिन भारतीय विदेश नीति चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रही है। इस समय भारतीय विदेश नीति के सामने बड़ी कठिन चुनौतियां खड़ी हुई है लेकिन धीरे-धीरे उनसे निपटा जा रहा है। संतुलन और स्वायत्तता भारतीय विदेश नीति की विशेषता रही है लेकिन अब इसमें आक्रामकता भी जुड़ गई है। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की छाप भी विदेश नीति पर रही है जिससे भारत ने किसी भी देश के साथ परस्पर हितों पर आधारित रिश्ते निभाये हैं। भारतीय विदेश नीति स्वार्थ से सदा दूर रही है। ग्लोबल रिश्ते हमेशा हितों पर आधारित होते हैं, इसलिए वैश्विक राजनीति में कहा जाता है कि कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, स्थायी सिर्फ हित होते हैं। न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर, ये भारतीय विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है जबकि 1962 में हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। हमने दोनों गुटों से दूर रहने की नीति अपनाई थी, जिसके कारण चीनी आक्रमण के समय कोई हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। नेहरू जी को अमेरिका के सामने गिड़गिड़ाना पड़ा, तब जाकर अमेरिका हमारे लिए खड़ा हुआ। हमारा झुकाव सोवियत संघ की तरफ था लेकिन कम्युनिस्ट देश होने के कारण वो उस युद्ध में तटस्थ हो गया था। गुटनिरपेक्षता की नीति के बावजूद 1971 में इंदिरा जी ने सोवियत संघ के साथ सुरक्षा समझौता साइन कर लिया था अन्यथा 1971 के युद्ध में हमारे देश की बड़ी बर्बादी हो सकती थी। उस युद्ध में अमेरिका पाकिस्तान की तरफ से मैदान में आ गया था। नेहरू जी के समय की सबसे दूर रहने की नीति का इंदिरा जी ने त्याग कर दिया था, इसलिए

> इस समय भारतीय विदेश नीति के सामने बड़ी कठिन चुनौतियां खड़ी हुई है लेकिन धीरे-धीरे उनसे निपटा जा रहा है। संतुलन और स्वायत्तता भारतीय विदेश नीति की विशेषता रही है लेकिन अब इसमें आक्रामकता भी जुड़ गई है। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की छाप भी विदेश नीति पर रही है जिससे भारत ने किसी भी देश के साथ परस्पर हितों पर आधारित रिश्ते निभाये हैं। भारतीय विदेश नीति स्वार्थ से सदा दूर रही है।

सोवियत संघ ने हमारी मदद के लिए अपनी नौसेना भेज दी थी। रूस के साथ विशेष संबंध होते हुए भी हमने अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक संतुलन कायम रखा है। भारत पर एक गुट में शामिल होने का हमेशा दबाव रहा है। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका भारत को अपने खेमे में लेने की कोशिश करता रहा हैं हालांकि अब सिर्फ एक गुट बचा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अब अमेरिका चाहता है कि भारत संतुलन साधना छोड़कर पश्चिमी देशों के साथ रूस के खिलाफ खड़ा हो जाए। अमेरिका जानता है कि भारत और चीन के कारण रूस की अर्थव्यवस्था चल रही है इसलिए वो भारत को रूस से तेल खरीदने से रोक रहा है। एक समय अमेरिका चाहता था कि भारत रूस से तेल खरीदता रहे ताकि तेल की कीमतें स्थिर रहें. अब अमेरिका ऐसा नहीं चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका का रवैया बदल गया है जिसके कई कारण हैं। अमेरिका के दीर्घकालिक हित भारत के साथ जुड़े हुए हैं लेकिन वो पाकिस्तान के साथ गलबहियां कर रहा है। अमेरिका के साथ हमारे संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं क्योंकि उसने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। पीएम मोदी ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर झुकने की बजाए तन कर खड़े होने का फैसला कर लिया है। जहां मेरी ग्लोबल राजनीति की समझ है, उसके अनुसार भारत और चीन का एक साथ आना संभव नहीं है क्योंकि दोनों देशों के हितों के बीच बहुत ज्यादा टकराव हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण भारत और चीन ने मिलकर चलने का फैसला किया है। इससे पूरी दुनिया हतप्रभ है कि यह कैसे हो सकता है । भारत-चीन ने अमेरिका के टैरिफ वॉर के जवाब में ऐसा किया है । ऐसा लगता है कि दोनों देश अपने विवादों को एक किनारे रखकर अमेरिका के ट्रेड वॉर से निपटने की रणनीति बना चुके हैं। टैरिफ के जवाब में भारत ने अपनी घरेलू मांग बढ़ाने के लिए जीएसटी की दरों में बड़ा बदलाव किया है, इसके अलावा लगभग 50 देशों में अमेरिकी निर्यात का विकल्प ढूंढना शुरू कर दिया है। अमेरिका के लिए अब समस्या यह है कि अगर भारत और अमेरिका के बीच सब कुछ सामान्य होने के बाद भी भारत जिस ओर चल पड़ा है, वो वापिस आने वाला नहीं है। ये एक ऐसा तीर है जो अब कमान में वापिस आने वाला नहीं है। एक तरह से अमेरिका ने एक सोते हुए शेर को जगा दिया है और अब उसे इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदने से रोकने के लिए भारत पर जबरदस्त दबाव बनाया हुआ है लेकिन भारत ने इस दबाव में आने से स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया है। भारत ने दिखा दिया है कि वो एक सार्वभौमिक राष्ट्र है और अपनी विदेश नीति किसी दूसरे देश के दबाव में नहीं बनाने वाला है। जब डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर टैरिफ लगाया तो उसने भी अमेरिका पर टैरिफ ठोक दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी लेकिन भारत को ऐसी कोई मोहलत नहीं दी गई। भारत-अमेरिकी व्यापार को देखते हुए अमेरिका को लगा कि भारत झुक जाएगा लेकिन भारत की प्रतिक्रिया उसकी उम्मीदों के विपरीत आई। चीन के इतिहास और वर्तमान को देखते हुए भारत कभी भी चीन पर भरोसा नहीं कर सकता, इसके बावजूद भारत ने चीन के साथ चलने का फैसला कर लिया है। एससीओ की बैठक के दौरान जिनपिंग, पुतिन और मोदी की एकजुटता देखकर पूरी दुनिया हतप्रभ है। जिस तरह अमेरिका के लिए चीन बड़ा खतरा है, वैसे ही चीन के लिए भारत और भारत के लिए चीन बड़ा खतरा है। इसके बावजूद रूस पिछले कई सालों से इस कोशिश में लगा हुआ था कि दोनों देश अपने विवादों को अलग रखकर एक साथ आ जाएं। रूस की लाख कोशिशों के बावजूद उसे इस काम में रत्ती भर भी सफलता नहीं मिल रही थी। डोनाल्ड ट्रंप के कारण यह काम भी हो गया है। भारत ने रूस की बात नहीं मानी लेकिन जब उसे ऐसा करना सही लगा तो कर दिया। यूरोपीय देशों के साथ भारत ट्रेड पैक्ट साइन करने वाला है और जापान के साथ संबंध बढ़ा रहा है। इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के देशों में अमेरिका का विकल्प तलाश रहा है। भारत ने अमेरिका को समझा दिया है कि तुम्हारे दोस्त और दुश्मन दोनों ही हमारे साथ हैं, अब तुम अपना सोचो। यही कारण है कि ट्रंप के सुर बदल रहे हैं और वो भारत के साथ बातचीत करने की मंशा जाहिर कर रहे हैं। वास्तव में अब ट्रंप भारत के ऊपर लगाए गए टैरिफ को हटाना चाहते हैं लेकिन वो चाहते हैं कि उनका और अमेरिका का सम्मान बचा रहे। वो चाहते हैं कि दुनिया को यह संदेश न जाए कि भारत ने अमेरिका को झुका दिया।

- राजेश कुमार पासी

लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका

स्थानीय निकाय शासकीय व्यवस्था भारत की अहम और पुरातन सांस्कृतिक सल्तनत की प्रभावशाली राजनीतिक इकाई रहा है। सच पूछिए तो भारत कभी पूर्ण रूप से राजा और महाराजाओं के द्वारा शासित रहा ही नहीं। राजा या चक्रवर्ती सम्राट का काम बाहरी आक्रमण से आम जन की सुरक्षा का होता था और उसके बदले प्रजा केन्द्रीय सत्ता को बेहद सीमित मात्रा में टैक्स दिया करती थी। यह व्यवस्था भारत की गणीय शासन प्रणाली का अंग था। केन्द्रीय राजसत्ता बदलती रही लेकिन स्थानीय शासन व्यवस्था में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हो पाया। अंग्रेजी काल में इसे थोड़े दिनों के लिए स्थगित कर दिया था लेकिन जब अंग्रेजों को लगा कि भारत के स्वतंत्र मानसिकता वाले लोगों को हम नियंत्रित नहीं कर सकते, तब उन्होंने भी स्थानीय शासन प्रणाली को फिर से प्रारंभ किया। पूरे सल्तनत काल से लेकर मुगलिया शासन तक स्थानीय शासन प्रणाली भारत के राजनीतिक प्रशासन का अहम हिस्सा रहा। स्वतंत्रता के 7 दशक बाद अब स्थानीय लोकतांत्रिक इकाइयां, भारत जैसे कृषि आधारित समाज में सत्ता की राजनीति दिशा तय करने लगी है। इसमें महिलाओं की भागीदारी अनुपातिक तौर पर सुनिश्चित हो रही है। यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। राजनीति विज्ञानियों का मानना है कि जो पार्टी या नेता भारत की स्थानीय संरचनाओं से सबसे अधिक जुड़ा होता है, वही केंद्र की सत्ता पर काबिज़ होने की सबसे अधिक संभावना रखता है। महिलाएँ चुनावों में मतदाता, प्रचारक या प्रत्याशी के रूप में चुनावी प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनती रही है। खासकर स्थानीय निकाय चुनावों में

इन महिलाओं की भूमिका प्रभावशाली होती जा रही है। पिछले 15 वर्षों में महिलाओं की भूमिका स्थानीय चुनावों में बढ़ी है। एक स्वतंत्र सर्वेक्षण एजेंसी की रपट पर भरोसा करें तो स्थानीय निकाय प्रशासन और प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका न केवल मजबूत हुई है अपितु वह स्थानीय शासन को चलाने में पुरुषों के मुकाबले ज्यादा सक्षम भी हुई हैं। गाँव-स्तर के कार्यकर्ताओं, ख़ासकर महिलाओं तक पहुँच बनाने के लिए दलों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संवाद तंत्रों और सहकारी नेतृत्व की शुरुआत की है। यह अब भविष्य की राजनीतिक रणनीति का खाका हिस्सा बन चुका है। आज राज्य और राष्ट्रीय स्तर की पार्टियाँ भी यही तरीका अपना रही हैं। इस तरह का जुड़ाव दलों की 'जनसेवक' वाली छवि गढ़ता है और उनके शासन को समावेशी बनाता है। इस जुड़ाव का केंद्रीय तत्व है चुनावी अवसर जो महिलाओं को स्थानीय चुनाव लड़ने और जमीनी स्तर से प्रभावशाली पदों तक पहुँचने का मौका देता है। आधुनिक भारत के निर्माण में अल्पसंख्यक, खास कर मुसलमानों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अब जब स्थानीय निकाय शासन और प्रशासन की अहम इकाई बन गयी है तो इसमें मुस्लिम महिलाएं भी बढ-चढ़ कर हिस्सा ले रही है। वे सामुदायिक मुद्दों को वैचारिक या सांप्रदायिक विभाजनों से ऊपर रखकर शासन को नया आकार दे रही हैं। कई महिलाएँ दलों से जुड़ती हैं या स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ती हैं और समुदाय की छवि को बदलते हुए राजनीतिक विमर्श को नई दिशा देने का प्रयास करती हैं। सरकार ने उज्ज्वला योजना, गरीब कल्याण योजना, कृषि सिंचाई योजना, अटल पेंशन योजना, जन धन योजना, नारी शक्ति पुरस्कार योजना और स्वयं सिद्धा योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से मुस्लिम महिलाओं के लिए निर्णय-प्रक्रिया, यहाँ तक कि चुनावी राजनीति में भागीदारी के रास्ते खोले हैं। इन सरकारी पहलों से दलों का वास्तविक वोट आधार मज़बूत हुआ है। हाल के वर्षों में वर्तमान सरकार ने अल्पसंख्यकों तक पहुँच बढ़ाकर जमीनी राजनीति को अधिक समावेशी बनाने में ऊर्जा लगाई है। 'पासमांदा पहुँच' और मुस्लिम महिलाओं का वोट आधार इसके प्रमुख उदाहरण हैं जिनसे मुस्लिम महिलाओं को संस्थाओं तक पहुँच और शासन पर प्रभाव डालने के अवसर मिल रहे हैं। मुस्लिम महिलाएं सरकारी पहलों के माध्यम से शासन को नया रूप दे रही हैं। 2023 के उत्तर प्रदेश शहरी स्थानीय चुनावों ने इस प्रवृत्ति को रेखांकित किया। राजनीतिक दलों ने पहले से अधिक मुस्लिम उम्मीदवार उतारे। इनमें से 61 विजयी रहीं जिसका श्रेय पासमांदा समूहों और महिला मतदाताओं तक पहुँच को दिया गया। सहारनपुर की चिलकाना नगर पंचायत में फुलबानो अध्यक्ष चुनी गईं। फुलबानो पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई मुस्लिम महिला अध्यक्षों में से एक हैं। इसे बहुत बढ़िया तो नहीं कहा जा सकता है लेकिन मुस्लिम महिलाएं अपनी जमीन खुद तलाश रही हैं। उन्हें कम ही सही पर जगह मिलने लगी है। आने वाला भविष्य और बढ़िया होगा। यह संकेत साफ तौर पर मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावशाली अभियान हिस्सा बनता दिख रहा है। यहां एक और बेहतर बात देखने को मिल रही है। स्थानीय निकायों का नेतृत्व कर रहीं मुस्लिम महिलाएं पारंपरिक और सांप्रदायिक मुद्दों को छोड़, पीने के पानी, स्वच्छता, सड़कों और आंगनवाड़ियों जैसी सार्वजनिक सुविधाओं पर विकासात्मक मामलों पर अधिक ध्यान देती दिखती हैं। अध्ययन बताते हैं कि मुस्लिम महिलाओं के नेतृत्व वाले पंचायत विशेषकर महिला-प्रधान परिवारों के लिए स्वच्छता पर ज़ोर देते हैं। बिहार का एक और रोचक उदाहरण है। यहाँ पंचायत प्रतिनिधियों में महिलाएँ बहुमत में हैं। हाल के चुनावों में मुस्लिम महिलाओं को नामांकन और प्रचार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, फिर भी वे स्वयं सहायता समूहों और नेटवर्क का सहारा लेकर चुनावी सफलता हासिल कर रही हैं। राज्य में पहले से ही महिलाओं का प्रतिनिधित्व ऊँचा होने के कारण मुस्लिम महिलाओं की उपलब्धियाँ और भी दिखाई देती हैं। असम में, विशेषकर निचले और दक्षिणी जिलों में, कई मुस्लिम महिलाओं ने पार्टी प्रतीक के बिना पंचायत चुनाव लड़ा और परिवारिक नेटवर्क पर भरोसा किया। यह बड़ा बदलाव है, क्योंकि पहले घरेलू दायरे तक सीमित महिलाएँ अब राजनीति में उतर रही हैं।

- गौतम चौधरी

आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हमारे धर्मग्रंथ

हमारे सारे धर्मग्रंथ राक्षसों के वध से भरे पड़े हैं। राक्षस भी कठिन और जटिल वरदानों से सुरक्षित थे। किसी को वरदान प्राप्त था कि न दिन में मरेगा-न रात में, न आदमी से मरेगा-न जानवर से, न घर में मरेगा-न बाहर, न आकाश में मरेगा- न धरती पर। किसी को वरदान था कि वे भगवान भोलेनाथ और विष्णु के संयोग से उत्पन्न पुत्र से ही मरेगा तो किसी को वरदान था कि उसके खून की जितनी बूंदे जमीन पर गिरेगी,उसकी उतनी प्रतिलिपि पैदा हो जाएगी। कोई अपने नाभि में अमृत कलश छुपाए बैठा था लेकिन सभी राक्षसों का वध हुआ। सभी राक्षसों का वध अलग अलग देवताओं ने अलग अलग कालखंड एवं अलग अलग प्रदेशों में किया लेकिन सभी वध में एक चीज कॉमन रही कि किसी भी राक्षस का वध उसका स्पेशल स्टेटस हटाकर अर्थात उसके वरदान को रिजेक्ट कर के नहीं किया गया। तुम इतना उत्पात मचा रहे हो इसीलिए, हम तुम्हारा वरदान कैंसिल कर रहे हैं। देवताओं को उन राक्षसों को निपटाने के लिए उसी वरदान में से रास्ता निकालना पड़ा कि इस वरदान के मौजूद रहते हम इसे कैसे निपटा सकते हैं। अंततः कोशिश करने पर वो रास्ता निकला भी तथा सभी राक्षस निपटाए भी गए। अर्थात् परिस्थिति कभी भी अनुकूल होती नहीं है बल्कि पुरुषार्थ से अनुकूल बनाई जाती है। किसी भी एक राक्षस के बारे में सिर्फ कल्पना कर के देखें कि अगर उसके संदर्भ में अनुकूल परिस्थिति का इंतजार किया जाता तो क्या वो अनुकूल परिस्थिति कभी आती? उदाहरण के लिए रावण को ही लीजिए. रावण के बारे में भी ये तर्क दिया जा सकता था कि कैसे मारेंगे भला? उसे तो अनेकों तीर मारे और उसके सर को काट भी दिए लेकिन उसका सर फिर जुड़ जाता है तो इसमें हम क्या करें? इसके बाद इस नाकामयाबी का सारा ठीकरा रावण को ऐसा वरदान देने वाले ब्रह्मा पर फोड़ दिया जाता कि उन्होंने ही रावण को ऐसा वरदान दे रखा है कि अब उसे मारना असंभव हो चुका है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भगवान राम ने उन वरदानों के मौजूद रहते ही रावण का वध किया। यही "सिस्टम" है। पुरातन काल में हम जिसे वरदान कहते हैं ,आधुनिक काल में हम उसे संविधान द्वारा प्रदत्त स्पेशल स्टेटस कह सकते हैं। आज भी हमें राक्षसों को इन वरदानों (स्पेशल स्टेटस) के मौजूद रहते ही निपटाना होगा। इसके लिए हमें इन्हीं स्पेशल स्टेटस में से लूपहोल खोजकर रास्ता निकालना होगा। ये नहीं लगता कि इनके स्पेशल स्टेटस को हटाया जाएगा। हर युग में एक चीज अवश्य हुआ है राक्षसों का विनाश एवं धर्म की स्थापना। अभी उसी की तैयारी हो रही है। निषादराज, वानर राज सुग्रीव, वीर हनुमान , जामवंत आदि को गले लगाया जा रहा है, माता शबरी को उचित सम्मान दिया जा रहा है। सोचने वाली बात है कि जो रावण पंचवटी में लक्ष्मण के तीर से खींची हुई एक रेखा तक को पार नहीं कर पाया था,भला उसे पंचवटी से ही एक तीर मारकर निपटा देना क्या मुश्किल था। जिस महाभारत को श्रीकृष्ण सुदर्शन चक्र के प्रयोग से महज 5 मिनट में निपटा सकते थे, भला उसके लिए 18 दिन तक युद्ध लड़ने की क्या जरूरत थी लेकिन रणनीति में हर चीज का एक महत्व होता है और जिसके काफी दूरगामी परिणाम होते हैं। भ्रष्ट, विदेशों में धन अर्जित करने वाला, अनैतिक धन अर्जित करने वाला, विदेशी भूमि पर अपने राष्ट्र की बदनामी, देश में उपद्रव, तुष्टिकरण करने वाला आदि का विनाश तो निश्चित है तथा यही उनकी नियति है!

-शिवानन्द मिश्रा

आज का कार्टून

साभार

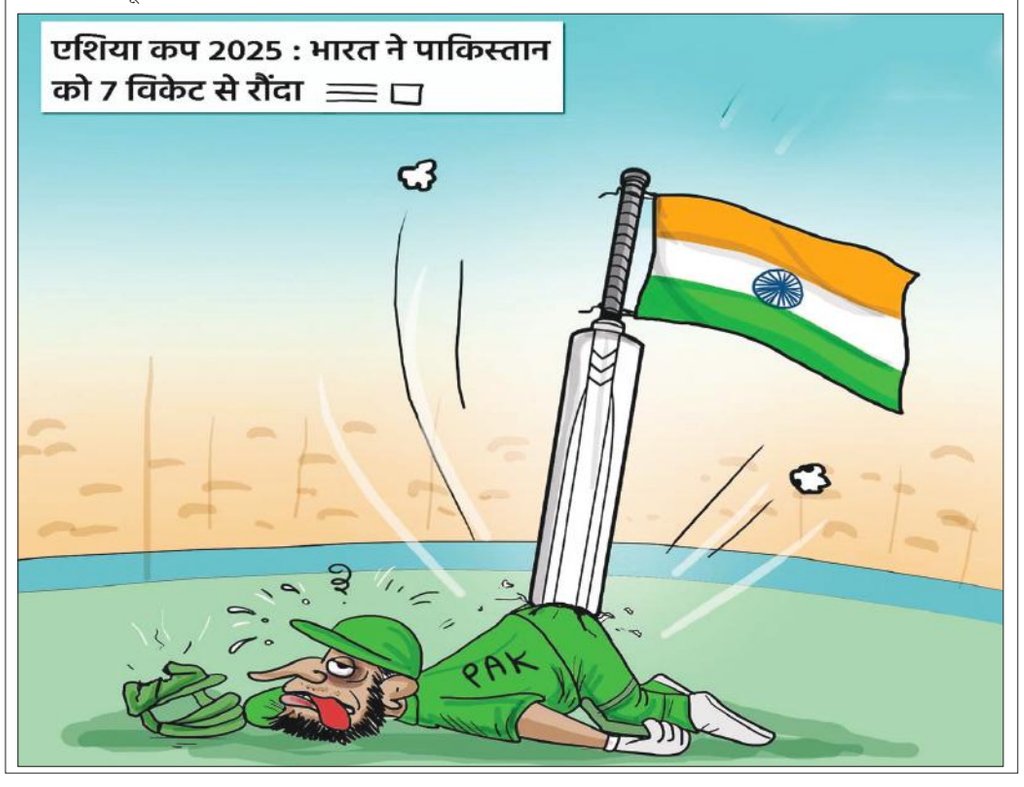

माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद की बदलती शैली

मानव समाज का आधार परिवार है और परिवार की आत्मा है संवाद। संवाद ही वह सेतु है जिसके माध्यम से माता-पिता और बच्चों के बीच भावनाएँ, विचार और अनुभव साझा होते हैं। किंतु बदलते समय, तकनीक और जीवनशैली के प्रभाव से इस संवाद की शैली भी निरंतर बदल रही है। परंपरागत परिवारों में संवाद का स्वरूप अलग था और आज के आधुनिक परिवारों में यह बिल्कुल भिन्न दिखाई देता है। एक समय में हमारे परिवारों में परंपरागत संवाद शैली व्याप्त थी। उस समय माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद अधिकतर अनुशासन और संस्कार पर आधारित होता था। बच्चे बड़ों के सामने कम बोलते, उनकी आज्ञा का पालन करना ही उनका कर्तव्य माना जाता। बातचीत का केंद्र 'आदेश और पालन' पर टिका रहता। बड़ों के अनुभवों को अंतिम सत्य माना जाता था और बच्चे उनसे प्रश्न करने से भी हिचकते थे। कहावत थी कि बड़ों की डांट में भी भलाई छिपी होती है। इस तरह संवाद में एकतरफा प्रवाह अधिक दिखता था। वर्तमान समय की परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। शिक्षा का प्रसार, तकनीक की उपलब्धता और वैश्विक दृष्टिकोण ने बच्चों की सोच को स्वतंत्र बनाया है। बच्चे अब केवल आदेश मानने वाले नहीं रह गए हैं बल्कि तर्क प्रस्तुत करने वाले, अपनी राय रखने वाले और निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बन रहे हैं। अब संवाद केवल अनुशासन का विषय न होकर पारस्परिक समझ और सहभागिता पर आधारित हो गया है। इस दौर में तकनीक का प्रभाव अधिक देखा जा रहा है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संवाद की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। पहले घर के आँगन, चौपाल या भोजन की मेज पर बातचीत होती थी, वहीं अब अधिकांश संवाद 'व्हाट्सएप चैट' या वीडियो कॉल तक सीमित हो गया है। कभी-कभी तो एक ही घर में रहते हुए भी माता-पिता और बच्चे सीधे न बोलकर संदेशों के माध्यम से बात करते हैं। यह सुविधा होने के साथ-साथ दूरी का भी कारण है। तकनीक ने संवाद को तेज और सुविधाजनक बनाया है परंतु भावनात्मक आत्मीयता में कमी भी आई है। पीढ़ीगत अंतर के कारण भी संवाद शैली में सबसे बड़ा बदलाव आया है। माता-पिता का पालन-पोषण परंपरागत परिवेश में हुआ, जहाँ अनुशासन सर्वोपरि था जबकि आज के बच्चों की परवरिश आधुनिक और स्वतंत्र सोच वाले वातावरण में हो रही है। इसलिए दोनों पीढ़ियों की अपेक्षाएँ और संवाद शैली में अंतर आना स्वाभाविक है। माता-पिता जहां अपेक्षा करते हैं कि बच्चे उनकी बात बिना प्रश्न किए मान लें, वहीं बच्चे चाहते हैं कि उनकी राय को भी महत्व दिया जाए। यही कारण है कि कई बार संवाद टकराव का रूप ले लेता है। यह भी सच है कि बदलती शैली ने रिश्तों में पारदर्शिता और खुलापन बढ़ाया है। अब बच्चे माता-पिता से अपने करियर, दोस्ती, प्रेम और जीवन की उलझनों के बारे में खुलकर बात करने लगे हैं। पहले जिन विषयों पर चुप्पी साधी जाती थी, अब उन पर सहज बातचीत संभव है। संवाद का यह नया रूप परिवारों को अधिक लोकतांत्रिक और सहयोगी बना रहा है। बदलती संवाद शैली के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। व्यस्त जीवन, तनाव और तकनीकी लत के कारण प्रत्यक्ष संवाद का समय घटता जा रहा है। परिवार एक साथ होते हुए भी मोबाइल स्क्रीन में खोए रहते हैं। संवाद का मानवीय पक्ष, जिसमें आँखों का भाव, आवाज की गर्मजोशी और स्पर्श की आत्मीयता शामिल है, धीरे-धीरे कम हो रहा है। यही कमी रिश्तों में दूरी और गलतफहमियां पैदा करती है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद स्वस्थ रहे, इसके लिए दोनों पक्षों को प्रयास करने होंगे। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की भावनाओं और विचारों को सुनने का धैर्य रखें। बच्चों को यह महसूस कराना जरूरी है कि उनकी राय महत्वपूर्ण है। वहीं बच्चों को भी यह समझना चाहिए कि माता-पिता का अनुभव अमूल्य है और उनके सुझाव केवल अनुशासन के लिए नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा और भलाई के लिए होते हैं। परिवारों में 'फेस-टू-फेस संवाद' की परंपरा को पुनर्जीवित करने की पुनः आवश्यकता है। भोजन के समय, सैर पर जाते हुए या छुट्टियों में तकनीक से दूरी बनाकर सीधे संवाद किया जाए। इसी से रिश्तों में गर्माहट बनी रह सकती है।

-डॉ वीरेन्द्र भाटी मंगल

किसानों की कर्जमाफी के लिए एनसीपी (एसपी पार्टी) का विशाल मार्च

अपने आस-पास क्या हो रहा है, इस पर गौर करें... वरना बहुत कुछ सहना पड़ेगा

महानगर नेटवर्क

नाशिक

किसानों सहित विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार की ओर से नासिक में एक विशाल मार्च निकाला गया। इस बार सरकार को चेतावनी दी गई है कि वह एक महीने के अंदर किसानों का कर्ज माफ करे, नहीं तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार स्वयं इस मार्च में शामिल हुए। इस सम्मेलन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार द्वारा नासिक में एक राज्यस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। आज, सोमवार को एक विशाल मार्च निकाला गया। यह मार्च

शरद पवार की चेतावनी

हुतात्मा अनंत कन्हेरे मैदान से जिला कलेक्टर कार्यालय तक आयोजित किया गया। मार्च में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद शरद पवार, सांसद सुप्रिया सुले, विधायक रोहित पवार, जितेंद्र आव्हाड पार्टी अध्यक्ष शशिकांत शिंदे, नासिक शहर अध्यक्ष गजानन शेलार, जिला अध्यक्ष दत्तात्रेय पाटिल, गोकुल पिंगले, लक्ष्मण मंडले, मुन्ना अंसारी समेत कई नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। मार्च सुबह करीब 11:30 बजे हुतात्मा अनंत कन्हेरे मैदान से शुरू हुआ। कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक तरीके से ट्रैक्टर लेकर इसमें भाग लिया।

हिंसक रूप लेगा नाशिक मार्च

हम आत्महत्या करने वाले परिवार से मिले। उस समय हमें शिकायतें मिलीं कि किसानों पर बैंकों, क्रेडिट यूनियनों और साहूकारों का बकाया कर्ज है, जिसके कारण किसानों का जीवन समाप्त हो रहा है। उस समय, हमें एहसास हुआ कि कर्ज एक बीमारी है और उन्हें याद दिलाया कि हमने तुरंत कर्ज माफ कर दिया था। उन्होंने कहा कि अगर किसानों की पीड़ा को नहीं समझा जाता है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर प्याज, सोयाबीन और अन्य फसलों की अनुमति दी जाती है, तो किसानों का घर उससे चलता है, लेकिन जो सरकार इसके बारे में नहीं जानती है, उन्होंने चेतावनी दी कि नासिक मार्च हिंसक रूप लेगा और किसान सबक सिखाएगा।

मनमाड-धर्माबाद एक्सप्रेस का तारुर रेलवे स्टेशन पर स्वागत

भुजबल के विशेष प्रयासों से पांच साल बाद तारुर रेलवे स्टेशन पर स्टॉप बहाल

महानगर नेटवर्क

येवला

मनमाड-धर्माबाद एक्सप्रेस पैसेंजर रेलवे छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परभणी, नांदेड़ जिलों को जोड़ती है। लेकिन हमारे येवला तालुका में इस ट्रेन का तारुर स्टॉप कोविड काल में रद्द कर दिया गया था। इसके कारण इस क्षेत्र के रेल यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल ने इस संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से संपर्क किया। उनके विशेष प्रयासों से पांच साल बाद तारुर रेलवे स्टेशन पर स्टॉप बहाल हुआ। आज तारुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर ड्राइवरों का सम्मान किया गया और यात्रियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मंत्री छगन भुजबल के निजी सहायक बालासाहेब लोखंडे, संजय पगारे, अशोक कुलधर, विजय खैरनार अमीर शेख, जमील शेख, रऊफ पटेल, अनीस पटेल, हामिद पटेल, मोतीराम पवार, बाजीराव जाधव, हारुन पटेल सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल ने इस ट्रेन के ठहराव के संबंध में 18 जून 2024 को रेल मंत्री माननीय अश्विनीजी वैष्णव को पत्र लिखकर इस ठहराव को पुनः शुरू करने की मांग की थी। उन्होंने 28 जून 2025 को भी पुनः पत्र लिखकर इस संबंध में मांग की थी। उनकी मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मनमाड-धर्माबाद एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए यह ठहराव पुनः शुरू कर दिया गया है।

शिक्षा मंत्री के ज़िले में अभिभावकों को लूट रहे हैं निजी स्कूल

मनमाड का कंचन सुधा स्कूल सरकारी नियमों की उड़ा रहा है धज्जियाँ

महानगर नेटवर्क

मनमाड

एक ओर राज्य सरकार शिक्षा का अधिकार और सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाओं के ज़रिए हर छात्र को मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा देने की कोशिश कर रही है। राज्य सरकार के नियम उन पर बाध्यकारी हैं, चाहे स्कूल सरकारी हो, निजी हो, अनुदानित हो या गैर-अनुदानित। लेकिन, खुद स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे के ज़िले में राज्य सरकार के इन नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। मनमाड के कंचन इंटरनेशनल इंग्लिश मीडियम स्कूल में सरकार के सभी

नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं और छात्रों को स्कूल में किताबें, नोटबुक, ड्रेस, स्पोर्ट्स ड्रेस आदि ले जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अभिभावकों की ओर से इसे एक बड़ा आर्थिक घोटाला बताते हुए नाना निकम ने ज़िला शिक्षा अधिकारी से लिखित शिकायत कर स्कूल की मान्यता रद्द करने की माँग की है।

केंद्र को प्याज के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए: कुबेर जाधव

लासलगांव। प्याज के बाजार भाव के संबंध में दीर्घकालिक नीति निर्धारित करने के लिए पूर्व में गठित डॉ. सुनील पवार की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट को तत्काल स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार को केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष कड़ा रुख अपनाना चाहिए, ऐसी मांग स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के जिला समन्वयक कुबेर जाधव ने की। महाराष्ट्र देश में प्याज का अग्रणी उत्पादक है, जहाँ कुल उत्पादन का 31 प्रतिशत उत्पादन होता है। राज्य में प्याज की खेती मुख्यतः तीनों मौसमों, रबी, खरीफ और लेट खरीफ (पोल) में की जाती है।

सड़क की हालत देख भड़कीं सांसद सुले

महानगर नेटवर्क

त्र्यंबकेश्वर

नाशिक त्र्यंबकेश्वर मार्ग पर बने गड्ढों से नाराज़ एनसीपी शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने ट्विटर के ज़रिए राज्य के निर्माण मंत्री से सीधे शिकायत की और हालात बयां किए। इस बीच, सड़क की हालत देखकर सुप्रिया सुले भी भड़क गईं।-त्र्यंबकेश्वर एक व्यस्त सड़क है और तुपादेवी फाटा से पेगलवाड़ी फाटा तक सड़क की हालत बेहद दयनीय है। वाहन मालिकों को गाड़ी चलाते समय काफी मशक्कत करनी पड़ती है। आज सुप्रिया सुले भी इसी सड़क से होकर त्र्यंबकेश्वर दर्शन के लिए आईं थीं। उस दौरान उन्होंने इन सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे देखे।

ट्विटर के ज़रिए निर्माण मंत्री से की मरम्मत की मांग

इसके बाद उन्होंने तुरंत लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले को पोस्ट टैग किया और उनसे इस सड़क की तुरंत मरम्मत करवाने की मांग की। सुले ने अपनी पोस्ट में कहा, "नासिक से त्र्यंबकेश्वर जाने वाली राज्य सड़क बेहद खराब हालत में है। कई जगहों पर गड्ढे हो गए हैं और इस सड़क पर यात्रा करना मुश्किल हो गया है। श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर कई श्रद्धालुओं का धार्मिक स्थल है। श्रद्धालु इसी सड़क से आते-जाते हैं। सड़क की वर्तमान स्थिति को देखते हुए, यह सड़क अब यातायात के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक नहीं रही।

आपसे अनुरोध है कि कृपया इस सड़क की तुरंत मरम्मत करवाएँ।"इस बीच, सांसद सुप्रिया सुले ने सोमवार सुबह त्र्यंबकेश्वर जाकर भगवान त्र्यंबकराज के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में पूजा और आरती की। राकांपा के युवा प्रदेश अध्यक्ष और मंदिर के ट्रस्टी पुरुषोत्तम कडलग भी उनके साथ मौजूद थे।

खांडवीपाड़ा गांव जाने वाली सड़क जलमग्न

पानी में डूबी सड़क पर जाने को मजबूर स्कूली छात्र और महिलाएं

महानगर नेटवर्क

नंदूरी

ग्रामीणों ने बताया कि कलवण तालुका के गोबापुर समूह ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले खांडवीपाड़ा गांव को जाने वाली सड़क कई दिनों से जलमग्न है, जिससे वहां के ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही है। रिसाव के कारण गोबापुर में बांध का काम दो साल पहले शुरू किया गया था, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है और बांध में जमा पानी के बड़े प्रवाह के कारण गोबापुर से खांडवीपाड़ा तक सड़क पर लगातार पानी बह रहा है। वहाँ के निवासियों, स्कूली छात्रों और महिलाओं को बहते पानी से होकर चलना पड़ता है स्कूली छात्रों के साथ भी यही स्थिति है। इसके अलावा, दो दिन पहले, एक व्यक्ति का निधन हो गया था और उसका अंतिम संस्कार इसी स्थान पर किया जाना था। कुछ ग्रामीणों ने कहा कि शवयात्रा इसी बहते पानी से होकर निकाली गई थी। साथ ही, चूँकि खांडवी पाड़ा तक पहुँचने के लिए बहुत ही खड़ी और खड़ी सड़क है और खतरनाक मोड़ हैं।

तेज़ी से चल रहा मरम्मत का कार्य

पिछले कई वर्षों से गोबापुर बांध के रिसाव की मरम्मत का कार्य तेज़ी से चल रहा है। वर्तमान में वर्षा बहुत अधिक हो रही है और सारा पानी बह जाता है, इसलिए रबी के मौसम में कृषि के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। संबंधित विभाग को बांध का कार्य जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए।

-गंगाधर खांडवी,
(सरपंच समूह ग्राम पंचायत गोबापुर)

सड़क को चौड़ा किया जाना चाहिए

गोबापुर से खांडवी पाड़ा तक की सड़क ढाई किलोमीटर लंबी है और इस सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण वाहन मालिकों को अक्सर अपनी जान जोखिम में डालकर किसानों से कृषि उपज लेकर बिक्री के लिए ले जाना पड़ता है। अक्सर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। हालाँकि, इस कठिन सड़क को चौड़ा किया जाना चाहिए, पुल की ऊँचाई बढ़ाई जानी चाहिए और सड़क की मरम्मत की जानी चाहिए। **-शाबान पठान,**
(व्यवसाय - गोबापुर)

किम्स मानवता हॉस्पिटल ने किया वॉकथॉन का आयोजन

नाशिक। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर, किम्स मानवता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ने आज इंदिरानगर जॉगिंग ट्रैक पर एक भव्य वॉकथॉन और एट्रियल फ़िब्रिलेशन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। 'स्वस्थ हृदय - स्वस्थ जीवन' का संदेश फैलाने के लिए बड़ी संख्या में नागरिकों, डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निखिल पटेल और डॉ. अतुल पाटिल तथा पूर्व पार्षद चंद्रकांत खोड़े की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान डॉक्टरों ने प्रतिभागियों को हृदय रोगों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने एट्रियल फिब्रिलेशन पर भी चर्चा की। रोग के बारे में विशेष जानकारी दी गई।एट्रियल फ़िब्रिलेशन एक अनियमित हृदय गति है जो स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि नियमित जाँच, उचित उपचार और स्वस्थ जीवनशैली से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। अस्पताल ने वॉकथॉन में भाग लेने वाले नागरिकों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया। इस महीने को एट्रियल फ़िब्रिलेशन जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है।

भूमि की लड़ाई के लिए मनमाड में प्रेरणा की पहल पर शुरू आंदोलन

महानगर नेटवर्क

मनमाड

मनमाड (ता. नांदगांव, जिला नाशिक) में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रेरणा और कर्मवीर दादासाहेब गायकवाड़ की पहल पर जनता के चंदे से डॉ. आंबेडकर विद्यार्थी आश्रम का निर्माण किया गया है। इस संरचना की आधारशिला 9 दिसंबर 1945 को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने रखी थी। 17 नवंबर 1951 को इस संरचना को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने भारी जनसमूह की उपस्थिति में जनता को समर्पित भी किया था। इस संरचना को 'प्रेरणा भूमि' और 17 नवंबर को 'प्रेरणा

दिवस' घोषित करने के लिए प्रेरणा भूमि विकास कृति समिति की पहल पर आज मनमाड में धरना दिया गया। इस आंदोलन को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के परपोते एडवोकेट अक्षय आंबेडकर ने अपना समर्थन देने के लिए उपस्थित थे। इस अवसर पर ज़ोरदार नारे लगाए गए। एक्शन कमेटी ने घोषणा की है कि प्रेरणाभूमि एक्शन कमेटी प्रेरणाभूमि की लड़ाई को सफल बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। राज्य सरकार महापुरुष की जन्मभूमि को कर्मभूमि घोषित कर उसके संरक्षण और विकास का प्रयास कर रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 13 हजार 204 मामलों का निपटारा

123 करोड़ रुपये का समझौता शुल्क वसूला गया

महानगर नेटवर्क

नाशिक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नासिक द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस. डी. जगमलानी की अध्यक्षता में जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में जिले से कुल 13 हजार 204 मामलों का निपटारा किया गया और सभी मामलों में लगभग 123 करोड़ 88 लाख 86 हजार 965 रुपए समझौता शुल्क के रूप में वसूले गए तथा चालीस वर्ष पूर्व के एक दावे का निपटारा किया गया। यह जानकारी सिविल न्यायाधीश

वरिष्ठ स्तर एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुहास भोसले ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। इन मामलों का निपटारा राष्ट्रीय जन न्यायालय में किया गया। मोटर दुर्घटना मामले में कुल 252 लाख रुपये का समझौता, एक मोटर दुर्घटना मामले में, 2019 में राज्य परिवहन निगम की बस और ट्रक के बीच हुई दुर्घटना में बस में एक यात्री की मृत्यु हो गई थी।

सामाजिक परिवर्तन हेतु स्वामी के विचार को घर-घर पहुंचाएं : गुरुमाऊली मोरे

गुरुपीठ में 475 गुरुचरित्र और 3600 नवनाथ पारायण उत्साहपूर्वक संपन्न

महानगर नेटवर्क

नाशिक

अखिल भारतीय श्री स्वामी समर्थ सेवा मार्ग के प्रमुख परम पूज्य गुरुमौली श्री अन्नासाहेब मोरे ने जब समाज के समग्र विकास, सामाजिक परिवर्तन और देश, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा हेतु श्री स्वामी महाराज की शक्तिशाली ऊर्जा को घर-घर पहुँचाने का आह्वान किया, तो उपस्थित समर्थ सेवकों ने ज़ोरदार तालियाँ बजाईं और स्वामीनाम का जाप किया। राष्ट्रहित एवं जनकल्याण हेतु गुरुपीठ में शनिवार (13 सितंबर) को आयोजित गुरुचरित्र पारायण में 475 लोगों ने भाग लिया और

रविवार (14 सितंबर) को आयोजित नवनाथ भक्तिसार पारायण में 3600 सेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शनिवार को आयोजित साप्ताहिक सत्संग में परम पूज्य गुरुमौलि ने सेवाकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सेवामार्ग के माध्यम से सामाजिक समरसता का विकास होता है। लोगों के दुख-दर्द को दूर करने का कार्य किया जाता है। देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। आज हम देख रहे हैं कि हमारे पड़ोसी देश में स्थिति कितनी गंभीर हो गई है। प्राकृतिक आपदा हो या अराजकता, इससे देश को नुकसान होता है। सेवामार्ग की भूमिका देश को ऐसी किसी भी आपदा से बचाना और लोगों के कल्याण के साथ-साथ उनके कल्याण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि इसीलिए अब्जचंडी, गुरुचरित्र और नवनाथ परायण जैसी शक्तिशाली सर्वोच्च सेवाओं को सामूहिक रूप से अपनाया जाता है.छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदवी स्वराज्य के माध्यम से दिव्य कार्य किया। उनके गौरवशाली, गौरवशाली और पराक्रमी इतिहास को कक्षा एक से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए। सभी को शिवाजी के जीवन आदर्श को अपनाना चाहिए। गुरुमौली ने भी अपना स्पष्ट मत व्यक्त किया कि जो लोग शिवाजी को सही अर्थों में समझते हैं, उन्हें अपनी शक्ति और सामर्थ्य का उपयोग सामाजिक कार्यों में करना चाहिए।सेवामार्ग का मासिक सत्संग 25 अक्टूबर, 2025 को गंगापुर स्थित दत्तधाम में आयोजित होगा।

भोंसला आविष्कार प्रतियोगिता में छात्रों की मनमोहक प्रस्तुतियां

प्राचार्य डॉ. दिनेश नाइक ने किया छात्रों का मार्गदर्शन

नाशिक। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के परिपत्र के अनुसार, भोंसला मिलिट्री कॉलेज में आयोजित आविष्कार प्रतियोगिता को शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतियाँ दीं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में शोध भावना, नए विचार, समस्या-समाधान करना है। प्राचार्य डॉ. दिनेश नाइक ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को नई अवधारणाओं और शोध के महत्व को समझाया। कला, वाणिज्य, विज्ञान, कंप्यूटर, प्रबंधन

मनोविज्ञान आदि क्षेत्रों के छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन फ्यूल, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, हेल्दी माइंड, फिक्स इट नाउ, प्रदूषण जैसे विभिन्न विषयों पर पोस्टर, पीपीटी और मॉडल के माध्यम से नवीन अवधारणाएँ प्रस्तुत कीं।

गड्ढे के कारण कार फिसलने से सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत

नाशिक। तारवालानगर-अमृतधाम लिंक रोड मौत का जाल बन गया है और इसी सड़क पर घर जा रहे 61 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक एक बड़े गड्ढे में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। घायल सेवानिवृत्त शिक्षक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस बारे में अधिक जानकारी यह है कि दिनकर पांडुरंग ज़ेटे (उम्र 61), येओला के वीरभद्र माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक, मखमलाबाद शिवरा के उदयनगर में अपने परिवार के साथ रहते थे। दिनकर ज़ेटे रात में अपनी एक्टिवा कार से मखमलाबाद स्थित अपने घर जा रहे थे।

'कार्डियोलॉजी अपडेट-2025' का आयोजन

महानगर नेटवर्क

नाशिक

विज़न हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स के सहयोग से एक दिवसीय सम्मेलन, कार्डियोलॉजी अपडेट-2025, का आयोजन किया। देश भर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मार्गदर्शन प्रदान किया। आधुनिक चिकित्सा, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर सहित हृदय रोग की व्यापकता पर विस्तृत चर्चा हुई। इस सम्मेलन में आयोजित विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने भाग लिया और मार्गदर्शन प्रदान किया। लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रमन पुरी

विज़न हॉस्पिटल में विभिन्न विषयों पर दृश्य चर्चाएं

ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में अब तक पश्चिमी देशों द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर उपचार किया जाता था। लेकिन भारतीयों की जीवनशैली से कई चीजें अलग हैं। पिछले कुछ वर्षों में इस संबंध में काफी शोध हुए हैं। यदि इन निष्कर्षों के आधार पर मरीजों का भारतीय मानकों के अनुसार उपचार किया जाए, तो उनमें सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद विजन ने उपचार में मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री गुरु कपिल महामुनि की मनाई गई जयंती

महानगर नेटवर्क

त्र्यंबकेश्वर

इस धाम के अधिष्ठाता श्री गुरुकुल कपिल महामुनि महाराज की जयंती यहाँ पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े में मनाई गई। इस धाम के राष्ट्रीय सचिव महंत रमेशगिरि महाराज ने पूजा-अर्चना की। यह धाम यहाँ के प्रसिद्ध प्रयाग तीर्थ के सामने स्थित है और सिंहस्थ कुंभ मेले का सबसे बड़ा धाम है। बड़ी संख्या में गुरु महाराज का पूजन, सत्संग, संतों का स्वागत, महाप्रसाद भंडारा हुआ। श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन के दौरान प्रसाद का लाभ उठाया। विधायक हीरामन खोसकर और अन्य गणमान्य लोग यहां उपस्थित थे। सचिव महंत श्री शिवनारायण पुरीजी महाराज,महंत विजयपुरी महाराज थानापति अजयपुरी, अखाड़े के पुजारी बापू दशपुत्र आदि उपस्थित थे। इस अखाड़े में गुरु गहिनीनाथ महाराज की समाधि है, जिन्होंने संत निवृत्तिनाथ को दीक्षा दी थी, और अब यह स्थान वारकरी भक्तों से भरा रहता है।

महिला जपानुष्ठान समारोह में रूद्र स्वाहाकार यज्ञ का आयोजन

महानगर नेटवर्क

ओझर

ओझर स्थित जगद्गुरु जनार्दन स्वामी महाराज आश्रम में महिला सशक्तिकरण हेतु चल रहे महिला जपानुष्ठान समारोह के अंतर्गत, उनके उत्तराधिकारी जगद्गुरु स्वामी शांतिगिरिजी महाराज की प्रेरणा और सान्निध्य में आठ दिवसीय रुद्र स्वाहाकार यज्ञ का आयोजन किया गया है। चार-चार दिवसीय दो यज्ञ संपन्न हो रहे हैं। पहला यज्ञ संपन्न हो चुका है और दूसरा यज्ञ प्रारंभ हो रहा है। ओझर के जनशांति धाम क्षेत्र में महिलाओं का जपानुष्ठान समारोह चल रहा है। इस समारोह के दौरान रुद्र

नारी शक्ति बढ़ाने के लिए यज्ञ करने का संकल्प

स्वाहाकार यज्ञ भी शुरू हो गया है। यह यज्ञ दो चरणों में किया जा रहा है। इससे भोर से ही वातावरण में पवित्रता और भक्ति का अनूठा दर्शन हो रहा है। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ कुंड प्रज्वलित किया गया। जगद्गुरु स्वामी शांतिगिरिजी महाराज की उपस्थिति में आश्रम के राजकीय पुजारी, वैदिक साहित्य के पारंगत पंडित विलास शास्त्री कुलकर्णी ने स्वाहाकार मंत्रों का जाप शुरू किया।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, यूनिट नं.11-12, देह बानू कॉम्पलेक्स, बाफना ज्वेलर्स के पास, नाशिक-पुणे रोड, दत्त मंदिर, नाशिक रोड-422101 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 0253-2469848 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सीएम का 'जनता दर्शन'

प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे मुख्यमंत्री

रायबरेली से पहुंचे मरीजों को तुरंत भर्ती कराने के दिए निर्देश

महानगर संवाददाता
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे, शिकायतें सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। 'जनता दर्शन' में 50 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। रायबरेली से आये किडनी व हर्ट के मरीज को सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए। किडनी, हृदय के मरीज को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश 'जनता दर्शन' में रायबरेली के थाना खीरो के ग्राम बरवलिया के एक युवक भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनके पिता किडनी-हृदय व यूरिन की बीमारी से पीड़ित

हैं। प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने में अब आर्थिक दिक्कत आ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए अस्पताल से एस्टीमेट भी मंगवाने को कहा।

हर जरूरतमंद को इलाज में निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है सरकार

'जनता दर्शन' में इलाज के लिए आर्थिक सहायता के लिए कई फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी। सरकार विगत 8 वर्ष से हर जरूरतमंद को निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है।

नन्हे-मुन्नों को भी दुलारा, दी चॉकलेट

'जनता दर्शन' में कई फरियादियों के साथ बच्चे भी आए, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुलार भी किया। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का अहसास कराया। सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी भी प्रदान की।

सीएम योगी तक पहुंचा दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग का मामला

रात को पिता जगदीश से फोन पर की बात

महानगर संवाददाता
बरेली

यूपी के बरेली में अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता और रिटायर्ड डीएसपी जगदीश पाटनी के घर हुई फायरिंग का मामला अब सीएम योगी तक पहुंच गया है। सीएम योगी ने घटना को लेकर रविवार देर रात दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी से फोन पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने घटना की जानकारी ली और परिवार को सुरक्षा व सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि शुक्रवार तड़के करीब 3:30 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने सिविल लाइंस स्थित रिटायर्ड डीएसपी के घर पर नौ राउंड से अधिक फायरिंग की थी। इस हमले की जिम्मेदारी कुख्यात गोल्डी बराड़ गैंग से जुड़े रोहित गोदारा ने ली थी। बता दें कि दिशा पाटनी की बड़ी बहन रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी द्वारा कथावाचक अनिरुद्धाचार्य को लेकर की गई टिप्पणी को इस गैंग ने संतों का अपमान बताते हुए हमले को अंजाम दिलाया। इस

मामले को लेकर रविवार देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश पाटनी से बात की। मुख्यमंत्री ने परिवार को भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सोशल मीडिया के अकाउंट से गोल्डी बराड़ गैंग की तलाश

गोल्डी बराड़ गैंग के शूटर्स तक पहुंचने के लिए पुलिस उनके समर्थकों की तलाश कर रही है। इसके लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने एसपी क्राइम मनीष सोनकर को सुदर्शन पोर्टल के जरिये जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। इसमें देखा जा रहा है कि फायरिंग की घटना के बाद किन व्यक्तियों ने इस घटना के पक्ष और विपक्ष में पोस्ट की है। पुलिस ने कुछ ऐसे अकाउंट भी चिह्नित किए हैं, जिनसे 29 जुलाई को खुशबू पाटनी के बयान के आपत्तिजनक कमेंट किए गए हैं। देखा जा रहा है कि इनमें से कोई व्यक्ति इतना आक्रोशित तो नहीं है, जो इस तरह की वारदात को अंजाम दे सकता हो और गोल्डी बराड़ गैंग ने उसका इस्तेमाल किया हो।जगदीश पाटनी के घर फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी लेने के लिए गोल्डी बराड़ गैंग के रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पोस्ट और एक ऑडियो रिकॉर्डिंग को माध्यम बनाया।

शहीदों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे भाजपा के लोग

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर अखिलेश ने दिया बयान

महानगर संवाददाता
लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा के लोग पहलगाम हमले के शिकार हुए लोगों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि विदेश नीति से जुड़े मामले बेहद संवेदनशील होते हैं। अखिलेश यादव सोमवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे जिसमें उनसे सवाल पूछा गया कि पहलगाम हमले के बाद भारत-

पाक के बीच मैच हुआ जबकि हमले का जिम्मेदार पाकिस्तान है। वहीं, दोनों देशों के तनाव के बीच भाजपा के नेता पाक क्रिकेटरों के साथ कहकहे लगा रहे थे। क्या ये मुकाबला होना चाहिए था? इस पर

पुलिस सरकार के नियंत्रण से बाहर हो चुकी है

एक अन्य सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में पुलिस बेलगाम हो गई है। ये सरकार के नियंत्रण में नहीं है। इसलिए लगातार पुलिस की पिटाई से हुई मौतों के मामले सामने आ रहे थे। वहीं, गाजीपुर में पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता की मौत मामले पर उन्होंने कहा कि हम तो पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए खड़े हैं लेकिन सुनने में आ रहा है कि पीड़ित पक्ष और सरकार के बीच कुछ समझौता हो गया है। हम जिसे न्याय दिलाना चाहते हैं अगर वो ही समझौता कर ले तो हम क्या कर सकते हैं।

अधिवक्ता पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर संवाददाता
प्रयागराज

अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह व उनके साथियों पर जानेलवा हमला और 10 लाख रुपये रंगदारी मांगने वाले दो नामजद आरोपियों को पुलिस ने रविवार की देर शाम गिरफ्तार किया। सिविल लाइंस पुलिस ने दोनों आरोपी अंकित केसरवानी व उज्जवल केसरवानी को जेल भेज दिया। वहीं, नामजद मुख्य आरोपी 25 हजार इनामी विपिन गुप्ता अल्लू समेत मयंक व राहुल यादव की तलाश जारी है। कालिंदीपुरम निवासी अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह व उनके अधिवक्ता साथी जेपी पांडेय व परवेज खान पर एक सितंबर की रात यात्रिक चौराहे पर हमला किया गया था। आरोपियों ने फायरिंग करते हुए 2200 रुपये नकदी लूटने के साथ ही 10 लाख रुपये रंगदारी देने की धमकी दी थी। धिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह की तहरीर पर दो अगस्त को सिविल लाइंस पुलिस ने खुल्दाबाद निवासी विपिन गुप्ता अल्लू, उज्जवल केसरवानी, अंकित केसरवानी, राहुल यादव व मयंक के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी। एसीपी सिविल लाइंस कृतिका शुक्ला ने बताया कि नामजद आरोपी उज्जवल व अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया है। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपी पंचायत चुनाव

ग्राम प्रधान के दावेदारों की अभी से ही जोर आजमाइश शुरू

महानगर संवाददाता
लखनऊ

यूपी पंचायत चुनाव की अभी घोषणा भी नहीं हुई है लेकिन संभावित ग्राम प्रधानों के दावेदारों की जोर आजमाइश शुरू हो गई। दावेदार तरह-तरह के हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया को हथियार बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत करने में लगे हुए हैं। वाट्सअप ग्रुप के जरिए गांवों में अभी से पंचायत चुनाव की चहल कदमी शुरू हो गई है। जीते-हारे प्रत्याशी और नए चेहरे भी तैयारी में पीछे नहीं है।वर्तमान जिला पंचायत सदस्य, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के लिए अभी से जोर आजमाइश शुरू हो गई है। गांवों में संभावित दावेदार सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर

ग्रामीणों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। एक दूसरे के कामों के आंकलन की चर्चा भी सोशल मीडिया खूब चल रही है। कभी बैनर पोस्टर से तैयारी करने वाले संभावित दावेदार अपने आपको सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट कर रहे हैं। पंचायत चुनाव को लेकर सियासी माहौल बनने लगा है। दावेदार हथकंडे अपनाते हुए गांवों में दावत देने का दौर शुरू कर दिया। ग्राम प्रधान और जिला पंचायत सदस्य के संभावित दावेदार अभी से होटलों पर ग्रामीणों को खाना खिला रहे हैं। अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में कमी न रह जाए इसका भी ध्यान रखा जा रहा है।

प्रधान बनने से पहले ही करा दिया कच्चे रास्ते का काम

सोशल मीडिया पर संभावित दावेदारों की अक्सर बहस छिड़ जाती है। प्रधान पद के एक संभावित दावेदार ने नया हथकंडा अपनाते हुए फतेहपुर पंचायत में बिना प्रधान बने ही अपने खर्चे पर कच्चे रास्ते का काम करा दिया है। यह मामला भी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

दर्शनार्थियों से भरी बस जौनपुर में ट्रेलर से टकराई

चार की मौत; नौ घायल

महानगर संवाददाता
जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में छत्तीसगढ़ के दर्शनार्थियों से भरी एक बस भीषण सड़क हादसे की शिकार हो गई। इसमें चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जबकि नौ लोग बुरी तरह से घायल हैं। अयोध्या में दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु बस से वाराणसी जा रहे थे। जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर के पास उनकी बस ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर होते ही चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य श्रद्धालुओं का इलाज जारी है। नौ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टर उनके इलाज में जुटे हैं। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के करीब 40 दर्शनार्थी बस में सवार थे। वे अयोध्या से दर्शन करके वाराणसी जा रहे थे। वहां उन्हें श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने थे। सोमवार तड़के तीन बजे के करीब बस जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर रेलवे क्रासिंग के पास पहुंची थी। इस दौरान एक ट्रेलर को ओवरटेक करने के चक्कर में बस उससे टकरा गई। यह टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसे के बाद किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया। एंबुलेंस बुलाकर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। नौ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश पर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की प्रतिक्रिया

महानगर संवाददाता
लखनऊ

वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर अंतरिम राहत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगाई। अब इस अंतरिम आदेश पर ईदगाह इमाम और एआईएमपीएलबी के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने वीडियो जारी कर अपनी बात रखी है। प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा है कि हम सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि जब सुप्रीम कोर्ट का फाइनल फैसला आएगा, तब पूरी राहत मिलेगी।

वहीं मौलाना शहाबुद्दीन रजवी की प्रतिक्रिया आई है। सुप्रीम के अंतरिम आदेश का स्वागत और समर्थन किया है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से इस तरह के फैसले की उम्मीद थी। अब वक्फ की जमीनों पर भू माफिया के कब्जे हटेंगे। उससे होने वाली आमदनी गरीब और कमजोर मुसलमानों के उत्थान के लिए खर्च की जाएगी। वहीं अंतरिम आदेश पर उलेमाओं ने संतोष जताया। वक्फ बोर्ड का सीईओ मुस्लिम ही होगा एवं अन्य कई चीजों पर स्टे पर उलेमा खुश हैं। लाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि हम लोगों की मांग थी कि पूरे अधिनियम पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया। लेकिन कोर्ट ने कई प्रावधानों पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि अंतरिम आदेश में कुछ प्रावधानों पर रोक का स्वागत करते हैं, जैसे कि जो व्यक्ति वक्फ बनाना चाहता है, उसे कम से कम 5 साल तक प्रैक्टिसिंग मुस्लिम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धारा 3 और 4 पर रोक एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने कहा कि सीईओ मुस्लिम समुदाय से होना चाहिए।

गोरखपुर के गोला में स्कूल बस पलटी

दो बच्चों का सिर फटा

महानगर संवाददाता
गोरखपुर

गोला-उरुवा मार्ग पर चंदौली गांव के पास सोमवार को सुबह स्कूल के बच्चों को ले जा रही बस ओवरटेक करने के चक्कर में पलट गई। जिसमें सवार दो के सिर में गंभीर चोट लग गई। आनन फानन में उन्हें दूसरे स्कूल के बस से गोला कस्बा स्थित एक प्राइवेट अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक चिकित्सा के बाद छात्रों को छोड़ दिया गया। उधर मौके पर पहुंची पुलिस बस चालक का मेडिकल कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई और बस को भी कब्जे में ले लिया

है। थाना क्षेत्र का धुरियापार हरपुर चीनी मिल के पास स्थित आरएसपी एकेडमी की बस को बेदौली गांव निवासी बस चालक उदयप्रताप सिंह चलाता है। सुबह वह अपने गांव के बच्चों को बस में बैठाने के बाद नारायणपुर, गोपालपुर और चंदौली गांव के कुल 11 बच्चों को अभी बैठा सका था।

अमला व आबादी बढ़ी नहीं बढ़ा जनसुविधाओं का दायरा

अयोध्या। ऐतिहासिक रूप से अवध का एक हिस्सा रहे फ़ैजाबाद और अब अयोध्या में अंग्रेजों ने प्रांत में पहले से ही लागू प्रशासनिक व्यवस्था को यहां 1858 में स्थापित करने का कार्य शुरू किया। तब प्रशासन से लेकर न्यायिक कार्य शासन के हवाले हुआ करता था और प्रशासनिक अधिकारी ही न्याय का जिम्मा संभालते थे। वर्ष 1871 में अवध सिविल न्यायालय अधिनियम पारित होने के बाद न्यायालयों का पुनर्गठन किया गया। वहीं 1879 में सिविल न्यायालयों को राजस्व एवं फौजदारी न्यायालयों से अलग किया गया और मुंसिफों,अधीनस्थ न्यायाधीशों और जिला न्यायाधीशों की नियमित अदालतें स्थापित हुई। जिला कचहरी और कलेक्ट्रेट का ताना-बना देश की आजादी के काफी पहले का है। आजादी के बाद वर्ष 1947 में एच.सी. घोषाल पहले जिला न्यायाधीश बने। तब से तमाम नई अदालतों का गठन हुआ और प्रशासनिक कार्यों को बेहतर ढंग से संपादित करने के लिए तमाम अधीनस्थ अधिकारियों के पद सृजित हुए और कई कार्यालय बने। आजादी के बाद प्रशासनिक और न्यायिक क्षेत्र में काफी विस्तार हुआ। ऐसा नहीं है कि बीते कालखंड में व्यवस्थाओं का विस्तार नहीं हुआ।

चंद सालों में फर्श से अर्श पर पहुंचा, अब पत्नी संग फरार

धर्मांतरण केस में मार्ट सील कर ढूंढ रही पुलिस

महानगर संवाददाता
देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया में उस्मान नाम का एक शख्स चंद सालों में फर्श से अर्श तक पहुंच गया। उसके मॉल में काम करने वाली एक युवती द्वारा धर्मांतरण का केस दर्ज कराए जाने के बाद वह पत्नी संग फरार हो गया है। पुलिस ने उसके मार्ट को सील कर नोटिस चस्पा कर दिया है। मॉल और मार्ट में काम करने वाले छह कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों जगह अब ताला

लटक रहा है और पुलिस का पहरा है। उस्मान और उसकी पत्नी की गिरफ्तारी के लिए एसओजी समेत कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस अधिकारी जल्द ही सरगना को गिरफ्तार कर लेने का दावा कर रहे हैं। शहर के रामलीला मैदान स्थित मॉल में काम करने वाली एक युवती ने मालिक उस्मान गनी, उसकी पत्नी और साले गौहर अली के खिलाफ धर्मांतरण समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया था। इसके बाद से ही लगातार नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। मॉल के मैनेजर द्वारा पूरे परिवार के साथ धर्मांतरण कर लेने की बात सामने आने के बाद पुलिस की सख्ती और बढ़ गई है। शनिवार की रात पुलिस ने मॉल में काम करने वाले छह कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया।

गैंगस्टर की कार को पुलिस ने किया कुर्क

प्रतापगढ़। कुंडा और बाघराय थाने में कई मुकदमों में वांछित गैंग लीडर की कार को पुलिस ने कुर्क कर लिया। रविवार शाम कुर्की की कार्रवाई कर जिला मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट भेजी। बाघराय थानाक्षेत्र के सकरदहा गांव निवासी शेखर उर्फ राज प्रताप सिंह के खिलाफ कुंडा कोतवाली में भारी मात्रा में बरामद शराब सहित कई मामलों में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने शेखर उर्फराज प्रताप के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की है। गैंगस्टर घोषित होने के बाद पुलिस कई कार्रवाई कर चुकी है। उसी मामले में जिला मजिस्ट्रेट ने अपराधिक स्रोतों से खरीदी गई उसकी कार को कुर्क करने का आदेश दिया।

बनारस में जाम से निपटने को निकाली अनोखी तरकीब

गलत लेन में गए तो फट जाएगा टायर

महानगर संवाददाता
वाराणसी

वाराणसी यानी बनारस की साड़ी, लंगड़ा आम, यहां की गलियां, मिठाइयों के साथ ही जाम भी एक तरह से प्रसिद्ध ही है। बिना जाम के झाम में फंसे किसी तीर्थयात्री या पर्यटक की यात्रा पूरी नहीं होती है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद से तो तीर्थ यात्रियों की संख्या में कई गुना की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में तमाम सड़कें चौड़ी की जा रही हैं। फ्लाइओवर का जाल बिछाया जा रहा है। इसके बाद भी जाम कम होने का नाम नहीं ले रहा है। जाम से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन ने अब अनोखी तरकीब निकाली है। सड़कों पर टायर किलर का प्रयोग शुरू किया

है। गलत लेन में घुसते ही यह टायर किलर गाड़ियों के टायर फाड़ देगा। इसके साथ ही चौराहे पर रेड लाइट जंप करने पर सिटी कमांड कंट्रोल सेंटर से चालान की व्यवस्था भी शुरू कर दी गई है। कई अन्य प्रयोग भी किए जा रहे हैं। टायर किलर का प्रयोग कुछ समय पहले ही चालू हुए फुलवरिया फ्लाईओवर पर किया गया है। यह फ्लाईओवर बनारस का अब सबसे व्यस्त फ्लाईओवर बन गया है। बाबतपुर एयरपोर्ट से बीएचयू या शहर में आने के लिए इसी का इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में यहां जाम की समस्या भी बढ़ रही है। एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान मिश्रा ने बताया कि सेन्ट्रल जेल से फुलवरिया होते हुए वाहन आगे बढ़ते हैं। अमूमन जिन वाहनों को बौलिया जाना होता है, वे यू-टर्न लेकर बौलिया से आने वाले लेन में घुस जाते हैं। जबकि यह लेन केवल बौलिया से फ्लाईओवर पर आने के लिए है। यू-टर्न लेने के दौरान अक्सर दोनों लेन जाम हो जाते थे। इसे रोकने के लिए यू-टर्न वाली जगह पर अब टायर कीलर प्रयोग के तौर पर लगवाया गया है। ऐसे वाहन जो फुलवरिया फ्लाईओवर से बौलिया तिराहे की तरफ गलत लेन का प्रयोग करेंगे उनके टायर खुद फट जाएंगे। उन्हें अगर बौलिया जाना है तो लहरतारा चौराहा होते हुए जाना होगा।

12 विद्यालयों में एमडीएम की खराब प्रगति पर भेजा नोटिस

ज्ञानपुर। जिले के छह ब्लॉकों में 12 परिषदीय विद्यालयों में एमडीएम खराब और बच्चों की उपस्थिति कम पाई गई है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में बी ग्रेड प्रदर्शित होने पर बीईओ को चेतावनी दी गई। समीक्षा बैठक के दौरान छह ब्लॉक के 12 विद्यालयों की प्रगति ठीक नहीं पाई गई। इसमें अभोली ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालय मसूधी और सरायरूददी, ज्ञानपुर में प्राथमिक विद्यालय चकगणेशा, उमरिया, उच्च प्राथमिक विद्यालय रैपुरी, भदोही में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय परगासपुर, डीघ ब्लॉक में उच्च प्राथमिक विद्यालय मझगवां, प्राथमिक विद्यालय खोरावीर, सुरियावां में प्राथमिक विद्यालय बहुता एवं निदिउरा शामिल हैं।

3 बच्चों की मां पर डोरे डाल मंदिर में रचाई शादी

फिर प्रेमी ने किया ऐसा कांड

भागी-भागी थाने पहुंची महिला

महानगर संवाददाता
लखनऊ

राजधानी लखनऊ में एक शख्स ने तलाक शुदा तीन बच्चों की मां पर डोरे डालकर प्यार में फंसा लिया। महिला का रेप किया। महिला के गर्भवती होने पर मंदिर ले जाकर मांग भर दी और शादी रचा ली। पर वह कोर्ट मैरिज के नाम पर आनाकानी करने लगा। उसने मकान बनवाने के नाम पर महिला से 10 लाख रुपए भी ऐंठ लिए। परेशान पीड़िता थाने पहुंची। महिला की तहरीर पर चिनहट पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। मूलरूप से बिहार निवासी पीड़िता के मुताबिक पति से तलाक के बाद वह अपने तीन बच्चों के

साथ चिनहट तें आकर रहने लगीं थी। नौकरी कर वह बच्चों का पालन पोषण कर रहीं थी। कुछ समय पहले उनकी मुलाकात सीतापुर सकरन निवासी दिनेश कुमार से हुई। आरोपी सकरन ने उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर पीड़िता ने दिनेश ने मंदिर में मांग भर दी, लेकिन कोर्ट मैरिज पर टालमटोल करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि दिनेश ने उनसे मकान बनवाने के नाम पर 10 लाख रुपये भी ऐंठ लिए। इस बीच बाराबंकी ले जाकर गर्भपात करा दिया। उसके बाद आरोपी दिनेश उन्हें छोड़कर भाग गया। दिनेश को खोजते हुए वह सीतापुर पहुंची तो पता चला कि उसके घर वाले दूसरी शादी की तैयारी कर रहे हैं। इसपर उन्होंने सीतापुर के सकरन थाने में शिकायत की। पंचायत के बाद तय हुआ कि दिनेश व उसका परिवार पीड़िता को पत्नी बनाकर घर में रखेगा।

'भारत में भारत का कानून चलेगा... घुसपैठियों का नहीं'

पूर्णिया में राजद-कांग्रेस पर पीएम मोदी का तीखा वार

महानगर नेटवर्क

पूर्णिया

पूर्णिया की धरती से पीएम नरेंद्र मोदी ने घुसपैठियों को सीधी चेतावनी दी। उन्होंने कहा की राजद और कांग्रेस की जमात कान खोलकर सुन लो, जो भी घुसपैठिया है, उसे बाहर जाना ही होगा। घुसपैठ पर ताला लगाना, एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। जो घुसपैठियों को बचा रहे हैं, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि आप कितनी भी ताकत लगा लो अब हम उन्हें घुसने नहीं देंगे। भारत में घुसपैठियों की मनमानी नहीं चलेगी। यह मोदी की गारंटी है कि घुसपैठियों पर कार्रवाई होगी।

पीएम मोदी ने ये बातें पूर्णिया के शीशाबाड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। पीएम ने कहा कि कांग्रेस और राजद लंबे समय से बिहार की सत्ता से बाहर है। मैं इसके

लिए माताएं एवं बहनों को नमन करता हूं। राजद की सरकार में माताएं-बहनें परेशान थीं। वह डरी हुई थीं। आज डबल इंजन की सरकार में वह लखपति दीदी बन रही है। जीविका दीदी आज पूरे देश के लिए प्रेरणा है।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस को केवल अपने परिवार की चिंता है। यह लोग कभी आपकी चिंता नहीं करेंगे, लेकिन मोदी के लिए आप ही परिवार हो, इसलिए मोदी कहता है सबका साथ सबका विकास। आने वाले दिनों में कई पर्व और त्योहार आने वाले हैं। इस बार हमारी सरकार ने गरीबों के लिए बहुत बड़ा उपहार दिया है। आज से ठीक हफ्ते बाद नवरात्र का त्योहार आएगा और 22 सितंबर से जीएसटी कम हो जाएगी।

पीएम ने कहा कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने माना था कि दिल्ली से चला हुआ 100 पैसे में से 85 पैसा रास्ते में ही रह जाता है। पहले लालटेन जलाकर पंजा सारा पैसा रख लेता था। कांग्रेस और राजद से बिहार की सम्मान और पहचान को खतरा है। आज घुसपैठियों के कारण बिहार, बंगाल और असम के लोग अपनी बहन बेटियों के लिए चिंतित हैं, लेकिन कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैठियों की वकालत कर रहे हैं। यह लोग घुसपैठियों के लिए नारे लगा रहे हैं। यात्रा कर रहे हैं।

चुराचांदपुर में फिर बिगड़ा माहौल

कुकी नेता के घर में भीड़ ने लगाई आग

महानगर नेटवर्क

इंफाल

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में माहौल फिर खराब हो गया है। रविवार देर रात यहां भीड़ ने कुकी नेता कैल्विन ऐखेंथांग के घर में आग लगा दी। कैल्विन कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (KNO) के नेता हैं, जो केंद्र सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस समझौते का हिस्सा है। हालांकि, चुराचांदपुर के कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। अधिकारियों के मुताबिक, एक अन्य कुकी नेता गिंजा वुआलजोंग के घर पर भी कुछ उपद्रवियों ने हमला करने की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने समय रहते हस्तक्षेप कर उनके घर को आग से बचा लिया। गिंजा कुकी काउंसिल और इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम के प्रवक्ता हैं।

दो प्रमुख कुकी-जो समूहों ने केंद्र सरकार के साथ SoO समझौते पर दोबारा बातचीत के बाद हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत उन्होंने मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने, संवेदनशील इलाकों से अपने कैंप हटाने और राज्य में स्थायी शांति व स्थिरता लाने के लिए काम करने का वादा किया। KNO और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट (UPF) के साथ इस समझौते से अशांत मणिपुर में शांति बहाली की उम्मीद थी। कुकी-जो काउंसिल (KZC) ने नेशनल हाईवे-2 को यात्रियों और जरूरी सामानों की आवाजाही के लिए खोलने का भी फैसला लिया था, जो मणिपुर से होकर गुजरता है। मगर, सोमवार को KZC ने कहा कि उन्होंने NH-2 को पूरी तरह से खोलने की कोई घोषणा नहीं की है और न ही इस रास्ते पर पूरी तरह से आवाजाही की इजाजत दी है।

कुकी-जो काउंसिल ने जारी की चेतावनी

कुकी-जो काउंसिल ने अपने बयान में कहा, 'हमने सिर्फ कांगपोकपी जिले के लोगों से सुरक्षा बलों का सहयोग करने को कहा था, ताकि NH-2 पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।' काउंसिल ने कहा कि केंद्र के बयान को गलत समझा गया, जिससे बेवजह भ्रम फैला। KZC ने यह भी कहा कि मेइतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच अभी कोई समझौता नहीं हुआ है। इसलिए दोनों पक्षों के लोगों को एक-दूसरे के इलाकों में नहीं जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कुकी-जो इलाकों का सम्मान करना जरूरी है।

भारतीय मूल के काश पटेल की नौकरी जाएगी?

वाशिंगटन। FBI यानी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के प्रमुख भारतीय मूल के काश पटेल पद गंवा सकते हैं। दरअसल, खबरें हैं कि उन्हें ताजा मामलों की जांच को लेकर जल्द ही कांग्रेस की सुनवाई का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। उनके पद छोड़ने की चर्चाएं ऐसे समय पर हो रही हैं, जब अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास माने जाने वाले चार्ली किर्क की हत्या की जांच जारी है।

रिपोर्ट में राष्ट्रपति ट्रंप और पटेल के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि FBI निदेशक पद छोड़ने वाले हैं। खास बात है कि हाल ही में पूर्व मिसूरी एटॉर्नी जनरल एंड्रयू बेली को FBI के उपनिदेशक पद के लिए चुना गया है। पटेल से पहले बेली ही FBI के शीर्ष पद के लिए ट्रंप की पहली पसंद के तौर पर देखे जा रहे थे। फिलहाल, ब्यूरो ने इसे लेकर कुछ नहीं कहा है।

अमृतसर में बाढ़ पीड़ितों से मिले राहुल गांधी

बाबा बुड्ढा साहिब गुरुद्वारे में टेका माथा

महानगर नेटवर्क

अमृतसर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज पंजाब दौरे पर हैं। वे प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। राहुल गांधी अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां से अजनाला, रमदास के गांव में जाकर लोगों से मिले। राहुल गांधी रमदास स्थित गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा जी साहिब में भी नतमस्तक हुए। इसके बाद वह गुरदासपुर गए और वहां के हालातों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ट्रैक्टर की सवारी की। राहुल गांधी हवाई सर्वे के बजाय सीधे गांव-गांव जाकर लोगों से रुबरु हो रहे हैं।

बिट्टू ने कसा तंज, बोले, बाढ़ के समय मना रहे थे छुट्टियां

राहुल के पंजाब दौरे पर लुधियाना के पूर्व सांसद और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि राहुल जब पंजाब डूब रहा था और लोग रो रहे थे तो वह मलेशिया में ऐश कर रहे थे।

दलित युवक को पेड़ से बांधकर पीटा, छह गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के मईल थाना क्षेत्र में एक दलित युवक की पेड़ से बांधकर पिटाई करने का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर एक समुदाय विशेष के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

बरहज के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार को मईल गांव के राहुल को क्षेत्र के माड़ोपार गांव के पास रंजिश में एक समुदाय के लोगों ने उसके साथ मारपीट करते हुए पेड़ से बांधकर वीडियो भी बनाया।

घटना का वीडियो सामने आने पर पुलिस ने मासूम रजा, महफूज आलम, खुशबू निशा, हनीफा, रुखसाना और अख्तर के खिलाफ मारपीट, दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया।

अमेरिका की चीन के साथ हो गई बड़ी डील

ट्रंप बोले- मैं जिनपिंग से बात करूंगा

महानगर नेटवर्क

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को संकेत दिया कि टिकटॉक के स्वामित्व से जुड़े अमेरिकी मुद्दों को सुलझाने के लिए एक समझौता हो गया है। उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करेंगे। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक 'विशेष' कंपनी के बारे में भी सहमति बन गई है, जिसे हमारे देश के युवा बचाना चाहते थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा?

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यूरोप में अमेरिका और चीन के बीच

हुई बड़ी व्यापार बैठक बहुत सफल रही! इस दौरान एक 'खास' कंपनी पर भी समझौता हुआ, जिसे हमारे देश के युवा बहुत बचाना चाहते थे। वे बहुत खुश होंगे! मैं शुक्रवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करूंगा। हमारे रिश्ते बहुत मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में टिकटॉक का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया। अनुमान लगाया जा रहा है कि वह जिस विशेष कंपनी की बात कर रहे हैं, वह टिकटॉक हो सकती है।

फेसबुकिया प्यार का खूनी अंत...महिला और लवर ने कर दिया कांड

लोहे के रॉड से हमला

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

राजस्थान के झुंझुनू की रहने वाली 37 वर्षीय मुकेश कुमारी की हत्या उसके प्रेमी ने कर दी। मुकेश आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक थी और करीब 10 साल पहले पति से अलग हो चुकी थी। वह 600km दूर बाड़मेर तक कई बार कार से अपने प्रेमी से मिलने जाती थी।

पुलिस के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में उनकी फेसबुक पर बाड़मेर के एक शिक्षक मनाराम से मुलाकात हुई थी। दोनों का रिश्ता गहराता गया और मुलाकातें बढ़ती गईं। लेकिन शादी को लेकर दोनों के बीच झगड़े भी होने

लगे। मनाराम का तलाक अभी अदालत में लंबित था, जबकि मुकेश तलाकशुदा थी। मुकेश चाहती थी कि शादी जल्द से जल्द हो। इस बात पर कई बार दोनों में कहासुनी हो चुकी थी। 10 सितंबर को मुकेश अपनी कार से झुंझुनू से बाड़मेर में मनाराम के गांव पहुंची। उसने गांववालों से रास्ता पूछा और सीधे मनाराम के घर पहुंच गई। वहां उन्होंने परिवार को अपने रिश्ते के बारे में बताया। यह सुनकर मनाराम नाराज हो गया और पुलिस तक बात पहुंच गई। पुलिस ने मामले को सुलझाया। उसके बाद मनाराम ने मुकेश को बातचीत का भरोसा दिया और शाम को दोनों मिले और इसी दौरान बड़ा हादसा हो गया।

आरोप है कि मनाराम ने गुस्से में लोहे के रॉड से मुकेश के सिर पर वार किया, जिससे उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद मनाराम ने मुकेश के शव को उसकी कार की ड्राइविंग सीट पर बैठाया और कार को सड़क किनारे लगा दिया। वह चाहता था कि घटना सड़क हादसा लगे।

36 मिनट में पूरी होगी 9 घंटे की कठिन तीर्थयात्रा

- सोनप्रयाग से केदारनाथ तक रोपवे

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप की अहम कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को सोनप्रयाग को केदारनाथ से जोड़ने वाली रोपवे परियोजना के निर्माण के लिए अहम कॉन्ट्रेक्ट मिला है। कंपनी को नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड से लेटर ऑफ अवार्ड प्राप्त हुआ है। इस परियोजना का निर्माण अदाणी एंटरप्राइजेज के रोड, मेट्रो, रेल और जल डिवीजन द्वारा किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह इसमें 4,081 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा, एक बार इस रोपवे के चालू हो जाने पर, 12.9 किलोमीटर लंबी कठिन यात्रा का समय 9 घंटे से घटकर सिर्फ 36 मिनट रह जाएगा,।

स्कूल की दीवार गिरी, छात्र की मौत

कुरनूल। जिले में सोमवार सुबह कवाड़ी स्ट्रीट पर स्थित कीर्ति इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल की दीवार गिर गई। हादसे में पांच वर्षीय छात्र की मौत हो गई और दस अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने देर से आने पर छात्रों को बाहर खड़ा किया था तभी दीवार अचानक गिर गई।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
निविदा अधिसूचना

वरिष्ठ क्षेत्रीय विद्युत अभियंता, कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, शिरवाड, कारवार की ओर से, अनुभवी ठेकेदारों से 25 केवी, 50 हर्ट्ज, सिंगल फेज, ट्रैक्शन ओवरहेड उपकरण के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य के लिए सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। यह कार्य कोंकण रेलवे के कारवार क्षेत्रांतर्गत बाल्ली स्टेशन पर सीओएनसीओआर की संपूर्ण लंबाई की साइडिंग के प्रस्तावित निर्माण से संबंधित है। **ई-निविदा संख्या केआर-केडब्ल्यू-इएल-टी-17-2025, दिनांक 16/09/2025, कार्य की लागत :** ₹ 115.45 लाख (जीएसटी को छोड़कर)। **बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 08/10/2025, को 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए, कृपया : www.ireps.gov.in यह वेबसाइट देखें।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
ई-निविदा सूचना

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड निम्नलिखित कार्य के लिए ईलेक्ट्रॉनिकली वेबसाईट www.ireps.gov.in के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** 2 (दो) वर्षों की अवधि के लिए सी एंड डब्ल्यू डिपो रत्नागिरी में वैगन बॉडी से पानी के रिसाव रोकने का कार्य करना और मालगाड़ियों के अन्य छोटे कार्यों के पुर्तता के साथ-साथ डिपो की आवश्यकता के अनुसार सिक लाइन और प्लैटफार्म पर सी एंड डब्ल्यू का काम करना तथा रोरो कार्य के लिए सी एंड डब्ल्यू कोलाड डिपो में जनशक्ति की आपूर्ति करना। **ई-निविदा सूचना क्रमांक: RN-M-E-67754 दिनांक- 12/09/2025. कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 41,83, 139/- जीएसटी छोड़कर। **ईएमडी:** रु. 83,700/- **वेबसाईट पर निविदा जमा करने की अंतिम तारीख और समय:** 06/10/2025 को 15:00 बजे तक। **निविदा खुलने की तारीख और समय:** 06/10/2025 को 15:30 बजने के बाद। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाईट www.ireps.gov.in पर संपर्क करें।

मुर्शिदाबाद : बम धमाके में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

कोलकाता। मुर्शिदाबाद जिले में हुए बम विस्फोट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार रात रानीनगर इलाके में हुई।

मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश कैफ गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली में बाहरी उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने सोमवार को कुख्यात बदमाश कैफ को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। कुख्यात बदमाश घायल भी हो गया है। पुलिस के अनुसार, शातिर बदमाश हत्या, हत्या के प्रयास और फिरौती जैसे संगीन मामलो में शामिल रहा है।

पेज 1 का शेष

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं...

धारा 3C(4), जिसके तहत राज्य सरकार वक्फ बोर्ड को अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर रिकॉर्ड सुधारने का आदेश देती, उस पर भी रोक लग गई। कोर्ट ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के अधिकार तय करने का अधिकार देना सत्ता के विभाजन (सेपरेशन ऑफ पावर्स) के सिद्धांत के खिलाफ है, क्योंकि कार्यपालिका को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता। बेंच ने साफ किया कि जब तक किसी संपत्ति का मालिकाना हक (title) वक्फ ट्रिब्यूनल (सेक्शन 83) से तय नहीं हो जाता और उस पर हाई कोर्ट में अपील की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक वक्फ का मालिकाना और उसके रिकॉर्ड से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। 5. वक्फ के रजिस्ट्रेशनः इस अनिवार्य प्रावधान में दखल देने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह कोई नया नियम नहीं है और पहले भी 1995 व 2013 के कानूनों में मौजूद था।

हिन्दी दिवस पर "स्याही का सिपाही" काव्य संग्रह का लोकार्पण

गांधीनगर। हिन्दी दिवस पर रविवार को गांधीनगर, गुजरात में पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी समारोह के दौरान कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सन्तोष कुमार झा के नवीनतम चौथे काव्य संग्रह 'स्याही का सिपाही' का भव्य लोकार्पण किया गया।

यह लोकार्पण भारत सरकार के केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं सांसद (राज्यसभा) दिनेश शर्मा के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की गरिमा में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या एवं विख्यात वैज्ञानिक व साहित्यकार डॉ. आनंद रंगनाथन की प्रेरणादायक उपस्थिति ने अभिवृद्धि की। काव्य संग्रह 'स्याही का सिपाही' में कवि झा द्वारा समाज के अंतर्द्वंद्व, व्यक्ति की भावनात्मक गहराई, सामाजिक विसंगतियों एवं समय के स्पंदनों को प्रभावशाली शैली में उकेरा गया है। यह संग्रह मानो एक सजग सिपाही

की भांति सच्चाई की चौकसी करता है, जो कविता को एक सामाजिक हथियार के रूप में प्रस्तुत करता है। सन्तोष कुमार झा की इससे पूर्व प्रकाशित चर्चित कृतियां- "उन्मुक्त", "सूरज का वारिस", एवं "फूल, कलम और बंदूक"- को भी पाठकों एवं समीक्षकों द्वारा सराहा गया है। 'स्याही का सिपाही' उनकी साहित्यिक यात्रा का एक नवीन और सशक्त पड़ाव है, जो हिन्दी कविता को एक नई दृष्टि प्रदान करता है। इस संग्रह का प्रकाशन "विजया बुक्स", दिल्ली द्वारा किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, साहित्यप्रेमियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने झा को इस काव्य संग्रह के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके साहित्यिक योगदान की सराहना की।

मोदी ने कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोलकाता में 16वीं कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (CCC) का उद्घाटन किया। कॉन्फ्रेंस सेना की पूर्वी कमान के हेडक्वार्टर फोर्ट विलियम कोलकाता में 15 से 17 सितंबर तक होगा। इस साल की थीम- 'ईयर ऑफ रिफॉर्म्स – भविष्य के लिए ट्रांसफॉर्मेशन' है। इस साल कॉन्फ्रेंस का 16वां संस्करण है। यह सेना का सबसे बड़ा विचार-विमर्श का मंच है। इसमें सेना के अधिकारी और सरकार के मंत्री देश की सुरक्षा और रणनीति पर चर्चा करते हैं। तीनों सेनाओं के प्रमुख इसमें शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, NSA अजित डोभाल, CDS जनरल अनिल चौहान और मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। पीएम मोदी रविवार शाम कोलकाता पहुंचे थे। पिछले एक महीने में यह उनका दूसरा बंगाल दौरा है।

अयोध्या में सड़कें तालाब बनीं, घरों में घुसा पानी

उत्तर प्रदेश। यूपी में मौसम ने फिर करवट ली है। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी समेत 10 शहरों में जोरदार बारिश हुई। अयोध्या में 3 घंटे की बारिश से सड़कें तालाब बन गईं। इस दौरान 100 से अधिक घरों में पानी घुस गया। अयोध्या एयरपोर्ट की छत टपक रही। पूर्वांचल के ज्यादातर जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने 35 जिलों में आज बारिश का अलर्ट जारी किया है। रविवार देर रात पानी और दलदल में फंसकर एक कार बीच में बंद हो गई। पुलिस ने रस्सी बांधकर कार को निकाला।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that my clients Mr. Mitesh P. Mistry and Mrs. Samira M. Mistry are purchasing Flat no. 103, Sutari Apartments, Juhu Gaothan no.2, CTS no. 364, Juhu Church, Juhu, Mumbai – 400 049 from the children and legal heirs being Mrs. Aliya Begam Sartaj Ahmed Siddique earlier known as Ms. Deepa Vedi Sharma and Mr. Akash Bedi Sharma of Late Mrs. Chanda Ved Sharma deceased on 13.08.2025 owner of the said flat who currently are in possession of the said flat. As such any/all person/s having or claiming any right, title, claim or interest in respect or objection of whatsoever nature in respect of the said flat or any part thereof whether by way of sale, ownership, transfer, exchange, charge, encumbrance, assignment, gift, tenancy, sub-tenancy, lease, sub-lease, possession, covenant, license, lien, inheritance, mortgage, possession, pledge, charge, trust, maintenance, donation, easement, lis pendens or under any decree, Order or Award passed by any Court, Tribunal (Revenue or Arbitral) or Authority or otherwise howsoever or otherwise however are hereby requested to make the same known in writing to the undersigned at his below mentioned address within a period of 7 days from the date of this instance Notice of his/her/its such claim, if any, alongwith all supporting documents duly certified in that regard, failing which the rights and title with respect to the said Flat no. 103, Sutari Apartments, Juhu Gaothan no.2, CTS no. 364, Juhu Church, Juhu, Mumbai – 400 049 shall be deemed to be clear, undisputed and unencumbered and the claim(s), if any, of such person / entity shall be treated as waived and/or not binding on my client and/or abandoned and my client shall proceed with the sale of the said flat as mentioned above.

Mumbai
Dated : 15.09.2025

Anees S. Kazi
Advocate
3, Silva Dwell, 447, Pitamber Lane, Near Canara Bank, Off. S. B. Cross Road, Mahim (W), Mumbai 400016

पनवेल महानगरपालिका
ता. पनवेल, जिल्हा - रायगड, पनवेल ४१०२०६

कार्यालय :-२७४५८०४०/४१/४२ | ई मेल:-panvelcorporation@gmail.com
अग्निशमनविभाग:- २७४६१५०० | फॅक्स नं.: ०२२-२७४५२२३३

अनु. क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव
१.	निविदा क्र./प.म.पा./अ.वि./२६२१/ प्र.क्र.१७/१६२५/२०२५	पनवेल महानगरपालिका अग्निशमन विभागातील कार्यरत सर्व कर्मचाऱ्यांना PPE किट खरेदी करणे कामी.

या ई-निविदेबाबतची विस्तृत माहिती शासनाच्या http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर दि. १६/०९/२०२५ ते दि. ०७/१०/२०२५ रोजी दुपारी ०३.०० वाजे पर्यंत उपलब्ध होईल. संबंधित निविदा धारकांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-
उप आयुक्त (I)
पनवेल महानगरपालिका

वसई - विरार शहर महानगरपालिका

वसई – विरार शहर महानगरपालिका
प्रभाग समिती 'सी' चंदनसार
ता. वसई, जि. पालघर, पिन ४०१ ३०५.

दूरध्वनी : ०२५०-२५२५१०५/०६/ २५२९८८८/२५२९८९०
फॅक्स : ०२५०-२५२५१०७.
ई-मेल : vasaivirarcorporation@yahoo.com
जावक क्र. : वविशम/बांध/शअ/७५५/२०२५
दिनांक : ११/०९/२०२५

सार्व. बांधकाम विभाग, मुख्यालय, विरार (पू.)

जाहिर ई निविदा सुचना

१. प्रभाग क्र. ०९ मध्ये गोसिया मस्जीद येथे शेडचे बांधकाम करणे.

वरील कामाचे कोरे निविदा फॉर्म https://mahatenders.gov.in या अधिकृत संकेतस्थळावर दि. २६/०९/२०२५ पासून उपलब्ध करणेत आले आहेत. जाहिर ई टेंडरींग बाबत अधिक माहितीसाठी ई-निविदा कक्ष, वसई विरार शहर महानगरपालिका, विरार (मुख्यालय) येथे संपर्क साधावा.

जा.क्र./व.वि.श.म./श.अ./७५५/२०२५
दिनांक : ११/९/२०१५

सही/-
(प्रदीप पाचंगे)
प्र. शहर अभियंता
वसई विरार शहर महानगरपालिका

Please visit our official web-site
https://mahatenders.gov.in

पत्नी के आशिकों के सामने कराया गंदा काम

महानगर नेटवर्क

तिरुअनंतपुरम

एक शख्स ने पत्नी के दो कथित आशिकों को घर बुलाकर बुरी तरह से प्रताड़ित किया। यहां तक कि एक के निजी अंगों को सिल दिया गया। खास बात है कि इस जघन्य अपराध में आरोपी की पत्नी भी उसका बराबर से साथ दे रही थी, जो कथित तौर पर युवकों से संबंध रखती थी। मामला केरल का है। पुलिस ने पति-पत्नी को दो युवकों को बहलाकर बुलाकर चोरी और प्रताड़ित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

कैसे हुआ खुलासा

29 साल के एक शख्स ने आरोप लगाए थे कि उसके साथ प्रेमिका के

परिजनों ने मारपीट की है। जब पुलिस को उसके बयानों पर शक हुआ, तो आगे जांच की गई और पता चला कि इस कांड के पीछे एक कपल है। पुलिस ने कहा कि कथित तौर पर प्रताड़ित करने के बाद कपल ने पीड़ित से कहानी बनाने के लिए कहा था कि उसे प्रेमिका के परिवार ने पीटा है।

जयेश ने पकड़ ली थी रेश्मि की चैट

पुलिस ने अरणमुला इलाके से 30 साल के मलयिल वीतिल जयेश और 25 साल की रेश्मि को गिरफ्तार किया है। पुलिस को पता चला है कि एक और 19 साल का पीड़ित भी है। पुलिस का कहना है कि दोनों युवक बेंगलुरु में जयेश के साथ काम कर चुके हैं। वह रेश्मि को भी जानते थे। पुलिस का दावा है कि रेश्मि के दोनों युवकों से संबंध थे और जयेश को उनकी चैट मिल गई थीं।

पत्नी को भी कांड में मिलाया

अखबार से बातचीत में पुलिस ने कहा कि चैट देखकर भड़के जयेश ने दोनों युवकों से बदला लेने का प्लान बनाया और पत्नी को भी शामिल कर लिया।

मुंबई में बनारस फेस्टिवल

बनारस आकर फेस्टिवल में शामिल होऊंगा : शेलार

मुंबई। ऐतिहासिक फिरोज़शाह मेहता सभागार में शनिवार को आयोजित बनारस लिटरेचर फेस्टिवल साहित्य और संस्कृति का ऐसा संगम बन गया, जिसने मुंबई की बरसात भरी शाम को यादगार बना दिया। नव भारत निर्माण समिति और मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन ने यह साबित किया कि साहित्य और कला की चर्चा आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पहले थी। लगातार हो रही बारिश के बावजूद सभागार में जगह-जगह खड़े होकर लोग कार्यक्रम सुनते रहे।

शुरुआत महाराष्ट्र सरकार के आईटी एवं संस्कृति मंत्री आशिष शेलार के आगमन से हुई। उन्होंने मंच से कहा कि बनारस की साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा पूरे विश्व के लिए प्रेरणा है और इस तरह के आयोजनों से यह संदेश और दूर तक पहुँचता है। उन्होंने वादा किया कि आने वाले सत्रों में वे स्वयं बनारस जाकर इस उत्सव का हिस्सा बनेंगे। उनके इस वक्तव्य ने आयोजन की गंभीरता और महत्व को और बढ़ा दिया।

मंच पर इसके बाद साहित्य और समाज के रिश्ते पर विमर्श हुआ। लेखिका मंजू लोढ़ा और गीता सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य केवल पढ़ने-सुनने की वस्तु नहीं है, बल्कि यह समाज की आत्मा को समझने का माध्यम है। महिला लेखन की बढ़ती उपस्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह समय महिलाओं के अनुभवों और दृष्टिकोण को मुख्यधारा में लाने का है। उनकी बातें श्रोताओं ने ध्यान से सुनीं और कई युवा छात्राओं ने इस पर सवाल भी किए।

दोपहर का एक अहम हिस्सा राही मासूम रज़ा की जन्मशती पर आयोजित परिचर्चा रहा। हिंदी साहित्य के वरिष्ठ कथाकार और पूर्व पुलिस अधिकारी विभूति नारायण राय तथा विद्वान डॉ. रविन्द्र कात्यान ने रज़ा के लेखन पर अपने विचार साझा किए। संचालन आसिफ़ आज़मी ने किया। वक्ताओं ने कहा कि “आधा गाँव” और “नीम का पेड़” जैसे उपन्यास केवल कथाएँ नहीं हैं, बल्कि भारतीय समाज की बनावट और टूटन को समझने का दस्तावेज़ भी हैं। रज़ा के लेखन में गाँव, जाति, भाषा और राजनीति की परतें इतनी बारीकी से आती हैं कि उन्हें पढ़े बिना उत्तर भारत के सामाजिक इतिहास को समझना अधूरा है।

शाम होते-होते माहौल कविताओं और ग़ज़लों से और रंगीन हो गया। गोरखपुर की युवा कवयित्री आकृति विज्ञा अर्पण ने पूरे सत्र का संचालन किया और वरिष्ठ शायर दीक्षित दनकौरी उसकी अध्यक्षता कर रहे थे। मंच पर मदन मोहन दानिश, असलम हसन, श्लेष गौतम, संतोष सिंह, दानबहादुर सिंह और अभिषेक तिवारी जैसे कवियों ने अपनी-अपनी कविताएँ और ग़ज़लें सुनाईं। आकृति की कविता “सुनो बसंती हील उतारो” ने दर्शकों को गहरी संवेदनाओं से जोड़ा, जबकि दनकौरी की ग़ज़ल “मिट्टी” ने समकालीन समाज के सवालों को सहज भाषा में सामने रखा।

इसी सत्र के दौरान युवा कवि संतोष सिंह के कविता संग्रह “तो क्या होगा” का लोकार्पण भी हुआ। लोकार्पण के अवसर पर साहित्यकार आलोक श्रीवास्तव और आलोचक ओबेद आज़म आज़मी ने कहा कि साहित्य का अर्थ केवल कलात्मकता नहीं है, बल्कि यह समाज में संवाद और चेतना पैदा करने की जिम्मेदारी भी निभाता है।

कार्यक्रम में नव भारत निर्माण समिति के सचिव और बनारस लिट फेस्ट के संस्थापक बृजेश सिंह का संबोधन भी विशेष रहा। उन्होंने कहा कि काशी का अध्यात्म और सांस्कृतिक संदेश तथा महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा का संगम बहुत प्राचीन है। यह केवल दो प्रदेशों का मेल नहीं, बल्कि पूरे भारतीय सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई और बनारस जैसे शहरों को जोड़ने वाले इस तरह के आयोजन आने वाली पीढ़ियों के लिए नए रास्ते खोलते हैं।

रात का अंतिम सत्र संगीत और स्वर को समर्पित था। बनारस से आए कलाकार सतीश मिश्रा और संजय सिंह ने अपनी गायकी से पूरे माहौल को आत्मीय बना दिया। उनकी आवाज़ में बनारस की ठाठ और ठुमरी का स्वाद भी था और शास्त्रीय परंपरा की गहराई भी। श्रोताओं ने देर तक तालियाँ बजाईं और कई लोग बार-बार उनसे दोहराने की गुज़ारिश करते रहे। इसके साथ ही संगीतकार दिलीप सेन, सुप्रसिद्ध गायिका दीपा नारायण और नृत्यांगना सोमंका भट्टाचार्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को प्रभावित किया। दीपा नारायण की मधुर आवाज़ और सोमंका की नृत्य प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और रंगीन बना दिया।

यह पूरा आयोजन केवल साहित्यिक अभिरुचि का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संगम था जिसमें कविता, ग़ज़ल, संगीत और विमर्श—सभी का स्थान बराबर था। श्रोताओं की भारी उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि मुंबई जैसे महानगर में भी साहित्य और संस्कृति के लिए लोगों की भूख उतनी ही गहरी है जितनी छोटे शहरों और कस्बों में। बनारस लिटरेचर फेस्टिवल का यह मुंबई सत्र इस संदेश के साथ समाप्त हुआ कि साहित्य, कला और संस्कृति की धारा कहीं भी जाए, वह लोगों को जोड़ने का कार्य करती है। मंत्री अशोक शेलार का यह आश्वासन कि वे अगले वर्ष बनारस आकर इस उत्सव में भाग लेंगे, आयोजन की गरिमा को और बढ़ा गया। आयोजकों का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम आने वाले समय में देश के विभिन्न हिस्सों को और निकट लाने में सहायक होंगे। मुंबई की इस शाम ने यह दिखाया कि बनारस लिटरेचर फेस्टिवल अब केवल बनारस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के अलग-अलग हिस्सों में संवाद और सहभागिता का सेतु बनने की ओर अग्रसर है।

बच्चों का दादा-दादी के साथ समय बिताना क्यों जरूरी है?

जानें

बिजी शेड्यूल और लाइफस्टाइल के चलते इन दिनों बच्चे अपने पेरेंट्स और दादा-दादी के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाते हैं। अपनी पढ़ाई, खेल कूद की एक्टिविटीज और गैजेट्स में बच्चे बहुत ज्यादा बिजी रहते हैं। लेकिन बच्चों का दादा-दादी के साथ समय बितना बहुत ही जरूरी है। उनके लाइफ एक्सपीरियंस से बच्चे बहुत कुछ सीख पाते हैं। उनके कल्चर वैल्यू सीखते हैं। ये चीज उनकी पर्सनालिटी में भी निखार लाती हैं। ये चीजें लाइफ में ग्रो करने के लिए भी काम आती हैं। आइए अन्य कारण भी जानें कि बच्चों को अपने दादा-दादी के साथ समय क्यों बिताना चाहिए।

रीति-रिवाज

दादा-दादी के साथ रहकर बच्चे अपने परिवार के बारे में जान पाते हैं। अपने रीति-रिवाज और कलचर के बारे में जान पाते हैं। इस चीज की पेरेंट्स को भी उतनी जानकारी नहीं होती जितनी उनकी दादा-दादी को होती है। दादी-दादी के साथ रहकर बच्चे त्योहारों को मनाने के तरीके और रिश्तेदारों के बारे में जान पाते हैं।

संस्कार

दादा-दादी से बच्चे संस्कार भी सीखते हैं। जैसे बड़ों के पैर छूना, नमस्ते करना, नियमित भगवान की प्रार्थना करना। ये सारी चीजें भी बच्चे अपने दादा-दादी से सीखते हैं। बच्चे अपने संस्कारों और परंपराओं की नींव को समझ पाते हैं।

कहानियां

शायद ही बहुत कम बच्चे होंगे जिन्होंने अपने दादा-दादी से कहानियां नहीं सुनी होगीं। बच्चों को दादा-दादी से जो कहानी और कविताएं सुनाते हैं वो भी बच्चों की पर्सनालिटी पर प्रभाव डालते हैं। इससे बच्चों को नैतिक शिक्षा मिलती है।

बातें शेयर करते हैं

कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें बच्चें अपने पेरेंट्स को नहीं बता पाते हैं। लेकिन अपने दादा-दादी को वो बातें बताने में हिचकिचाते नहीं है। अपनी बातों को उनसे शेयर कर पाते हैं। ये चीज उन्हें किसी भी मुश्किल स्थिति से निकालने में भी मदद करती है। इससे बच्चे कोई भी चीज बड़े सोच समझकर करते हैं। इससे बच्चे अपनी बात भी शेयर कर पाते हैं और तनाव में भी नहीं रहते हैं।

अकेलापन दूर होता है

जब बच्चे दादा-दादी के साथ समय बिताते हैं। उनसे बातें शेयर करते हैं तो उनका अकेलापन दूर होता है। बच्चे गुम सुम नहीं रहते हैं। वे इमोशनली स्ट्रांग बनते हैं। उनके व्यावहार में पॉजिटिव बदलाव आते हैं। पेरेंट्स कई बार बिजी शेड्यूल के चलते बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे में दादा-दादी के साथ ये कमी पूरी कर देता है।

श्राद्ध पक्ष में कैसे करें दशमी तिथि का श्राद्ध

श्राद्ध पक्ष हिन्दू धर्म में एक अत्यंत पवित्र काल होता है, जब हम अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और आशीर्वाद के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। यह समय अत्यंत श्रद्धा और संयम से जीने का होता है। इस दिन शुक्ल पक्ष या कृष्ण पक्ष दोनों ही पक्षों की दशमी तिथि का श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध पक्ष में दशमी का श्राद्ध उन पितरों के लिए किया जाता है जिनका देहावसान किसी भी माह की दशमी तिथि को हुआ हो। इस श्राद्ध को 'दशमी श्राद्ध' भी कहते हैं। इस दिन विधि-विधान से श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और वे प्रसन्न होकर परिवार को सुख-समृद्धि, सफलता और वंश वृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

दशमी श्राद्ध मंगलवार, सितंबर 16, 2025 को

दशमी श्राद्ध 2025 की तिथि और मुहूर्त

तिथि : 16 सितंबर 2025, मंगलवार

दशमी तिथि प्रारम्भ– 16 सितंबर 2025 को 01:31 ए एम बजे

दशमी तिथि समाप्त– 17 सितंबर 2025 को 12:21 ए एम बजे

दशमी श्राद्ध अनुष्ठान समय

कुतुप मुहूर्त – 12:09 पी एम से 12:58 पी एम

अवधि – 00 घण्टे 49 मिनट्स

रौहिण मुहूर्त – 12:58 पी एम से 01:47 पी एम

अवधि – 00 घण्टे 49 मिनट्स

अपराह्न काल – 01:47 पी एम से 04:13 पी एम

अवधि – 02 घण्टे 27 मिनट्स

दशमी श्राद्ध करने की विधि :

1. **शुद्धिकरण :** सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। घर की साफ-सफाई करें और पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव करके उसे पवित्र करें।

2. **तर्पण :** दक्षिण दिशा की ओर मुख करके बैठें। तांबे के बर्तन में जल, दूध, जौ, चावल, सफेद फूल और काले तिल मिलाकर तर्पण करें।

3. **पिंडदान :** पितरों के लिए आटे और चावल से बने पिंडों को तैयार करें और उन्हें श्रद्धापूर्वक अर्पित करें।

4. **भोजन :** पितरों के लिए उनकी पसंद का सात्विक भोजन (जैसे खीर, पूड़ी, सब्जियां) बनाएं। ध्यान रखें कि भोजन में प्याज और लहसुन का प्रयोग न हो।

5. **पंचबलि :** भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवा, कुत्ता, चींटी और देवता के लिए अलग निकालें।

6. **ब्राह्मण भोजन :** कुतुप मुहूर्त में किसी योग्य ब्राह्मण को घर पर बुलाकर भोजन कराएं और उन्हें सामर्थ्य के अनुसार दान-दक्षिणा और वस्त्र देकर आदरपूर्वक विदा करें।

7. **प्रार्थना :** शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे एक दीपक जलाकर पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें।

सावधानियां :

श्राद्ध कर्म करते समय लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

सोने, चांदी, तांबे या कांसे के बर्तनों का उपयोग करना शुभ माना जाता है।

घर में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहिए। किसी से भी झगड़ा या बहस करने से बचें।

बरसात के मौसम में घाव ठीक करने के लिए असरदार हैं ये घरेलू उपचार

बारिश के मौसम में घाव ठीक होने में ज्यादा समय लगता है और इंफेक्शन फैलने का डर भी रहता है। घाव न भरने के पीछे 2 सबसे बड़े कारण होते हैं, पहला डायबिटीज होना और दूसरा इंफेक्शन। डायबिटीज से पीड़ित मरीज के घाव जल्दी नहीं भरते हैं। वहीं इंफेक्शन के कारण भी बरसात के मौसम में घाव नहीं भरते हैं और इंफेक्शन हो जाता है। यहां हम आपको बरसाती घाव को ठीक करने का इलाज बता रहे हैं। जिसे अपनाकर आप इंफेक्शन से बच सकते हैं और जल्द ही घाव भी भर जाएगा।

चोट के घाव पर क्या लगाएं?

बरसात के मौसम में घाव हो जाने पर आप इसमें करी पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। करी पत्ते में एंटीएलर्जिक, एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ऐसे में करी पत्ते का पेस्ट घाव में होने वाली जलन और इंफेक्शन को रोकता है और सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए आप करी पत्ता में नारियल का तेल मिलाकर पीसें और पेस्ट को घाव पर लगाएं। आप करी पत्ता खा भी सकते हैं।

बरसात के मौसम में होने वाले घाव से राहत पाने और संक्रमण रोकने के लिए शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। शहद में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो इंफेक्शन को रोकने का काम करेंगे। 1 चम्मच शहद को आप रोजाना खाएं, इससे लाभ मिलेगा।

कदंब के पत्तों में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो घाव को हील करने में मदद करते हैं। कदंब के पत्ते या इसकी छाल को पीसकर घाव पर लगाएं, ये लेप बैक्टीरिया को मारेगा और घाव हील करने में मदद करेगा। एलोवेरा जैल घाव पर लगाने से इंफेक्शन होने का डर कम हो जाता है। इसके लिए आप एलोवेरा की पत्तियां लें और इसमें से जैल निकालकर घाव पर लगाएं। सूख जाने पर इसे साफ पानी से धोएं। घाव पर नारियल का तेल भी बहुत लाभदायक होता है। यह चोट के दाग धब्बों के निशान कम करता है। इसके लिए आप चोट वाली जगह पर नारियल का तेल लगाएं और फिर सूती के कपड़े से इसे ढक दें।

मानसून में कमजोर इम्युनिटी का शिकार बन जाते हैं बच्चे

बच्चों की इम्युनिटी बड़ों के मुकाबले थोड़ी कमजोर होती है। मौसम में जरा भी नमी के बीच छोटे बच्चे जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। इम्युन सिस्टम के कमजोर होने की वजह से बच्चे आसानी से सर्दी-जुकाम की चपेट में आ जाते हैं। सर्दी-खांसी धीरे-धीरे वायरल में बदल जाती हैं और इस दौरान बच्चों को बुखार तक चढ़ जाता है। तबीयत खराब होने की सिचुएशन में डॉक्टर के पास जाना बेस्ट है, लेकिन आप कुछ घरेलू तरीकों से भी बच्चों का इलाज कर सकते हैं। आयुर्वेद में कई ऐसे नुस्खे या इलाज बताए गए हैं जिन्हें अपनाना आसान है। खास बात है कि अगर इन्हें सही तरीके से अपनाया जाए तो इनके कोई नुकसान भी नहीं है। ये आयुर्वेदिक नुस्खे चुटकियों में बच्चों की इम्युनिटी को बूस्ट करने का काम करते हैं। बच्चे को दवाओं से दूर रखना है तो इन घरेलू उपायों या देसी इलाजों से उसके इम्युन सिस्टम को बूस्ट करें।

ये नुस्खे आएंगे काम

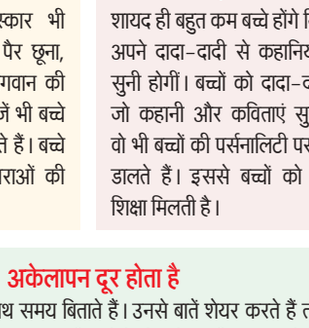

हल्दी का नुस्खा

औषधीय गुणों वाली हल्दी को आयुर्वेद ही नहीं एलोपैथी में भी महत्वपूर्ण बताया गया है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो शरीर की कई समस्याओं को दूर करने में सक्षम होते हैं। अगर आपका बच्चा 3 साल से ऊपर का है तो आप उसे बीमार पड़ने पर हल्दी वाला गुनगुना पानी पीला सकते हैं। गले में खराश या जुकाम की प्रॉब्लम ये नुस्खे से दूर हो सकती है।

नारियल पानी पिलाएं

इम्युनिटी के डाउन होने पर बॉडी में एनर्जी भी कम हो जाती है। बच्चों की एनर्जी डाउन होने पर उन्हें नारियल पानी पिलाएं। इसमें इलेक्ट्रोल की संख्या ज्यादा होती है। साथ ही ये स्वादिष्ट भी होता है इसलिए बच्चे इसे शौक से पी लेते हैं।

दही खिलाएं

पेरेंट्स में ये कंफ्यूजन रहती है कि बच्चों को मानसून में दही खिलाना चाहिए या नहीं। बीमार पड़ने इंडियन पेरेंट्स दही जैसी चीजों को खिलाना तुरंत बंद कर देते हैं। हालांकि डॉक्टर भी बच्चों को दही खिलाने की सलाह देते हैं क्योंकि इसमें ऐसे तत्व होते हैं जो इम्युन सिस्टम को बूस्ट कर सकते हैं।

खट्टे फल या चीजें

विटामिन सी वाली चीजें इम्युनिटी को बूस्ट करने काम करती हैं। विटामिन सी इम्युनिटी को बूस्ट करने का काम करता है। अपने बच्चे को नींबू, कीवी, बेरीज जैसी चीजें आप खिला सकते हैं। वैसे कई दूसरी चीजें हैं जिनमें विटामिन सी काफी होता है।

बरसात में ऐसे रखें नाखूनों का खास ख्याल

बरसात के मौसम में इनका खास ख्याल रखना पड़ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बदलते मौसम के कारण ये कमजोर हो जाते हैं और इस वजह से टूटने लगते हैं। इसलिए उनकी देखभाल के लिए भी समय निकालें। इसके लिए आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना होगा, ताकि नाखूनों को साफ और सुंदर रखा जा सके।

☛ नाखून साफ रखें

कई बार ऐसा होता है कि हमारे पास समय कम होता है। इस वजह से हम नाखूनों में जमा होने वाली गंदगी को साफ नहीं कर पाते हैं। लेकिन अगर आप अपने नाखूनों को मजबूत और खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो इसके लिए उन्हें साफ रखें। इसके लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे नाखून अच्छे से साफ हो जाते हैं।

☛ नाखूनों को फाइल करें

अगर नाखून ज्यादा बड़े हो जाएं तो वे कमजोर होने लगते हैं, ऐसे में आपको उन्हें समय-समय पर आकार देते रहना चाहिए। इससे वे अच्छे आकार में बढ़ते हैं और खूबसूरत भी दिखते हैं। इसके लिए आप नेल फाइलर का इस्तेमाल कर सकती हैं और इन्हें अच्छे से फाइल करके आकार दे सकती हैं। आप चाहें तो पार्लर जाकर इनका आकार बना सकती हैं।

क्या आप जानते हैं रात में क्यों नहीं खाना चाहिए खीरा ?

खीरे में पानी की अच्छी मात्रा होती है, यही वजह है कि रोजाना इसे खाने की सलाह दी जाती है। एक्सपर्ट्स की मानें तो शरीर को हाइड्रेट करने के लिए खीरा खाना चाहिए। विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन के, पोटेशियम और कॉपर से भरपूर खीरा न केवल आपको हाइड्रेटेड रखेगा बल्कि पोषक तत्वों की कमी से बचाने और कई बीमारियों के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खीरा खाने के भी कई नुकसान हो सकते हैं। इसी के साथ क्या आप जानते हैं कि रात में खीरा क्यों नहीं खाना चाहिए? नहीं, तो इस आर्टिकल में जानिए-

हैरान कर देगी वजह

खीरा खाने के साइड इफेक्ट्स

1) पाचन में समस्या - रिपोर्ट्स की मानें तो खीरा पाचन और कब्ज में मदद करता है। हालांकि, कई बार इसकी वजह से गैस भी हो सकती है। खीरे में कुकुर्बिटासिन होता है। कुकुर्बिटासिन के कारण खीरे में कड़वा स्वाद होता है, जो गैस और अपच का कारण बनता है। अगर आप बहुत ज्यादा खीरा खाते हैं तो ये समस्या हो सकती है।

2) साइनसाइटिस हो सकता है ट्रिगर - साइनस संक्रमण जिसे साइनसाइटिस भी कहा जाता है, तब होता है जब आपके नाक मार्ग में सूजन और संक्रमण होता है। अगर आपको ये समस्या है तो अच्छा रहेगा कि आप इससे दूरी बना लें।

3) लिक्विड फ्लूयड का स्राव- खीरा पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, लेकिन इसे सोच-समझकर खाना चाहिए। क्योंकि यह आपके इलेक्ट्रोलाइटिक संतुलन को नुकसान पहुंचा सकता है, ज्यादा खीरा खाने से डिहाइड्रेशन हो सकता है।

रात में क्यों ना खाएं खीरा?

रिपोर्ट की मानें तो खीरा खाने का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है। वहीं दिन में भी आप इसे खा सकते हैं। हालांकि, रात को बिस्तर पर जाने से ठीक पहले खीरा खाने से बचना चाहिए। दरअसल, खीरे में पानी की अच्छी मात्रा होती है, ऐसे में रात के समय पर इसे खाने से आपकी स्लीप साइकिल खराब हो सकती है।

भारत के सिराज बने 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ'

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को ICC ने अगस्त महीने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना है। सिराज को यह सम्मान इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ इस निर्णायक टेस्ट मैच में मैच में कुल नौ विकेट झटके। खासतौर पर अंतिम दिन उन्होंने तीन अहम विकेट लेकर इंग्लैंड को सिर्फ छह रन से हराने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को रिटेन किया।

अवॉर्ड जीतने के बाद सिराज का बयान

पुरस्कार मिलने पर सिराज ने खुशी जताते हुए कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए विशेष सम्मान है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी एक यादगार सीरीज रही। इंग्लैंड में उनकी मजबूत बल्लेबाजी के खिलाफ गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया।'

इंग्लैंड दौरे पर सिराज का प्रदर्शन

इंग्लैंड दौरे पर सिराज भारत की ओर से पांचों टेस्ट खेलने वाले इकलौते गेंदबाज रहे थे। उन्होंने पांच टेस्ट में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए थे। उन्होंने सबसे ज्यादा 185.3 ओवर गेंदबाजी भी की थी और कुल 1113 गेंदें फेंकी थीं। उन्होंने इस दौरान दो बार पारी में पांच विकेट लिए। 70 रन देकर छह विकेट, इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा।

महिला क्रिकेट में प्रेंडरगास्ट का जलवा

महिला क्रिकेट में यह सम्मान आयरलैंड की ऑर्ला प्रेंडरगास्ट को मिला। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था। इस सीरीज में उन्होंने 144 रन बनाए और चार विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप यूरोप क्वालिफायर में 244 रन बनाए और सात विकेट भी हासिल किए। प्रेंडरगास्ट ने यह अवार्ड पाकिस्तान की विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली और नीदरलैंड की तेज गेंदबाज आइरिस ज़िवलिंग को पछाड़कर जीता।

हैंडशेक विवाद : पाक की शिकायत पर BCCI का रिएक्शन, कोई मैसेज नहीं आया!

नई दिल्ली। 14 सितंबर को एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया था। मुकाबला समाप्त होने के बाद टीम इंडिया के प्लेयर्स ने पाकिस्तान टीम के साथ हाथ नहीं मिलाया था। बाद में खबर आई कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने एशियाई क्रिकेट काउंसिल से इस घटना की शिकायत कर दी है। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि BCCI के पास ऐसी किसी शिकायत का नोटिस आया ही नहीं है। पहले न्यूज एजेंसी पीटीआई ने रिपोर्ट करके बताया था कि पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट काउंसिल में शिकायत दर्ज कारवाई है। अब टाइम्स नाउ के हवाले से बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया है कि एशियाई क्रिकेट काउंसिल ने बीसीसीआई को ऐसी किसी शिकायत का नोटिस नहीं भेजा है। ना ही हैंडशेक विवाद और ना ही दरवाजा बंद करने को लेकर शिकायत का मैसेज आया है।

मैच से पहले ही शुरू हो गया था विवाद

मैच के बाद हैंडशेक ना होने पर जमकर बहस छिड़ी है, लेकिन विवाद मुकाबले से पहले ही शुरू हो गया था। दरअसल टॉस के समय आमतौर पर दोनों कप्तान हाथ मिलाते हैं, लेकिन सूर्यकुमार यादव और सलमान आगा ने हाथ मिलाना तो दूर, एक-दूसरे की तरफ देखा तक नहीं। वहीं जब सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे, पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में चले गए तो मामले ने तूल पकड़ा।

गौरतलब हो कि पाकिस्तानी टीम के मैनेजर नवीद अख्तर चीमा ने भारतीय टीम के अनुचित व्यवहार के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराया था। चीमा ने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के खिलाफ भी आधिकारिक विरोध दर्ज कराया। हालांकि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के नियमों में कहीं इस बात का जिक्र नहीं है कि हैंडशेक करना जरूरी है। ऐसे में चेतावनी, जुर्माना या मैच बैन की बात करना जायज नहीं होगा। बता दें कि मैच के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि, 'हमारी सरकार और BCCI एकमत हैं। हम यहां सिर्फ मैच खेलने आए थे और लगता है कि हमने बिल्कुल सही जवाब दिया है। खेल भावना के अलावा भी जीवन में कुछ चीजें होती हैं। हम पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए सभी लोग और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं। मैं इस जीत को उन सभी भारतीय जवानों को समर्पित करना चाहता हूं, जो ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा रहे।'

प्वॉइंट्स टेबल में भारत को नुकसान

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 का सबसे हाईवोल्टेज मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए पाकिस्तान को 7 विकेट से मात दी. यह जीत भारतीय टीम की इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत थी। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सुपर-4 का टिकट लगभग पक्का कर लिया है। हालांकि, दमदार प्रदर्शन के बावजूद टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा और टीम को प्वॉइंट्स टेबल में नुकसान झेलना पड़ा है।

भारत को लगा झटका

ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई की टीमें शामिल हैं। टीम इंडिया ने अपने शुरुआती दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज कर 4 अंक जुटा लिए हैं और टेबल में टॉप पर बनी हुई है, लेकिन नेट रन रेट (NRR) के मामले में गिरावट देखने को मिली है. भारत ने यूएई के खिलाफ पावरप्ले में ही मैच खत्म कर दिया था, जिसके बाद भारत का नेट रन रेट 10.483 तक पहुंच गया था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ 128 रन का लक्ष्य 15.5 ओवर में हासिल करने के चलते अब टीम इंडिया का नेट रन रेट घटकर 4.793 रह गया है।

पाकिस्तान भी रैंकिंग में फिसला

पाकिस्तान की टीम को इस टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच में मिली पहली हार का सामना करना पड़ा, जिसके चलते वह ग्रुप-ए की प्वॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर बनी हुई है. दो मैचों के बाद उसके 2 अंक हैं, लेकिन इस हार का सीधा असर उसके नेट रन रेट पर पड़ा है. पाकिस्तान का NRR पहले 4.650 था, जो अब गिरकर केवल 1.649 रह गया है. वहीं, ओमान और यूएई की टीमें अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हार चुकी हैं, जिस कारण अभी तक उनको कोई अंक नही मिला है.

ग्रुप-बी में अफगानिस्तान आगे

अगर ग्रुप-बी पर नजर डालें तो अफगानिस्तान की टीम सबसे आगे है. उसने एक मैच खेला है और उसमें जीत दर्ज कर 2 अंक जुटाए हैं. उसका नेट रन रेट 4.700 है, जिसकी वजह से वह टेबल में टॉप पर है. श्रीलंका ने भी एक मैच जीता है और उसके भी 2 अंक हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलना चाहते थे भारतीय खिलाड़ी : सुरेश रैना

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का मुकाबला रविवार को खेला गया, लेकिन मैच कई अन्य वजहों से चर्चा में है। टीम इंडिया के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि कोई भी भारतीय खिलाड़ी इस मैच को खेलना नहीं चाहता था।

रैना ने एक बातचीत में कहा, 'मैं एक चीज पक्के तौर पर जानता हूं कि अगर आप खिलाड़ियों से व्यक्तिगत राय पूछेंगे तो कोई भी एशिया कप में खेलना नहीं चाहता था। खिलाड़ी मजबूरी में खेले क्योंकि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का फैसला ले लिया था। मुझे अफसोस है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ खेला। अगर कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम से राय ली जाती तो वे न कहते। कोई खेलना नहीं चाहता था।' इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया, लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था बल्कि टीम इंडिया ने इसे पहले से प्लान किया था। पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ियों को यह फैसला हैरान कर गया। यह मैच ऐसे समय में खेला गया जब दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसके बाद मई में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था और कई आतंकियों को मार गिराया था। इन घटनाओं के बाद इस मैच के आयोजन को लेकर भी सवाल उठे और कई लोगों ने बहिष्कार की मांग की।

पहली बॉल से शाहिद अफरीदी बनना छोड़ दो : शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने दुबई के मैदान पर पाकिस्तान को धो डाला। एशिया कप 2025 के छठे मुकाबले में भारतीय टीम ने पड़ोसी मुल्क को 7 विकेट से धूल चटाई। पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने आसानी से इंडियन बॉलर्स के आगे घुटने टेक दिए। इसके बाद गेंदबाजों ने भी नाक कटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी तिलमिलाए हुए हैं और अपनी ही टीम को जमकर लताड़ लगा रहे हैं। इसी कड़ी में अब पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का भी बयान सामने आया है। अफरीदी ने टीम के बल्लेबाजों की जमकर क्लास लगाई है।

शाहिद अफरीदी ने समा टीवी के साथ बातचीत करते हुए कहा, "इन बल्लेबाजों को मैच जीतने के लिए हर हाल में रन बनाने होंगे। सैम अयूब को अपना दिमाग ठंडा रखने की जरूरत है उनको कहिए अपना दिमाग कूल रखें। कंडिशंस को देखिए, पिच को देखिए, पहली बॉल खेलिए। आप मैच की फर्स्ट बॉल से ही शाहिद अफरीदी बनने की कोशिश कर रहे हैं।" अफरीदी ने टीम के बॉलर्स को भी आड़े हाथों लिया। पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर ने कहा, "मुख्य गेंदबाज को आराम दे दिया गया। इस तरह का बॉलिंग अटैक भारत के खिलाफ काम नहीं करेगा। इस समय पर टीम में एक भी ऐसा बल्लेबाज मौजूद नहीं है, जो जीत दिला सके।" दुबई के मैदान पर पाकिस्तान ने टीम इंडिया के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, मैच की पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या ने सैम अयूब को पवेलियन की राह दिखा दी।

मोहम्मद हारिस को अगले ओवर में बुमराह ने चलता कर दिया। इसके बाद कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल की तिकड़ी ने मिलकर पड़ोसी मुल्क के बैटिंग ऑर्डर को तहस-नहस कर डाला।

पाकिस्तान क्रिकेट में उथल-पुथल, निदेशक वाहला निलंबित

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान मैच में 'हैंडशेक विवाद' गरमाता जा रहा है. अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट संचालन निदेशक उस्मान वाहला को निलंबित कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का आरोप है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैच में हाथ मिलाने वाले विवाद पर कोई कार्यवाई नहीं की है। पाकिस्तानी बोर्ड ने सोमवार को भारत-पाकिस्तान मुकाबले के मैच रेफरी रहे एंडी पायक्रॉफ्ट पर आरोप लगाए थे कि उन्होंने सलमान आगा से कहा था कि वो भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से टॉस के समय हाथ ना मिलाएं।

भारतीय टीम द्वारा हाथ ना मिलाने और मैच रेफरी के आचरण पर औपचारिक प्रतिक्रिया देने में देरी कीव अजह से उस्मान वाहला को निलंबित किया गया है। पीसीबी ने एशियाई क्रिकेट काउंसिल (ACC) में दर्ज की शिकायत में ICC और MCC के नियमों का उल्लंघन करने के लिए एंडी पायक्रॉफ्ट को एशिया कप की मैच रेफरी पेनल लिस्ट से तत्काल प्रभाव से हटाए जाने की मांग की थी।

कप्तान सूर्यकुमार ने सिक्स लगाकर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित की. इसके बाद सूर्यकुमार यादाव और शिवम दुबे पाकिस्तान टीम से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में चले गए थे। पाक टीम मैदान पर इंतजार कर रही थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी और स्टाफ मेंबर्स ड्रेसिंग रूम में चले गए और दरवाजा बंद कर लिया. ऐसा लगा जैसे पाकिस्तान टीम इस घटना पर शर्मिंदगी महसूस कर रहे थे, शायद इसी कारण पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नहीं आए।

एक साल के अंदर तीन फाइनल खेलने वाले कप्तान रजत

नई दिल्ली। बतौर कप्तान रजत पाटीदार का एक साल के अंदर यह तीसरा फाइनल मुकाबला था। इससे पहले उनके नेतृत्व में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। उससे पहले पाटीदार के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की टीम ने 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला था, जिसमें टीम को महाराष्ट्र के हाथों शिकस्त मिली थी।

मध्य क्षेत्र की जीत के साथ दलीप ट्रॉफी 2025 का समापन हो गया। सोमवार को रजत पाटीदार के नेतृत्व में मध्य ने फाइनल मुकाबले में दक्षिण को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। बता दें कि, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मोहम्मद अजहरुद्दीन की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र की टीम ने पहली पारी में 149 रन बनाए। जवाब में मध्य क्षेत्र ने 511 रन बनाए और 362 रनों की बढ़त हासिल की। दक्षिण क्षेत्र की दूसरी पारी 426 रन पर समाप्त हुई और उन्होंने मध्य क्षेत्र के सामने 64 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे टीम ने थोड़ी कठिनाई के बावजूद हासिल कर लिया।

एक साल के भीतर खेले तीन फाइनल, दो खिताब जीते बतौर कप्तान रजत पाटीदार का एक साल के अंदर यह तीसरा फाइनल मुकाबला था। इससे पहले उनके नेतृत्व में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। उससे पहले पाटीदार के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की टीम ने 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला था, जिसमें टीम को महाराष्ट्र के हाथों शिकस्त मिली थी। एक साल के भीतर रजत पाटीदार ने बतौर कप्तान दो टीमों को खिताब दिलाए हैं। दलीप ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में रजत पाटीदार का प्रदर्शन शानदार रहा।

दलीप ट्रॉफी में किया शानदार प्रदर्शन

ट्राफी जीतना हर कप्तान को पसंद

दलीप ट्रॉफी का खिताब मध्य क्षेत्र को दिलाने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने कहा, 'हर कप्तान को ट्रॉफ़ी जीतना पसंद होता है। हमारे खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में ज़बरदस्त जज्बा दिखाया और मैं इससे बहुत खुश हूं।' रजत ने एक साल के अंदर तीन टीमों की कप्तानी कर उसे फाइनल में पहुंचाया है और इनमें दो बार वह चैंपियन भी बने।

पाकिस्तान को हराकर कप्तान सूर्यकुमार ने मनाया जन्मदिन

नई दिल्ली। पाकिस्तान पर सात विकेट से जीत के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपना 35वां जन्मदिन मनाया। इसकी तस्वीरें उनकी पत्नी देविशा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर साझा कीं। बता दें कि, एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेला गया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सलमान आगा की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 127 रन बनाए। जवाब में भारत ने 15.5 ओवर में तीन विकेट पर 131 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर स्टार बल्लेबाज ने रविवार को 35वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने पाकिस्तान को भी मात दी, जिससे भारतीय प्रशंसक भी गदगद हो गए। भारतीय टी20 कप्तान की पत्नी देविशा ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

अफगानिस्तान को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 का अफगानिस्तान ने जीत के साथ आगाज किया। अपने पहले मुकाबले में ग्रुप बी की इस टीम ने हांगकांग को 94 रन से रौंदा। अब अफगान टीम का अगला मुकाबला आज बांग्लादेश से होना है। इस मैच से पहले टीम के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। अफगानिस्तान को स्टार तेज गेंदबाज चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक्स पर इस बात की जानकारी दी। बोर्ड ने एक्स पर लिखा, अफगानिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज नवीन उल हक मेंस टी20 एशिया कप 2025 से बाहर हो गए हैं। वह अभी भी कंधे की चोट से उबर रहे हैं और एसीबी की मेडिकल टीम ने उन्हें बाकी मैचों में खेलने के लिए फिट घोषित नहीं किया है। नवीन पूरी तरह से फिट होने तक गहन उपचार और पुनर्वास से गुजरेंगे। रिजर्व टीम और हाल ही में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज अब्दुल्ला अहमदजई को एशिया कप 2025 के लिए मुख्य टीम में शामिल किया गया है।

टेनिस में नए टैलेंट को सानिया ने सराहा

ये 16 साल की युवा खिलाड़ी करेगी बड़े-बड़े दिग्गजों का काम तमाम

नई दिल्ली। भारत की मशहूर टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा के बाद देश को अब इस खेल में एक और स्टार प्लेयर मिल सकती है। सानिया ने टेनिस में पूरी दुनिया में भारत का परचम लहराया है। सानिया मिर्जा विमेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर 1 प्लेयर रह चुकी हैं। वहीं सिंगल्स में सानिया ने अपने करियर की बेस्ट रैंकिंग वर्ल्ड नंबर 27 तक हासिल की थी। वहीं अब सानिया मिर्जा ने पीटीआई से बात करते हुए भारत की उभरती युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती को भारत का नया चेहरा बताया है। भारत की इस युवा प्लेयर की उम्र अभी केवल 16 साल है।

भारत की अगली सानिया मिर्जा?

भारत की स्टार प्लेयर सानिया मिर्जा ने पीटीआई से बात करते हुए टेनिस के भविष्य को लेकर बात की। सानिया ने देश की दो उभरती खिलाड़ियों श्रीवल्ली रश्मिका भामिदिपति और माया राजेश्वरन रेवती के नाम लिए। सानिया मिर्जा ने कहा कि श्रीवल्ली और माया दोनों अलग-अलग उम्र की खिलाड़ी हैं। श्रीवल्ली, माया से बड़ी हैं, लेकिन माया में ज्यादा पोटेंशियल नजर आता है।

सानिया मिर्जा ने आगे कहा कि काफी समय के बाद ये सवाल सामने आया है कि मेरे बाद अब कौन आ रहा है और मुझे ये जानकर अच्छा लग रहा है कि आखिरकार अब 15-16 साल की लड़की ऐसा कर सकती है। मैं चाहती हूं कि माया को उसी के एज ग्रुप में खिलाया जाए, न कि उसे आगे के ग्रुप में डाल दिया जाए। सानिया ने आगे कहा कि जैसा अभी हमने Billie Jean King Cup में देखा कि इस टूर्नामेंट में लड़कियों ने खूब जज्बा दिखाया, जो कि इस साल की शुरुआत में ही हुआ था। इस टूर्नामेंट में श्रीवल्ली और बाकी सभी लड़कियों ने भी बेहतर परफॉर्म किया था। भारत की 16 साल की युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती अभी जूनियर लेवल पर खेल रही हैं। इस प्लेयर की इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (ITF) में 2024 में रैंकिंग जहां 92 थी, अब ये युवा खिलाड़ी इस साल आईटीएफ जूनियर रैंकिंग्स (ITF Rankings) में सितंबर 2025 तक 55 पर आ गई है। इस प्लेयर ने अगस्त में अपनी अब तक के करियर की बेस्ट रैंकिंग 54 हासिल की थी।

137 बल्लेबाजों को पछाड़कर आगे आए अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली। भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा एशिया कप 2025 में शानदार फॉर्म में हैं। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने न सिर्फ टीम इंडिया को लगातार जीत दिलाई है, बल्कि उन्हें एक ऐसा रिकॉर्ड भी दे दिया है जो दुनिया के किसी और बल्लेबाज के नाम नहीं है। अभिषेक शर्मा पिछले एक साल में 137 अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट खेलने वाले बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर पहुंचे हैं।

रिकॉर्ड तोड़ स्ट्राइक रेट से बनाए 1000+ रन

दरअसल, साल 2024 से लेकर अब तक दुनिया भर में 137 बल्लेबाजों ने T20 क्रिकेट में 1000 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ अभिषेक शर्मा ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने ये उपलब्धि 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से हासिल की है। बाएं हाथ के इस आक्रामक ओपनर ने इस दौरान 1900 से ज्यादा रन बनाए और हर बार गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। यही वजह है कि उन्हें T20 क्रिकेट के बेस्ट बल्लेबाज के तौर पर पहचाना जाने लगा है।

छक्कों के बादशाह बने

अभिषेक शर्मा सिर्फ तेज रफ्तार रन ही नहीं बना रहे हैं, बल्कि छक्के लगाने में भी उनका कोई तोड़ नहीं है। एशिया कप 2025 के शुरुआती दो मैचों में ही उन्होंने 6 चौके और 5 छक्के लगाए हैं। यही वजह है कि वह अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई के साथ टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक आईपीएल के पिछले सीजन में कुल 42 छक्के लगा चुके हैं।

एशिया कप में धमाकेदार शुरुआत

एशिया कप 2025 में भी अभिषेक शर्मा का बल्ला खूब बोल रहा है। टूर्नामेंट के पहले मैच में उन्होंने यूएई के खिलाफ सिर्फ 16 गेंदों में 30 रन ठोक डाले थे। वहीं, पाकिस्तान जैसी बड़ी टीम के खिलाफ भी उन्होंने महज 13 गेंदों में 31 रन जड़ दिए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 238.46 का रहा, जो पाकिस्तान के किसी भी गेंदबाज के लिए सिरदर्द से कम नहीं था।

T20 क्रिकेट में अनोखा कारनामा

भारत की जीत में बड़ी भूमिका

अभिषेक शर्मा की तेज शुरुआत का ही असर रहा कि भारत ने अपने दोनों शुरुआती मुकाबले एकतरफा अंदाज में जीते. पहले मैच में भारत ने यूएई को 9 विकेट से हराया और फिर पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम को 7 विकेट से मात दी। दोनों मैचों में अभिषेक की विस्फोटक पारियां भारत की जीत की बुनियाद साबित हुईं। अभिषेक शर्मा का यह प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के लिए शुभ संकेत है. लगातार बड़े शॉट खेलने की क्षमता, पावरप्ले में तेजी से रन बनाना और लंबी पारी खेलने का हुनर उन्हें एक अलग स्तर पर ले जाता है। अगर यही फॉर्म जारी रही, तो आने वाले समय में अभिषेक शर्मा न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के सबसे खतरनाक T20 बल्लेबाज बन सकते हैं।

शाहिद-तृप्ति की रोमांटिक फिल्म का टाइटल आउट

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर और डायरेक्टर विशाल भारद्वाज की जोड़ी एक बार फिर धमाका करने जा रही है. लंबे इंतजार के बाद उनकी नई फिल्म का नाम और रिलीज डेट फैंस के सामने आ चुकी है. शाहिद कपूर ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर पहला पोस्टर शेयर किया. इसमें वो काउबॉय हैट पहने हुए अपने हाथ से चेहरा छुपाते नजर आ रहे हैं. इसी के साथ शाहिद ने बताया कि फिल्म का नाम 'ओ रोमियो' है और ये फिल्म वैलेंटाइन डे 2026 पर रिलीज होगी.

तृप्ति डिमरी संग पहली बार जोड़ी

इस फिल्म में शाहिद कपूर के अपोजिट एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी नजर आएंगी. शाहिद और तृप्ति की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखेगी, जिससे फैंस की एक्साइटमेंट दोगुनी हो गई है. फिल्म में नाना पाटेकर, फरीदा जलाल और अविनाश तिवारी भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे. फिल्म को नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है.

शाहिद और विशाल भारद्वाज की चौथी फिल्म

'ओ रोमियो' शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की चौथी फिल्म होगी. इससे पहले दोनों 'कमीने' , 'हैदर' और 'रंगून' जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं.

रियल लाइफ में किसी परम सुंदरी से कम नहीं ये एक्ट्रेस

वेस्टर्न हो या इंडियन हर लुक से जीत लेती है दिल

बॉलीवुड की हसीन अदाकारा जान्हवी कपूर का तो जवाब नहीं. आजकल हर जगह सिर्फ उन्हीं के चर्चे हैं. हाल ही में उनकी फिल्म परम सुंदरी रिलीज हुई थी और जल्द ही वो वरुण धवन संग सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आने वाली हैं. आज हम आपके लिए जान्हवी कपूर का ब्यूटीफुल फोटो कलेक्शन लेकर आए हैं. वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल जान्हवी का लुक शानदार लगता है.

बॉलीवुड सुपरस्टार एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी जान्हवी अपनी मां की तरह ही खूबसूरत और टैलेंटेड हैं. उनकी फिल्में भी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. हाल ही में आई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म परम सुंदरी में जान्हवी का साउथ इंडियन लुक देखने को मिला था. साउथ इंडिया साड़ी में जान्हवी कमाल की दिख रहीं.

वेस्टर्न ड्रेस में भी लगती हैं कमाल

ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ ही जान्हवी वेस्टर्न लुक में भी कहर ढाती हैं. समुंदर के किनारे बिकनी में एक्ट्रेस कई बार अपना फिगर फ्लॉन्ट के चुकी हैं. सोशल मीडिया पर भी जान्हवी की अच्छी पकड़ है. यहां उनकी जबरदस्त पॉपुलैरिटी है. जान्हवी अक्सर यहां अपनी बेहतरीन फोटोज और विडियोज शेयर करती रहती हैं. अपनी मां श्रीदेवी की तरह जान्हवी भी इंडस्ट्री में जीतोड़ मेहनत कर रही हैं. जान्हवी जल्द ही अपनी नई फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन के साथ नजर आने वाली हैं.

काजोल-ट्विंकल के चैट शो का ट्रेलर रिलीज

आमिर ने सलमान को चूमा

प्राइम वीडियो पर नया चैट शो शुरू होने वाला है, जिसे बॉलीवुड की दो चर्चित अभिनेत्री काजोल और ट्विंकल खन्ना द्वारा होस्ट किया जाएगा। अब इस शो का ट्रेलर लिजी किया गया है, जिसमें कई आगामी मेहमानों की झलक दिख रही है। हालांकि, सलमान और आमिर खान की जोड़ी दर्शकों का ध्यान खींच रही हैं। देखें ट्रेलर।

काजोल-ट्विंकल के चैट शो 'टू मच' के ट्रेलर में कई मेहमानों की झलक दिखती है। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आमिर-सलमान की जोडी ने खींचा। वीडियो में दिखता है कि काजोल ने पूछा कि वो उनके शो का कैसे प्रचार करेंगे? इसके जवाब में सलमान ने कहा, 'ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार्स।' ये सुनते ही सब हंस पड़ते हैं। शो में दोनों खान को खूब मस्ती करते देखा गया। इतना ही नहीं आमिर खान ने खुश होकर सलमान के गाल पर चूम लिया।

15 साल की उम्र में एमी पुरस्कार जीतने पर ओवेन कूपर को प्रियंका ने दी बधाई

हाल ही में लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में 77वें एमी अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया। इस समारोह में 15 साल के ओवेन कूपर ने लिमिटेड सीरीज या फिल्म कैटेगरी में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का एमी अवॉर्ड जीता। ओवेन ने सबसे कम उम्र में ये खिताब जीत इतिहास रच दिया। इसके लिए उन्हें तमाम बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

एक्ट्रेस ने शेयर किया वीडियो

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर ओवेन कूपर का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें 'एडोलसेंस' शो में उनके शानदार अभिनय के लिए एमी पुरस्कार मिला। बॉलीवुड अभिनेत्री ने इस पोस्ट के कैप्शन में कूपर की ऐतिहासिक जीत पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कुछ इमोजी भी डाले।

15 साल में जीता एमी अवॉर्ड

77वें एमी अवॉर्ड्स के दौरान नेटफ्लिक्स के ओरिजिनल शो 'एडोलसेंस' में अभिनय करने वाले ओवेन कूपर एमी पुरस्कार जीतने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के अभिनेता बन गए। उन्होंने लिमिटेड सीरीज या फिल्म कैटेगरी में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड जीता। उन्होंने यह अवॉर्ड सिर्फ 15 साल की उम्र में अपने नाम किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह वाकई अद्भुत है। सच कहूं तो, जब मैंने थिएटर क्लासेज शुरू की थीं, तो मुझे यह पुरस्कार जीतने की उम्मीद नहीं थी। तीन साल पहले मैं कुछ भी नहीं था, लेकिन अब मैं यहां हूं।

'तीस मार खां 2 बनाएं क्या' ?

फराह खान ने अक्षय कुमार से पूछा सवाल

चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के इस बार के वीकएंड का वार एपिसोड में आगामी फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' की स्टारकास्ट पहुंची। अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला ने इस बार के एपिसोड में चार चांद लगा दिए। हालांकि, अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त होने के चलते इस बार सलमान खान ने शो होस्ट नहीं किया, बल्कि फराह खान ने उनकी जगह होस्ट की भूमिका निभाई। आज सोमवार को फराह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है, जिसमें फिल्म 'तीस मार खां' के सीक्वल को लेकर हिंट दिया है।

फराह ने हंसते हुए अक्षय कुमार से किया सवाल

वीकएंड का वार एपिसोड में अक्षय कुमार, अरशद वारसी और फराह खान ने खूब मस्ती की। आज सोमवार को फराह ने एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अक्षय कुमार के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, 'तीस मार खां 2 बनाएं क्या?' इसके साथ लाफिंग इमोजी पोस्ट करते हुए आगे लिखा है, 'साथ में होस्ट करना बहुत ही मजेदार रहा'।

साल 2010 में रिलीज हुई थी 'तीस मार खां'

फराह के पोस्ट पर अभी अक्षय कुमार ने कोई रिएक्शन नहीं दिया है। देखना दिलचस्प होगा कि सीक्वल की मेकिंग पर वे क्या कहते हैं? बता दें कि फिल्म 'तीस मार खां' साल 2010 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन फराह खान ने किया। अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ और अक्षय खन्ना अहम भूमिकाओं में नजर आए। वहीं, सलमान खान और अनिल कपूर स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए। इस फिल्म का 'शीला की जवानी' गाना काफी वायरल हुआ था।

बिग बॉस 19 का पहला डबल एविक्शन, घर से बेघर हुईं नगमा-नतालिया

'बिग बॉस 19' में वीकएंड का वार एपिसोड फैंस के लिए किसी झटके से कम नहीं है। इंफ्लुएंसर नगमा मिराजकर और पोलिश एक्ट्रेस नतालिया शो से एलीमिनेट हो चुके हैं। नतालिया के जाने पर मृदुल तिवारी और नगमा के जाने से आवेज दरबार दुखी नजर आए, इन सबकी आपस में अच्छी बॉन्डिंग थी। यह जानकारी काफी दिन से सामने आ रही थी नगमा और नतालिया शो से बाहर होंगी लेकिन ऑफिशियली चैनल की तरफ से यह बात अब कंफर्म हुई है।

नतालिया के लिए समस्या बनीं भाषा

नतालिया विदेशी एक्ट्रेस हैं तो उन्हें हिंदी अच्छे से नहीं आती है। ऐसे में 'बिग बॉस 19' में उनकी दूसरे प्रतियोगियों से बातचीत करने में दिक्कत होती थी। इस वजह से वह शो में अपना पूरा योगदान नहीं दे पा रही थीं। इतना जरूर है कि एक प्रतियोगी मृदुल तिवारी के साथ उनकी अच्छी दोस्ती हो गई थी। दोनों ने साथ में डांस किया था। दोनों की बातचीत भी सोशल मीडिया यूजर्स और 'बिग बॉस' की ऑडियंस को पसंद आती थी।

नगमा के जाने से दुखी हुए आवेज दरबार

इंफ्लुएंसर नगमा मिराजकर 'बिग बॉस 19' में ऑडियंस कम नजर आईं, ऐसा लगा कि वह शो में रुचि ही नहीं रखती है। बस एक दूसरे प्रतियोगी आवेज दरबार के साथ उनका रिश्ता जरूर चर्चा में रहा। दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते हैं। आवेज ने शो ही में नगमा को प्रपोज कर दिया था। शो से नगमा का जाना आवेज को काफी अखरा है।

'देखते ही देखते इतना बड़ा हो गया'

23 साल के हुए अक्षय कुमार के बेटे आरव

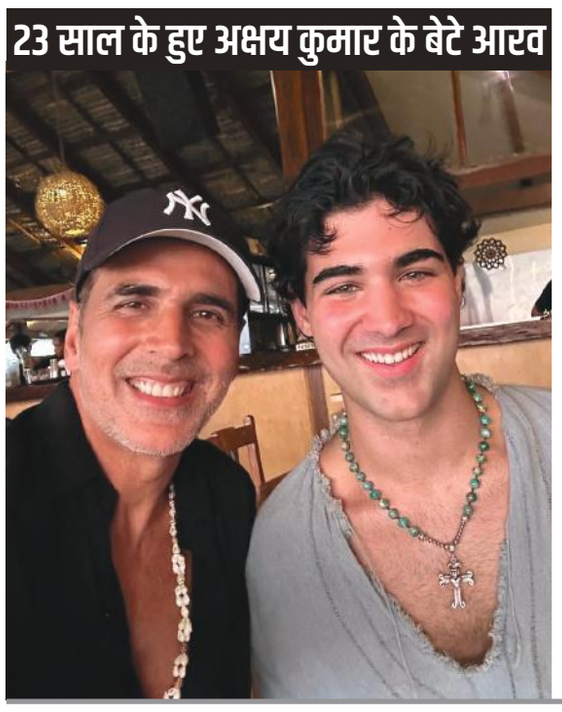

आरव कुमार आज अपना 23वां जन्मदिन मना रहे हैं। आरव के जन्मदिन पर अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी और बेटे की एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस प्यारी पोस्ट के साथ अक्षय ने बेटे को जन्मदिन पर एक प्यारा नोट लिखकर शुभकामनाएं दी हैं। अक्षय के बेटे आरव को कई सेलेब्स ने जन्मदिन की बधाई दी है।

अक्षय का बेटे के लिए पोस्ट

अक्षय कुमार ने बेटे आरव के साथ इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की और साथ ही कैप्शन में लिखा, '23वां जन्मदिन मुबारक हो, आरव। जब मैं तेईस साल का था, तब मैं स्क्रीन पर लोगों को हराना सीख रहा था... अब तुम्हें हर रोज तकनीक से लेकर फैशन और खाने की मेज पर बहस में मुझे हर जगह हराते देखना एक अजीब सा एहसास है। देखते ही देखते इतना बड़ा हो गया है यार तू... तुम मुझे अपनी ही कहानी में एक गर्वित साथी जैसा महसूस कराते हो प्यार करता हूं बेटा। मेरी जिंदगी के सबसे बेहतरीन 23 साल के लिए चीयर्स, क्योंकि ये तुम्हारे साथ रहे हैं।'

कीकू शारदा की 45 दिन में उजड़ गई दुनिया!

'राइज एंड फॉल' में बयां किया दिल का दर्द, कहा- 'मां का आखिरी फोन'

अश्नीर ग्रोवर का रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' इन दिनों लगातार न सिर्फ सुर्खियों में बल्कि टीआरपी की लिस्ट में भी छाया हुआ है. इस शो में लड़ाई-झगड़े टास्क के साथ-साथ आए दिन कोई न कोई कंटेस्टेंट अपनी पर्सनल लाइफ की दर्दभरी कहानी का खुलासा करता है, जो उनके फैंस को उनसे बांधे रखने का काम करता है. हाल ही में पवन सिंह ने अपनी मैरिज और लव लाइफ का खुलासा किया था, वहीं अब सबको हंसाने वाले कीकू शारदा ने भी अपने दिल का दर्द बयां किया है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया.

'मां का आखिरी फोन नहीं उठा पाए'

'राइज एंड फॉल' का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें कॉमेडियन कीकू शारदा) ने उस समय को याद किया जब उनकी मां का निधन हो गया था और 45 दिन के बाद ही पिता को भी खो दिया था. उन्होंने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि, 'वह दो साल पहले अमेरिका में थे, तब उनकी मां का निधन हो गया था. यह उनके लिए एक बड़ा सदमा था, लेकिन उससे भी ज्यादा दुख उन्हें इस बात का था कि वह अपनी मां का आखिरी फोन नहीं उठा पाए थे.' कीकू ने उन पलों को याद करते हुए आगे कहा कि, 'वह उस समय काफी बिजी थे और उन्होंने सोचा कि वह कल फोन कर लेंगे, लेकिन अगला दिन आने से पहले ही उनकी मां उन्हें छोड़कर चली गईं.'

सिगरेट और शराब जैसे नशे नहीं करती अमीषा पटेल

बॉलीवुड की खूबसूरत और बेबाक एक्ट्रेस अमीषा पटेल अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में एक बढ़ कर एक शानदार फिल्में दी हैं. वहीं वो अपने बयान से भी लाइमलाइट में रहती हैं. वहीं अमीषा अपने मुद्दे और अपनी राय खुलेआम रखती हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में अमीषा ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई काले सच से पर्दा उठाया, जिसे सुनकर लोग एकदम हैरान रह गए. अमीषा ने बताया कि इंडस्ट्री के कई लोग उन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं करते हैं. इसके साथ ही अमीषा ने सोशल मीडिया पर बढ़ते 'फर्जी' ट्रेंड्स के बारे में कई खुलासे किए हैं. उन्होंने फेक फॉलोवर्स और फर्जी लोगों के बारे में भी खुल के बताया था.

नशे और शराब से रहती हैं दूर

अमीषा पटेल ना हो शराब पीती हैं और ना ही सिगरेट, इन सब के अलावा अमीषा को और नशा भी नहीं करती हैं. साथ ही वो किसी भी चीज के लिए दूसरों के आगे पीछे भी नहीं घूमती हैं. अमीषा पटेल ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि दर्शकों का प्यार बहुत मैटर करता है. चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों. एक्ट्रेस ने कहा कि रमैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न सिगरेट पीती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं,₹ एक्ट्रेस ने अपनी मेहनत बताते हुए कहा कि मैंने जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही कमाया है. इसके कारण कुछ लोग मुझे बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं. मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती.'

रोमांस में लगा कॉमेडी का तड़का, वरुण-जान्हवी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का एंटरटेनमेंट से भरपूर ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में कॉमेडी और रोमांस की फुल डोज देखने को मिल रही है। ट्रेलर से फिल्म की कहानी का भी काफी हद तक पता चलता है। यहां देखिए कैसा है फिल्म का ट्रेलर?

ट्रेलर से पता चलती है फिल्म की कहानी

2 मिनट 54 सेकंड के इस ट्रेलर से फिल्म की कहानी के बारे में भी पता चलता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि वरुण धवन और सान्या मल्होत्रा पहले रिलेशन में होते हैं और जान्हवी कपूर और रोहित सराफ कपल होते हैं। लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि रोहित और सान्या शादी कर रहे हैं। अब अपने एक्स को दिखाने के लिए और उनकी शादी तुड़वाने के लिए वरुण और जान्हवी मिलकर अलग-अलग तरीके अपनाते हैं, ताकि उन्हें जलन महसूस हो। उसके बाद क्या वो दोनों सफल हो पाते हैं या फिर वरुण-जान्हवी को एक-दूसरे से ही प्यार हो जाता है, ये सब फिल्म देखने के बाद पता चलेगा। फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज के लिए तैयार है।

दशहरा पर रिलीज होगी फिल्म

शशांक खेतान द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज हो रही है। फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के अलावा सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।